हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 19.03.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 234 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~5 रुपये~~ 2 रुपये

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतरिक्ष से धरती के लिए रवाना

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर मंगलवार तड़के धरती के लिए रवाना हुए। स्पेसएक्स यान अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से गंतव्य के लिए निकल पड़ा है। सुनीता विलियम्स नौ माह से अधिक समय तक अंतरिक्ष में फंसी रही हैं। अमेरिकी समाचार पत्र द वाल स्ट्रीट जनरल की खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि सुनीता विलियम्स के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन छोड़ने का नासा ने वीडियो भी शेयर किया है। अंतरिक्ष यात्रियों का यह सफर 17 घंटे का होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र, भारत आने का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली : भारतीय मूल की प्रसिद्ध अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) पर लगभग नौ माह से अधिक समय बिताने के बाद मंगलवार तड़के धरती के लिए रवाना हुए। स्पेसएक्स यान अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से गंतव्य के लिए निकल पड़ा है। ऐसे में उनके सुरक्षित धरती पर वापसी के लिए भारत सहित पूरी दुनिया प्रार्थना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को लिखा एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि भारत के लोग सुनीता विलियम्स के अच्छे स्वास्थ्य और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने सुनीता को भारत आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि वह स्वयं सुनीता से मिलने के लिए उत्सुक हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया। प्रधानमंत्री ने यह भावुक पत्र गत 1 मार्च को लिखा था। पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने सुनीता की उपलब्धियों पर गर्व जताया

और उनकी वापसी के लिए 1.4 अरब भारतीयों की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, हाल की घटनाओं ने एक बार फिर आपकी प्रेरणादायक दृढ़ता और संकल्प को प्रदर्शित किया है। भले ही आप हजारों मील दूर हों, आप हमारे दिल के करीब हैं। भारत के लोग आपकी अच्छी सेहत और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। मोदी ने यह भी बताया कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जो बाइडन से अपनी मुलाकातों के दौरान सुनीता की कुशलता के बारे में पूछताछ की थी। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में दिल्ली में नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मासिमिनो से मुलाकात का जिक्र किया, जहां सुनीता का नाम चर्चा में आया था। इस मुलाकात के बाद उन्हें सुनीता को पत्र लिखने की प्रेरणा मिली। पत्र में मोदी ने सुनीता को भारत आने का निमंत्रण भी दिया, जिसमें लिखा, आपके वापस आने के बाद, हम आपको भारत में देखने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे प्रतिष्ठित बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी। उन्होंने सुनीता की मां बोनी पंड्या और उनके पति माइकल विलियम्स को भी शुभकामनाएं दीं, साथ ही उनके दिवंगत पिता दीपक पंड्या को याद किया, जिनसे वे 2016 में अमेरिका यात्रा के दौरान मिले थे। उल्लेखनीय है कि सुनीता और उनके सहयोगी बुच विल्मोर 9 महीने से अधिक समय तक आईएसएस पर रहने के बाद मंगलवार को सुबह 11:05 बजे आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए।

एक नजर

शेख हसीना परिवार के 31 बैंक खाते फ्रीज करने का आदेश

ढाका : बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान अपदस्थ हुईं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके पुत्र साजिब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुतुल और बहन शेख रेहाना के हितों से जुड़े 31 बैंक खातों को अदालत ने फ्रीज करने का आदेश दिया है। इन खातों में जमा रकम 394 करोड़ 60 लाख 72 हजार 805 टका है। बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, ढाका शहर के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन की अदालत ने मंगलवार को भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के अलग आवेदन पर सुनवाई करने के बाद यह आदेश पारित किया। इससे पहले 11 मार्च को कोर्ट ने शेख हसीना, साजिब वाजेद जॉय, साइमा वाजेद पुतुल और शेख रेहाना के हितों से जुड़े 124 बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया था। राजधानी ढाका के सेगुनबागीचा में एसीसी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में एजेंसी के महानिदेशक एक्टर हुसैन ने कहा कि अदालत ने एसीसी के आवेदन पर सुनवाई के बाद इन बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली में छात्रवृत्ति की घोषणा की

नई दिल्ली : न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में न्यूजीलैंड उत्कृष्टता पुरस्कार (एनजेडईए) 2025 के तहत एनजेड 260,000 डॉलर छात्रवृत्ति पैकेज की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य न्यूजीलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों को समर्थन देना है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने आईआईटी दिल्ली में शिक्षा पर केंद्रित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में न्यूजीलैंड सेंटर का जश्न मनाया गया। यह एक प्रमुख पहल है जो आईआईटी दिल्ली के सहयोग से न्यूजीलैंड के सभी विश्वविद्यालयों को एक साथ लाती है। इसके अतिरिक्त, एक अद्वितीय वर्चुअल इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की गई, जो 30 आईआईटी दिल्ली के छात्रों को न्यूजीलैंड की कंपनियों के साथ दूरस्थ रूप से इंटर्नशिप करने का मौका देगा। यह कार्यक्रम व्यावहारिक उद्योग अनुभव और न्यूजीलैंड की अभिनव कार्य संस्कृति की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा कि न्यूजीलैंड और भारत एक पारस्परिक शिक्षा साझेदारी साझा करते हैं, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर आधारित है।

चिंता की बात नहीं, बढ़िया से मनेगा सरहुल : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में बजट सत्र के 12वें दिन मंगलवार को ध्यानाकर्षण के जरिये भाजपा विधायक सीपी सिंह ने सिरमटोली फ्लाईओवर मामले को सदन में रखा। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर को लेकर वहां के लोग आंदोलनरत हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि इस मामले को लेकर उनके साथ-साथ मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों का पुतला फूंका गया। यह उनके विधानसभा में आता है। सरहुल में पूजा-अर्चना होती है जहां हजारों लोग आते हैं। इसका समाधान जल्द किया जाए। इस पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि सामाजिक संगठनों के माध्यम से यह विषय मेरे पास आया है। चिंता की कोई बात नहीं है। सरहुल मनेगा और बढ़िया से मनेगा। दरअसल सरहुल पर्व झारखंड और आसपास के आदिवासी क्षेत्रों में मनाया जाता है। इसमें प्रकृति विशेषकर साल वृक्ष (सखुआ)की पूजा की जाती है। यह पर्व नए साल की शुरूआत और बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है।

सीएम ने डीएसपी प्रदीप कुमार को किया निलंबित, विभागीय कार्यवाही का निर्देश

रांची : मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एटीएस के तत्कालीन डीएसपी प्रदीप कुमार को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रदीप कुमार, तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक, एटीएस रांची को निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सरकार के अनुसार उनके आचरण तथा कृत्यों से पुलिस की गरिमा तथा छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिस वजह से उनके विरुद्ध यह आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रदीप कुमार पर बिहार के औरंगाबाद के एक युवक ने गंभीर आरोप लगाये थे। युवक का आरोप था कि डीएसपी पीपी कुमार के उसकी पत्नी से नजदीकी संबंध हैं। वह रात-रातभर उनकी पत्नी से फोन पर बात करते हैं। जब वे इसका विरोध करते थे तो वे उसे जान से मारने की धमकी देते थे। युवक का यह भी आरोप है कि एटीएस के तत्कालीन डीएसपी जातिसूचक शब्द का प्रयोग कर उसे अपशब्द बोलते थे। पीड़ित का आरोप है कि वह उस पर पत्नी को तलाक देने के लिए भी दबाव बना रहे थे। ऐसा नहीं करने पर इसका अंजाम भुगतने की धमकी देते थे। औरंगाबाद के युवक ने इस मामले की शिकायत झारखंड सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग और पुलिस मुख्यालय से की थी। झारखंड सरकार ने पीड़ित युवक की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के लिए टीम गठित की थी।

झारखंड में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ जवान घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला थानान्तर्गत राधा पोड़ा के जंगल में मंगलवार को नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले। इस दौरान नक्सलियों द्वारा लगाये गए आईईडी की चपेट में सीआरपीएफ 134 बटालियन के एसआई सुबोध कुमार आ गए। घायल एसआई को प्राथमिक उपचार के बाद एयरलिफ्ट के जरिए रांची भेजा गया है। डाक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति स्थिर है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि आईईडी विस्फोट में एक एसआई घायल हुआ है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई लेकिन पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल का फायदा उठाकर भाग गये। सर्च अभियान में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया है। वहीं दूसरी ओर गोइलकेरा थाना क्षेत्र में नक्सलियों के विरुद्ध चलाये जा रहे सर्च अभियान के दौरान नक्सल डंप से गोला-बारूद बरामद किया गया है। सुरक्षाबलों को गोला-बारूद छुपाकर रखने की सूचना मिली थी। सूचना पर सर्च अभियान के दौरान गोईलकेरा थाना क्षेत्र के हाथीबुरू और लोवाबेडा के बीच एक नक्सल डम्प को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त किया। नक्सल डम्प से 4 किग्रा का 2 केन आईईडी, 20 मीटर कॉर्डेक्स वायर, 50 पीस इलेक्ट्रिक स्विच, एक किग्रा स्प्लिंटर, 40 पीस सिरिंज, 2 एमएम का 100 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, 4 एमएम का 20 मीटर इलेक्ट्रिक वायर सहित अन्य दैनिक उपयोग का सामान मिला है। बरामद विस्फोटक सामग्री को भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट किया गया।

नागपुर में दो गुटों में संघर्ष के बाद कई थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू

एजेंसी

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर में दंगों के बाद कई थाना क्षेत्रों के संवेदनशील हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया। पुलिस पूरी रात स्थिति सामान्य करने का प्रयास करती रही। स्थिति नियंत्रण में पर तनावपूर्ण बताई जा रही है। शहर में सोमवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद ने छत्रपति शिवाजी चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाया जाए। प्रदर्शनकारियों ने औरंगजेब की फोटो और प्रतीकात्मक पुतला जलाकर विरोध जताया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ अफवाह भरे वीडियो और पोस्ट वायरल हो गए। शाम करीब साढ़े सात बजे लोग चिटनिस पार्क के सामने कांग्रेस के देवड़िया भवन कार्यालय के बगल में एक धार्मिक स्थल के सामने एकत्र हुए। इसके बाद भीड़ छत्रपति चौक की ओर बढ़ी। इस दौरान भीड़ ने आपत्तिजनक नारे लगाए और पत्थरबाजी की। कई वाहन आग के हवाले कर दिए। पथराव में कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। भीड़ के हमले में चार पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त निकेतन कदम के हाथ पर कुल्हाड़ी से वार किया गया। वह लहूलुहान हो गए। पथराव के दौरान डीसीपी शशिकांत सातव का पैर फ्रैक्चर हो गया और डीसीपी अर्चित चांडक को गंभीर चोट आई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी राहुल मदने को भी मामूली चोटें आई हैं। माहौल को सामान्य करने के लिए पुलिस ने नागपुर शहर के कोतवाली, गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर थाना क्षेत्रों में रात में कर्फ्यू लगा दिया। पुलिस आयुक्त डॉ. रविन्द्र कुमार सिंघल ने कहा कि कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा।

इजराइल ने गाजा पर छह घंटे तक बरसाए बम, 326 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा पट्टी : इजराइल ने मंगलवार तड़के गाजा पर किए गए आक्रमण में आतंकवादी समूह हमास के ठिकानों और दहशतगर्दों को निशाना बनाया। इजराइल के सुरक्षा बलों ने करीब छह घंटे तक भीषण बमबारी की है। इस हमले में कम से कम 326 लोगों की मौत हो गई। बमबारी से तमाम घर जमींदोज हो गए हैं। मलबे में दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। इजराइल ने लक्षित क्षेत्र के नागरिकों को तत्काल अन्यत्र जाने की चेतावनी दी है।

440 से अधिक लोग घायल

सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि गाजा पर इजराइल के भीषण

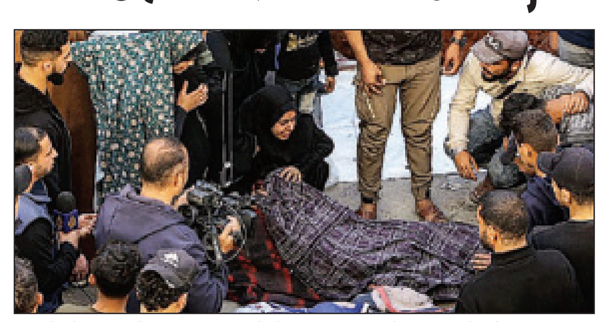

हमले में कम से कम 326 लोगों की जान चली गई। अभी भी तमाम लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं। मंत्रालय का कहना है कि हमले में 440 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की स्थिति बहुत गंभीर हैं।

बंधकों के परिवार चिंतित, नेतन्याहू से मिलने की मांग

इस आक्रमण ने इजराइली बंधकों के परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। परिवार के सदस्यों ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य अधिकारियों से मिलने की मांग की है। बंधकों और लापता परिवारों के फोरम ने कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री यह गारंटी दें कि हमास बंधकों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इससे पहले सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने कुल 251 लोगों को इजराइल से अगवा किया था। इजराइली सरकारी प्रेस कार्यालय के अनुसार, गाजा में बचे 59 बंधकों में से आधे से भी कम जीवित हैं।

आईडीएफ की बड़े आक्रमण की घोषणा

इजराइली सेना ने गाजा में बड़े आक्रमण की घोषणा की है और कई इलाकों में नागरिकों को बाहर निकलने का आदेश दिया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह आदेश दिया है। पोस्ट में गाजा का एक नक्शा भी दिखाया गया था, जिसमें एन्क्लेव के इलाकों के बड़े हिस्से को लाल रंग से रंगा गया है। उन्होंने निवासियों से पश्चिमी गाजा शहर और खान यूनिस में आश्रयों में जाने का आग्रह किया है।

महाकुंभ आयोजन भगीरथ प्रयास, दुनिया ने देखी विविधता में एकता : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ के भव्य आयोजन की तुलना भगीरथ के धरती पर गंगा लाने से की। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट और विविध स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा कि महाकुंभ का आयोजन हमें जल संरक्षण के महत्व का ध्यान कराता है और प्रेरणा देता है की कुंभ की भांति ही हम नदी उत्सव मनाए। उन्होंने कहा

कि महाकुंभ से बहुत से अमृत निकले हैं। इसमें एकता का अमृत बहुत ही पवित्र प्रसाद है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। प्रयागराज में हमने इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया है। हमारा दायित्व है कि इस विशेषता का निमंत्रण समृद्ध होती रहे। मोदी ने कहा कि हमने करीब डेढ़ महीने तक भारत में महाकुंभ का उत्साह देखा, उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा, असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए कोटि-कोटि श्रद्धालु श्रद्धा भाव से जुटे, ये हमारी बहुत बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में अपने संबोधन में महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि पिछले वर्ष राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने हमें यह आभास कराया कि देश अगले हजार वर्षों के लिए तैयार है। इस वर्ष महाकुंभ के आयोजन ने हमारी सोच को मजबूत किया कि देश की सामूहिक चेतना हमें हमारी क्षमताओं का एहसास कराती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन के माध्यम से देशवासियों, उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश की जनता, प्रयागराज की जनता और देशभर से आए श्रद्धालुओं का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने मॉरीशस की यात्रा के दौरान कुंभ त्रिवेणी संगम के पवित्र जल को वहां गंगा तालाब में मिलाये जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में देश के हर क्षेत्र, हर कोने के लोग आए और अहं त्याग कर वयं के भाव से के साथ प्रयागराज में जुटे। उन्होंने इसे वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों से जोड़ा और कहा कि महाकुंभ इस दौर में एकजुटता का एक विराट प्रदर्शन था। यह हमारी ताकत है।

पटना के कंकड़बाग में एक करोड़ की हुई लूट

एजेंसी

पटना : बिहार पुलिस के आला अधिकारी और मुख्यमंत्री की हाई-लेवल बैठक के 24 घंटे के भीतर राजधानी पटना में दिन दहाड़े मंगलवार को एक करोड़ की लूट की घंटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है। घटना राजधानी के कंकड़बाग अशोक नगर की बताया जा रही है। लूट के बाद लुटेरे नवादा की तरफ फरार हो गए हैं। वहीं लूट की वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने भी लूट की पुष्टि की है। कंकड़बाग थाना क्षेत्र के अशोक नगर के रोड नं-14 में यह लूटपाट हुई। बताया गया कि पीड़ित जमीन रजिस्ट्री के लिए पैसे लेकर आया हुआ था। जिसकी भनक लुटेरों को हो गई थी। उन्होंने दिन दहाड़े रुपयों को लूट लिया और फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही कंकड़बाग पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। नीतीश और महेश नाम के दो व्यक्तियों को गुप्ता नाम के जमीन दलाल ने जमीन दिखाने के लिए बुलाया था। इस दौरान नीतीश और महेश के पास 50-50 लाख रुपये को दो बैग थे। वह लगातार प्रॉपर्टी डीलर के संपर्क में थे। जब वह जमीन देख रहे थे, इसी दौरान लुटेरे वहां पहुंच गए और हथियार दिखाकर पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

एक नजर

इटखोरी के युवक की सड़क दुर्घटना में मौत, एक गंभीर रूप से घायल

चौपारण : थाना क्षेत्र के महराजगंज में बीती रात्रि एक दर्दनाक सड़क हादसे में इटखोरी के एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार मैजिक वाहन की टक्कर से यह हादसा महाराजगंज के पास हुआ है। सूचना मिलते ही एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहाँ डॉक्टर दिनेश कुमार के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद एक घायल को हजारीबाग रेफर कर दिया गया। मृतक की पहचान इटखोरी प्रखंड के सौनियाँ गांव निवासी शिवम कुमार के रूप में हुई। घायल युवक अलोक कुमार के रूप मे पहचान हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही रात्रि में सामुदायिक अस्पताल चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पहुंचे। शिवम के मौत से पुरे गांव मे शोक का माहौल है। पँचायत के मुखीया प्रतिनिधि रामशंकर पासवान ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

हजारीबाग के कृष्णा को मिला रजत पदक , 38वें यूथ फेस्टीवल में आईसेक्ट विवि का किया प्रतिनिधित्व

हजारीबाग: कृष्णा दांगी हजारीबाग में रह कर आईसेक्ट विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर फाइन आर्ट विषय से पढ़ाई कर रहे हैं । ढोढ़ी निवासी कृष्ण कुमार दांगी पिता विष्णुदेव दांगी ने अपने जिले का नाम रौशन किया है। ज्ञात हो कि 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टिवल मै एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में आयोजित किया गया था। जिसमें भारत के सभी 8 जोन से लगभग 148 विश्वविद्यालयों के विजेता छात्र छात्राएं शामिल थे। कृष्ण कुमार दांगी ने आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर फाइन आर्ट (पेंटिंग)कैटेगरी कार्टूनिंग विद्या में कृष्णा ने देश भर में दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। बता दें कि इससे पूर्व कोलकाता में आयोजित 38वां एआईयू ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल कोलकाता में ब्रोंज पदक अपने नाम कर विश्वविद्यालय का नाम रौशन किया था। इसी के बाद कृष्ण को नेशनल यूथ फेस्टिवल के लिए आमंत्रित किया गया जहां बेहतर प्रदर्शन करते हुए कृष्ण कुमार दांगी ने रजत पदक जीतने में कामयाबी हासिल की कृष्ण के इस उपलब्धि पर उनके माता पिता गुरुजनों विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर पीके नायक सर कुलसचिव मुनीश गोविंद , शिवदेव, सीमा मैडम प्रवीण कुमार, अमित कुमार गुप्ता, परमानंद कोशिक, अमित कुशवाहा ,शंकर दांगी ,शिवानी दांगी इंद्रजीत भारती, धनंजय कुमार , डीके ,सुदेश कुमार सभी ने कृष्ण दांगी को उज्जवाल भविष्य की कामना की है

चौपारण के खाद्य आपूर्ति के पदाधिकारी बने मुकेश कुमार

चौपारण : जिला आपूर्ति पदाधिकारी, हजारीबाग के आदेशानुसार चौपारण प्रखंड के दो जनसेवकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आदेश के तहत मुकेश कुमार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, चौपारण का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जबकि मुकुंद हंस को सहायक गोदाम प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम चौपारण के पद का प्रभार सौंपा गया है। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि दोनों जनसेवक चौपारण प्रखंड के अंतर्गत अपने मूल कार्यों के साथ इन अतिरिक्त कार्यों को भी सुनिश्चित करेंगे। साथ ही भूपनाथ महतो, प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, बड़कागांव से कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

झारखंड के लोग मेहनती हैं, और मेहनत के बल पर अपना भाग्य बदल सकते हैं : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत प्रमंडल स्तरीय पीएमएफएमई महोत्सव का उद्घाटन समारोह आज मंगलवार 18 मार्च को स्थानीय कर्जन ग्राउंड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री उद्योग,श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार संजय प्रसाद यादव शामिल हुए।

आज के इस प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में 14 जिलों के पीएमएफएमई के अंतर्गत 40 विभिन्न प्रकार के वित्त पोषित इकाइयों ने अपनी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में असंगठित रूप से कार्य कर रहे छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का निर्माण हो सके।(पीएमएफएमई) की मदद से, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को वित्तीय,तकनीकी और व्यावसायिक सहायता दी जाती है। यह योजना खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को विकसित करने,उनका विस्तार करने और उनका उन्नयन करने में मदद करती है।सरकार सरकार की योजना तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक इन योजनाओं की जानकारी आम जनों तक ना हो। उन्होंने उपस्थित लोगों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से कहा कि वें आगे आएं,खुद का रोजगार शुरू करें। यह अच्छा अवसर है,यहां छोटे-छोटे उद्योग करने वाले इच्छुक लोगों को वित्तीय सहायता मिलेगी। झारखंड सरकार की योजना है कि युवा मुख्य धारा में आए और स्वरोजगार को अपनाए। झारखंड के लोग मेहनती हैं और मेहनत के बल पर अपना भाग्य बदल सकते हैं। हम पीछे क्यों रहे हम किसी से कम नहीं। उद्योग निदेशक सुशांत गौरव ने भी इस योजना के बारे में आमजनों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म में खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के प्रमंडल स्तरीय पीएमएफएमई महोत्सव के उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए तथा आम जनों को संबोधित किया उन्होंने कहा ग्रामीण स्तर पर कई स्वयं सहायता समूहों ने अच्छे काम के बदौलत अपनी एक पहचान बनाई है। सरकार छोटे-छोटे लघु उद्योगों को बढ़ावा दे रही है,जहां कुटीर उद्योगों को लघु उद्योग में परिवर्तित कर पैकेजिंग और मार्केटिंग कर अपने उत्पादों को उचित मूल्य पर बेच कर आय में वृद्धि की जा सकती है। हर उत्पादों के वैल्यू एडिशन पर उन उत्पादों को अच्छे बाजार के साथ-साथ उचित मूल्य भी मिल सकता है। किसी भी उद्योग के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है,जिसके लिए इस योजना का भरपूर लाभ लिया जा सकता है। उद्योग विभाग इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।उपायुक्त नैंसी सहाय ने भी आमजनों को संबोधित करते हुए इस योजना का लाभ लेने की अपील की उपयुक्त नैंसी सहाय ने आज के प्रमंडल स्तरीय पीएमएफएमई महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुई ।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए बरही प्रखंड कार्यालय में महिलाओं की भीड़

धीरे-धीरे सभी के खातों में पैसे भेजे जा रहे हैं : बीडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का लाभ पाने के लिए मंगलवार को बरही प्रखंड कार्यालय में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिला। महिलाएं सुबह से ही कार्यालय पहुंच गईं, लेकिन स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अभाव में उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। कंप्यूटर ऑपरेटर के पास लंबी कतारें लगीं, जिससे महिलाओं को काफी परेशानी हुई। लाभार्थी महिलाओं ने शिकायत की कि प्रक्रिया सुचारू न होने के कारण उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। स्थानीय प्रशासन से मांग की जा रही है कि आवेदन प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित किया जाए, ताकि महिलाओं को अनावश्यक परेशानी न हो। इस संबंध में बरही बीडीओ जयपाल महतो ने बताया कि कुछ लाभार्थियों के खातों में योजना की राशि भेजी जा चुकी है, जबकि कुछ को अभी इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, जिन महिलाओं के खाते में पहले राशि आई थी, उन्हें इस बार भुगतान में देरी हो रही है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। धीरे-धीरे सभी के खातों में पैसे भेजे जा रहे हैं। बीडीओ ने बताया कि नए आवेदकों को प्रज्ञा केंद्रों से फॉर्म ऑनलाइन भरवाकर उसकी हार्ड कॉपी प्रखंड कार्यालय में जमा करनी होगी। उन्होंने सभी लाभार्थियों से धैर्य रखने की अपील की और भरोसा दिलाया कि वे पूरी कोशिश कर रहे हैं कि सभी के खाते में जल्द से जल्द राशि पहुंच जाए। प्रखंड कार्यालय पहुंचीं लाभार्थी महिलाएं मईया सम्मान योजना का लाभ लेने पहुंची महिलाओं में अंजू देवी, रीना देवी, द्रौपदी देवी, आरती देवी, कुसुम देवी, पार्वती देवी, रेशमा खातून, इशरत प्रवीन, सरोज देवी, गुड़िया देवी, गौरा देवी और रेखा देवी आदि शामिल थीं। अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक पूरी राशि लाभार्थियों तक पहुंचाने में सफल होता है।

अधिग्रहण में हो रही अनियमितताओं को तुरंत रोका जाए : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

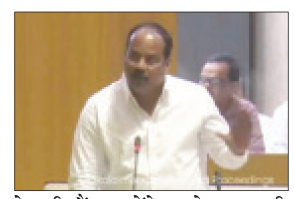

हजारीबाग : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में हजारीबाग के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को सदन में गरीब और आदिवासी समुदाय की जमीन के अधिग्रहण और उचित मुआवजा न मिलने की समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि एनटीपीसी और अन्य कंपनियों द्वारा जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे गरीब किसानों और आदिवासियों का शोषण हो रहा है।

एनटीपीसी और अन्य कंपनियों पर लगाए गंभीर आरोप: विधायक ने सदन में स्पष्ट रूप से कहा कि एनटीपीसी के आने के बाद से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी आई है। पहले सीसीएल जमीन अधिग्रहण के दौरान कुछ निश्चित नियमों का पालन करती थी, लेकिन वर्तमान में कंपनियां गरीब किसानों और आदिवासियों को उनका हक नहीं दे रही हैं। उन्होंने आगे कहा की आज भी पूरे झारखंड में गैर-मजूरा (अराजी) जमीन का भुगतान नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद, कई जमीन मालिकों को मुआवजा नहीं मिला है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि सरकार और प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

झारखंड के किसानों और आदिवासियों के साथ हो रहा अन्याय: विधायक ने हरियाणा राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि 10-15 साल पहले भी वहाँ की सरकार प्रति एकड़ 58 लाख रुपये का मुआवजा दे रही थी, जबकि झारखंड के लोगों को मात्र 1 से 1.5 लाख रुपये प्रति एकड़ दिया जा रहा है। यह गरीबों के साथ अन्याय है।

मिशन होस्पिटल द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के सहयोग द्वारा संचालित संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल द्वारा कटकमसांडी स्थित रेबर पंचायत भवन में मंगलवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ एवं अनुभवी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दी। रैंडम ब्लड शुगर आरबीएस, ब्लड प्रेशर चेक एवं दवाइयाँ ग्रामीणों को निशुल्क उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में मुफ्त दवाई, बी पी ब्लड प्रेशर, ब्लड सुगर एवं आरबीएस जांच मुफ्त हुआ। इसमें 57 जरूरतमंद का निशुल्क जांच किया गया। रेबर पंचायत वासियो ने शिविर से लाभान्वित होकर मिशन होस्पिटल परिवार का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष सह मिशन होस्पिटल के संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने बताया कि वर्तमान दौर में चिकित्सा के क्षेत्र में मरीजों की परेशानी एवं आर्थिक बोझ को कम करने के उद्देश्य से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन समय- समय पर आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न विभाग के अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सा अपनी बहुमुल्य सेवाएं दें रहे हैं। उन्होंने बताया कि निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के मदद से कई जरूरतमंद को लाभ मिल रहा है। निशुल्क शिविर लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाना मुख्य उद्देश्य है।

जमशेदपुर में आयोजित अंतरजिला झारखंड वीमेंस अंडर-19 क्रिकेट टीम में बरही बीएसए की 8 खिलाड़ी चयनित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग जिले के लिए गर्व का क्षण तब आया जब बरही स्पोर्ट्स एसोसिएशन की 8 महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन जमशेदपुर में आयोजित अंतरजिला झारखंड वीमेंस अंडर-19 क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए हुआ। सभी आठ खिलाड़ी हजारीबाग जिला का प्रतिनिधित्व करेगी। यह टूनार्मेंट झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में जमशेदपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस टूनार्मेंट में हजारीबाग, रांची, जमशेदपुर, रामगढ़, देवघर, कोडरमा, धनबाद, बोकारो, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी और गिरिडीह की महिला क्रिकेट टीमें भाग लेंगी। सभी टीमों को दो ग्रुप ग्रुप ए और ग्रुप बी में विभाजित किया गया है। हजारीबाग की टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जहां उन्हें अपने तीन लीग मैच खेलने होंगे। उन्हें 18 मार्च को हजारीबाग बनाम लोहरदगा, 21 मार्च को हजारीबाग बनाम बोकारो, 22 मार्च को हजारीबाग बनाम गिरिडीह खेलना है। सभी मैच जमशेदपुर के टेल्को मैदान में खेले जाएंगे। हजारीबाग जिला का कप्तानी रिंकी कुमारी करेगी।

बरही स्पोर्ट्स एसोसिएशन की इन खिलाड़ियों को मिला मौका : बरही बीएसए से चयनित इन आठ प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों ने कठिन अभ्यास और शानदार प्रदर्शन के दम पर झारखंड वीमेंस अंडर-19 टूनार्मेंट में अपनी जगह बनाई। चयनित खिलाड़ियों में वर्षा कुमारी पिता बीरेंद्र कुमार ग्राम न्यू कॉलोनी, बरही, सोनम कुमारी पिता सकलदेव यादव ग्राम लराही, चौपारण, सोनी कुमारी पिता चंद्रदेव कुमार यादव ग्राम सिंहपुर, रितिका कुमारी पिता गणपत राणा ग्राम हजारी धमना, अंकिता कुमारी पिता बिनोद कुमार यादव ग्राम तोया, चौपारण, कृति कुमारी पिता बिनोद राणा ग्राम हजारी धमना, चौपारण, सलोनी कुमारी पिता छोटन राणा ग्राम कुंडवा, रिंकी राणा पिता भरत राणा ग्राम बरहीडीह शामिल है।

बरही स्पोर्ट्स एसोसिएशन का अहम योगदान : सभी खिलाड़ी बरही प्रखंड मैदान में संचालित बरही स्पोर्ट्स एसोसिएशन (बीएसए) में प्रशिक्षण लेती हैं। बीएसए के संरक्षण में इन खिलाड़ियों को नियमित कोचिंग और बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे वे राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

एनटीपीसी के अधिकृत जमीन पर अंबा प्रसाद ने बना लिया है आलीशान भवन, पूर्व मंत्री ने कहा-एनटीपीसी ने दिया है एनओसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के बड़कागांव के पूर्व विधायक अंबा प्रसाद का आवास समाधान इन दिनों सुर्खियों में है. दरअसल पूर्व विधायक अंबा प्रसाद की मां पूर्व विधायक निर्मला देवी के नाम पर जिस जमीन को एनटीपीसी ने अधिग्रहित किया था उस जमीन पर उन्होंने अपना आवास बना लिया है इस कारण अंबा प्रसाद का आवास ₹समाधान₹ इन दिनों पूरे राज्य भर में सुर्खियों में है कोल बियरिंग एक्ट के तहत इस जमीन का अधिग्रहण पूर्व में ही हो चुका है. इससे संबंधित अधिसूचना 2007 में जारी हो चुकी है. जमीन का मुआवजा स्वीकार नहीं करने की वजह से मुआवजे की रकम 2017 में ट्रिब्यूनल में जमा कर दी गई थी.यह सवाल खड़ा हो रहा है कि वैसा भूमि जिसका अधिग्रहण कर लिया गया हो वहां आलीशान भवन कैसे बन गया.ईडी द्वारा की जा रही जांच में इस बात का खुलासा हुआ. जब इस बाबत पूर्व विधायक निर्मला देवी के झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह जमीन निर्मला देवी के नाम पर रजिस्ट्री है. एनटीपीसी ने एनओसी दे रखा है. और इसकी जानकारी पिछले दिनों ईडी को भी दी जा चुकी है. ऐसे में वहां आवास बना है तो कहां से गलत है।

उन्होंने इस दौरान एनटीपीसी पर गंभीर आरोप भी लगाया है कि जबरन ग्रामीणों से जमीन अधिग्रहण कर लिया जा रहा है. एनटीपीसी अपनी मनमानी भी क्षेत्र में कर रही है .विस्थापित लोगों को नजर अंदाज किया जा रहा है.आने वाले दिनों में एनटीपीसी के खिलाफ बड़ा आंदोलन भी देखने को मिलेगा. उन्होंने एनटीपीसी के पदाधिकारी को चेतावनी भी दे डाली है कि वह सावधान हो जाए ' इस पूरे प्रकरण पर हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि विभिन्न स्रोत से इस बात की जानकारी मिली है .इस मामले को अभी देखा जा रहा है. आगे जो भी निर्देश प्राप्त होगा उसे अनुसार कदम उठाया जाएगा ' एनटीपीसी की ओर से नवंबर 2017 में मुआवजे की 21.60 लाख रुपये की रकम चेक के माध्यम से ट्रिब्यूनल में जमा हो चुका है.ईडी द्वारा की जा रही जांच में इस बात का खुलासा हुआ. निर्मला देवी ने बड़कागांव की जमीन खाता नंबर 220, प्लाट नंबर 349 और 358, क्षेत्रफल 1.08 एकड़ रतन लाल खंडेलवाल और शकुंतला देवी से खरीदी थी ' सरकार द्वारा निर्धारित दर 23 लाख रुपये की जगह ये जमीन 14.67 लाख रुपये में खरीदी गई थी.जमीन खरीदने के लिए निर्मला देवी ने रतन लाल खंडेलवाल से 2007 में एकरारनामा भी किया था. उस समय कोल बियरिंग एक्ट के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही थी ' नियम सभी के लिए समान होता है. कोई भी व्यक्ति नियम तोड़ता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी होती है.बहरहाल जमीन अधिग्रहण का यह मामला बेहद गंभीर है. समस्या का समाधान होता है वह देखने वाली बात होगी ।

संक्षिप्त खबरें

विभावि में डिजिटल गवर्नेंस एवं लर्निंग एनहैंसमेंट पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के आर्यभट्ट सभागार में मंगलवार को डिजिटल गवर्नेंस एवं लर्निंग एनहैंसमेंट इनीशिएटिव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी स्नातकोत्तर विभाग के अध्यक्ष, अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालय के प्राचार्य एवं लर्निंग कोऑर्डिनेटरस ने भाग लिया।

झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित उक्त कार्यशाला में बोर्ड ऑफ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (BOPT) से संसाधन सेविओ ने ई-गवर्नेंस संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी दी। बताया गया कि झारखंड में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से इस व्यवस्था को ई-गवर्नेंस पद्धति में रूपांतरित किया जा रहा है। पद्धति को बहुत ही सरल बनाया गया है। इसमें इ-हस्ताक्षर की व्यवस्था की गई है तथा आधार से इसे जोड़ा गया है।

ज्ञात हो कि झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने कुछ ही दिन पूर्व उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए छे अलग-अलग पोर्टल का लोकार्पण किया था। कार्यशाला में बताया गया कि उक्त पोर्टल का निर्माण आईआईटी दिल्ली के साथ एमओयू के माध्यम से किया गया है। लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि झारखंड में विश्वविद्यालय स्तर पर 2025 तक तथा महाविद्यालयों मे 2026 तक ई गवर्नेंस को पूरी तरह से लागू कर दिया जाए। बहुत जल्द पूरी अवस्था मोबाइल में भी उपलब्ध होगी। वक्ताओं ने इस पूरे अभियान में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से सहयोग का आवाहन किया । कहा कि इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है क्योंकि मैन्युअल व्यवस्था को पूरी तरह से समाप्त भी कर दिया जाएगा। बीओपीटी के वक्ताओं ने समर्थ ई-गवर्नेंस मॉड्यूलस के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि अभी 44 मॉड्यूल विकसित किए गए हैं जो उपलब्ध भी है। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) एवं स्टूडेंट रिसोर्स सेंटर (SRC) के महत्व एवं विशेषताओं को भी बताया। बताया कि स्टूडेंट रिसर्च सेंटर में हर सेवा के संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क विवरणी को दशार्या गया है। अलग-अलग कार्य के लिए शुल्क अलग-अलग होंगे। वक्ताओं ने बताया की नई व्यवस्था में फीडबैक का महत्वपूर्ण स्थान होगा। यह भी बताया कि इससे तत्काल सारे समस्याओं का समाधान नहीं हो पाएगा। लेकिन बहुत ऐसे विषय हैं जिनका हल संभव होगा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया की पठन-पाठन के क्षेत्र में यह व्यवस्था शिक्षकों के विकल्प के रूप में नहीं बल्कि शिक्षकों के साथ मिलकर शिक्षा को सुदृढ़ बनाने का है। आईआईटी दिल्ली के अर्पित गुप्ता के अलावे मुस्तफिजुर रहमान, राहुल कुमार, अनुपम उपाध्याय, चंदन कुमार, सुनील कुमार तथा प्रियरंजन बारिक ने अलग-अलग विषयों पर पावर पॉइंट द्वारा अपने विषय को रखा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सादिक रज्जाक तथा अतिथि वक्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर तथा विनोबा भावे के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार का लोगों ने बुके देकर किया स्वागत

बड़कागांव : बड़कागांव पश्चिमी पंचायत मुखिया सह मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार को बड़कागांव पश्चिमी मंडल के सांसद प्रतिनिधि चुने जाने पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है। श्मशान घाट सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश सिंहा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार को बुके देकर स्वागत किया व क्षेत्र के विकास के लिए उम्मीद जताया। स्वागत पश्चात बधाई देने वालों में मुख्य रूप से दिनेश सिंहा, रामनवमी महा समिति के अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी, उप मुखिया सत्यदेव कुमार, नागेश्वर महतो ,अशोक महतो, वीरेंद्र महतो, अनिल दांगी, सुरेंद्र कुमार, बैद्यनाथ महतो, प्रदीप कुमार पटेल शामिल थे।

बरही विधायक ने विधानसभा में उठाया चौपारण का पेयजल संकट

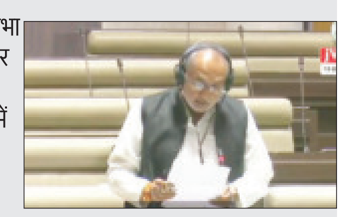

चौपारण : झारखण्ड विधानसभा में बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने चौपारण प्रखंड के बच्छई पंचायत के डुमरी गांव में वर्षो से लंबित पेयजल आपूर्ति योजना को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने सदन को बताया कि वर्ष 2017 में शुरू हुआ वाटर सप्लाई टैंक और पाइपलाइन का निर्माण कार्य अभी तक अधूरा पड़ा है। इस कारण बच्छई, चौपारण चट्टी, ताजपुर समेत दर्जनों गांवों के लोग भीषण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब लोगों को पानी समस्या का सामना करना पड़ता है। विधायक ने सरकार से मांग किया है कि इस योजना को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि इन गांवों के लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके। उन्होंने कहा कि यह योजना पूरी होने से हजारों लोगों को राहत मिलेगी। विधानसभा में इस मुद्दे के उठने के बाद, सरकार ने इस पर संज्ञान लिया है और जल्द ही इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। इधर सदन में पेयजल आपूर्ति योजना से सम्बंधित मामला उठाये जाने के बाद बच्छई मुखिया बिरेन्द्र रजक, सामिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव, उपमुखिया संजय साव, चौपारण मुखिया प्रतिनिधि बिंनोद सिंह, मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चनद्रवंशी, देवल यादव, पवन सिंह, अशोक केशरी, प्रदीप साव, सन्नी मित्तल, हेमराज साव, पूर्व मुखिया शौकत खान, सहित सैकड़ों लोगों में विधायक के प्रति आभार जताया।

पूनम साहू विधानसभा सांसद प्रतिनिधि बने ,रंजीत, महेंद्र एवं कृष्णा राम सांसद प्रतिनिधि मनोनीत

बड़कागांव : हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल ने संसद प्रतिनिधियों का मनोनयन किया है। जिसमें भाजपा नेत्री पूनम साव को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र तथा रंजीत मेहता को बड़कागांव पश्चिमी मंडल क्षेत्र सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया गया । वही कृष्णा राम को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र सांसद सह प्रतिनिधि, कर्मचारी साव केरेडारी मंडल क्षेत्र, महेंद्र महतो बड़कागांव पूर्वी मंडल (उरीमारी) क्षेत्र, लक्ष्मण मंडल पिपरवार मंडल क्षेत्र, राजाराम प्रजापति पतरातु मंडल क्षेत्र, राकेश सिन्हा भुरकुंडा मंडल क्षेत्र, सुरेंद्र करमाली भदानीनगर मंडल क्षेत्र, राधेश्याम अग्रवाल पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड क्षेत्र, तथा उमेश दांगी को सांसद मीडिया प्रतिनिधि मनोनीत किया गया है।

कोयला कारोबारी पर फायरिंग मामले में छह आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बरियातू पुलिस ने कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा पर फायरिंग मामले का खुलासा करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में प्रेम पांडेय, रहमान अंसारी, करण, अविनाश ठाकुर, शोभित सिंह और विशाल मुंडा शामिल हैं। इनके पास से चार पिस्टल, 20 गोलियां, छह मैगजीन और एक बाइक बरामद की गई है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में फायरिंग मामले का खुलासा करते हुए कहा कि गत सात मार्च को कोयला व्यवसायी विपिन मिश्रा को गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया गया था। फायरिंग में घायल विपिन मिश्रा और उनके चालक का इलाज मेडिका अस्पताल में हुआ। दोनों फिलहाल स्वस्थ्य होकर अपने घर चले गये हैं। एसएसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम ने जांच के दौरान पहले करण को पकड़ा। उससे पूछताछ की गयी। करण उरांव ने घटना के संबंध में टीम को जानकारी दी। इसके बाद सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान प्रेम पांडेय और रहमान अंसारी भागने की कोशिश में पुलिस की गाड़ी से कूद गए, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। एसएसपी ने बताया कि रायपुर जेल में बंद रहने के दौरान गैंगस्टर अमन साहू (मृत) के कहने पर इस घटना को अंजाम दिया गया। प्रेम पांडेय के जरिए इस घटना को अंजाम दिलवाया गया। घटना को अंजाम देने के लिए जेल में बंद आकाश राय उर्फ मोनू ने प्रेम पांडेय को हथियार उपलब्ध कराया था। इसके बाद प्रेम पांडेय ने बक्सर से आए शूटर अविनाश ठाकुर और शोभित सिंह को शामिल किया। घटना को अंजाम देने के लिए वाहन का इंतजाम करण उरांव के जरिये किया गया, जबकि चालक के रूप में रहमान को लगाया गया। घटना के पूर्व विपिन मिश्रा की रेकी करने के लिए विशाल मुंडा को तैनात किया गया था। घटना के दिन वाहन चलाने में रहमान और दोनों शूटर घटनास्थल पर थे। दोनों शूटरों को प्रेम पांडेय ने श्री रामकृष्ण इंक्लेव में ठहराया था। प्रेम पांडेय ने पुलिस को बताया कि 15 फरवरी को वह रामगढ़ जेल से बाहर आया था। वर्तमान में मोरहाबादी स्थित श्री रामकृष्ण इंक्लेव के आठवें तल्ले पर मुन्ना सिंह के गेस्ट हाउस में मुन्ना भैया के आदेश से रह रहा था। वह पहले विकास तिवारी के गिरोह में काम करता था। उसके चचेरे भाई भरत पांडेय को जनवरी में पलामू के चैनपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसकी जिम्मेदारी विकास तिवारी ने ली थी। इसके पहले उनके चाचा अशोक पांडेय की हत्या भी 2022 में विकास तिवारी ने करवा दी थी। गिरोह के वर्चस्व के कारण ये हत्याएं हुई थीं। जब वे रामगढ़ जेल में थे, तो अमन साहू ने उनसे संपर्क किया और मोनू राय उर्फ आकाश राय के माध्यम से सिग्नल एप से बात की और कहा कि मेरे गैंग में आ जाओ, मेरा काम करोगे तो सुरक्षित रहोगे। विकास तिवारी से लड़ाई के कारण वह अमन साहू के गैंग में शामिल हो गया और जेल से काम करने लगा।

खेलगांव आवासीय परिसर से लेफ्टिनेंट कर्नल का शव बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के खेलगांव आवासीय परिसर से मंगलवार को एक लेफ्टिनेंट कर्नल का शव बरामद किया गया है। शव पार्किंग एरिया में मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल दिवाकर सिंह का संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद किया गया। बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले दिवाकर सिंह खेलगांव स्थित आवासीय परिसर में अपनी पत्नी और एक बेटी के साथ रहते थे। उनकी पोस्टिंग रांची के नामकुम आर्मी कैंप में थी। दिवाकर सिंह का शव अपार्टमेंट के पार्किंग एरिया से मंगलवार की सुबह बरामद किया गया। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल की पत्नी ने पुलिस को बयान दिया है कि वे पिछले कई महीनों से डिप्रेशन में थे और उनका इलाज भी चल रहा था। पत्नी के अनुसार दिवाकर सिंह हर शाम काफी देर तक बिल्डिंग के छत पर जाकर बैठा करते थे। सोमवार की शाम भी वे छत पर ही बैठे हुए थे। पत्नी ने इस दौरान फोन कर उन्हें कई बार नीचे बुलाया लेकिन वे नहीं आए। देर रात होने पर वह और उनकी बेटी सोने चली गई। इसी बीच मंगलवार की सुबह उन्हें यह जानकारी दी गई कि पार्किंग एरिया में दिवाकर सिंह का शव पड़ा हुआ है। खेलगांव थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि शव बिल्डिंग की पार्किंग एरिया से मिला है। प्रारंभिक जांच में पूरा मामला सुसाइड का लग रहा है। उन्होंने कहा कि यह भी जानकारी मिली है कि दिवाकर सिंह डिप्रेशन में थे। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

विधायकों की अनुसंशा से बनेंगे सरना स्थल की चहारदिवारी और धुमकुड़िया भवन : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने विभाग के अनुदान मांग पर चर्चा पर जवाब देते हुए मंगलवार को कहा कि अब राज्यों में आदिवासियों के विकास कार्यों में दलालों की नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि सरना स्थल की चहारदिवारी और धुमकुड़िया भवन के निर्माण कार्य की अनुसंशा अब विधायक करेंगे। ताकि इस कार्य में बिचौलिया संस्कृति खत्म हो। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार ने सरना स्थलों की चहारदिवारी के लिए 200 करोड़ और धुमकुड़िया भवन के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपए देगी। मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर अगले पांच वर्षों तक राज्य की अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और ओबीसी समाज की शिक्षा पर रहेगा। मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के आदिवासी छात्रावासों की व्यवस्था में सुधार लाएगी। उन्होंने कहा कि अब आदिवासी छात्रों को घर से अनाज नहीं लानी पड़ेगी। उन्हें छात्रावासों में खाना फ्री में मिलेगी। खाना बनाने के लिए सरकार छात्रावासों में कुक की नियुक्ति की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यूपीएससी की तैयारी के लिए सरकार 100 छात्र और 100 छात्राओं का चयन कर उन्हें फ्री में कोचिंग दिलाएगी। बेहतर कोचिंग के लिए जरूरत पड़ने पर छात्र-छात्राओं को दिल्ली भी भेजा जाएगा। मंत्री ने कहा कि अब हमारी सरकार आदिवासी छात्रावासों के लिए सात मंजिला भवन बनाएगी। सरकार 60 एकलव्य विद्यालय भी चलाएगी। चमरा लिंडा ने कहा कि केंद्र सरकार आदिवासियों के लिए अलग सरना कोड न देकर उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने चुनावी दौरे में एक बार भी सरना कोड का जिक्र नहीं किया, बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरना कोड दिलाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कमेटी बनाकर सरना कोड की मान्यता दिलाने में आ रही रूकावटों की जांच कराए। उन्होंने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनजातीय योजना के पैसे को हाथी उड़ाने पर खर्च किया गया। ऐसे में आदिवासी बच्चे और महिलाओं का विकास कैसे संभव है। चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य का आदिवासी अपना अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम विधायकों में आदिवासी संस्कृति को जीवित रखने के लिए मांदर और नगाड़ा बांटेंगे। हमलोग पुनः होनेवाले परिसीमन को लेकर डरे हुए हैं।

चुप चाप मार्च लूट की ओर बढ़ रही सरकार : प्रतुल शाहदेव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की हेमंत सरकार चुप चाप मार्च लूट की ओर बढ़ रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा 2024-25 के बजट में जनवरी तक बजट की राशि का सिर्फ 60 प्रतिशत हिस्सा खर्च हुआ था। यानी दो महीने में 40 प्रतिशत राशि खर्च होने की तैयारी है जबकि नियमों और परंपराओं के अनुसार मार्च में अधिकतम सिर्फ 15 प्रतिशत राशि की निकासी हो सकती है। उन्होंने कहा कि सबसे अफसोसजनक स्थिति विकास से जुड़े विभागों की है जहां बड़ी संख्या में राशि अभी तक खर्च नहीं हुई है। इसके बंदरबांट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि पहले से जल जीवन मिशन में फिसड्डी चल रही हेमंत सरकार ने मौजूदा बजट में तो सारी सीमाएं पार कर दी हैं। फरवरी तक पेयजल विभाग ने योजना और विकास की सिर्फ 10 प्रतिशत राशि ही खर्च की है। 4500 करोड़ रुपयों के विभाग के बजट के तुलना में फरवरी तक सिर्फ 438 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। ऐसी स्थिति में कई पेयजल योजनाएं अटक गई हैं। जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार झारखंड सरकार को बहुत बार नसीहत दे चुकी है। अभी भी झारखंड के कई घरों में नल से जल नहीं पहुंच पाया है। प्रतुल ने कहा कि आम जनों को राहत देने वाले विभाग में इस तरह के लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं हो सकती। अब या तो विभाग में बड़े पैमाने पर सिर्फ मार्च में 90 प्रतिशत राशि का खर्च दिखा के लूट करने की तैयारी है या पैसा सरेंडर हो जाएगा। दोनों स्थिति प्रदेश की जनता के लिए विकट है। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड में 62,55,717 घर हैं। अभी तक सिर्फ 34,19,100 घरों में नल से जल पहुंचा है। जहां इस योजना का राष्ट्रीय औसत 79.79 प्रतिशत है वहीं झारखंड में इसका औसत सिर्फ 54.66 प्रतिशत है। यानि राष्ट्रीय औसत से झारखंड 25 प्रतिशत पीछे चल रहा है। राज्य के आज भी 45 प्रतिशत घरों में नल से जल नहीं जाता है। अब तक 10 महीने में सिर्फ 1,89,845 घरों में नल से जल पहुंचा है।

तमाड़ के प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दस हजार रुपये रिश्वत लेते रांची के तमाड़ के प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अभिजीत चैल को गिरफ्तार किया है। अपने कार्यालय में ही रिश्वत लेते तमाड़ के प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को रांची एसीबी की टीम ने पकड़ा है। एसबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित धनंजय साहू ने रांची एसीबी में लिखित शिकायत की थी कि उनके पैतृक गांव परसा में उनके नाम से सरकारी जन वितरण प्रणाली की दुकान है। उसे वह वर्ष 1989 से संचालित करते आ रहे हैं। वर्तमान में तमाड़ प्रखंड में प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अभिजित चैल के जरिये जन-वितरण प्रणाली दुकान से 3000 प्रति माह अवैध रूप से रिश्वत की वसूली की जा रही है। आठ मार्च को प्रभारी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी अभिजीत चैल ने दुकान पर आकर सरकारी राशन की दूकान चलाने के लिए 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। एसीबी टीम ने जब पीड़ित के दिये गए आवेदन पर सत्यापन किया तो अभिजीत चैल पर लगे आरोप को सत्य पाया। इसके बाद रांची एसीबी की टीम ने मंगलवार को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए अभिजीत चैल को प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी कार्यालय से गिरफ्तार किया।

विधानसभा : झामुमो विधायक ने पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ाई शुरू करने का उठाया मामला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को झामुमो विधायक जिगा सुसारन होरो ने सिसई में पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ाई शुरू करने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि सिसई में पॉलिटेक्निक कॉलेज का भवन तैयार है। कब से पढ़ाई शुरू होगी। इस पर मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि वहां प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति कर दी गई है। एआईसीटीई से मान्यता मिलने के बाद पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में गठबंधन की सरकार है, जबकि केंद्र में विपक्ष की सरकार है। विपक्ष पर भी इसकी जवाबदेही है। राज्य सरकार अपनी तरफ से लगातार इस विषय पर काम कर रही है। केन्द्र सरकार से पत्राचार भी किया गया है। विपक्ष भी इस पर पहल करे और भारत सरकार से बात करे।

एआईसीटीई एक स्वतंत्र एजेंसी है : बाबूलाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एआईसीटीई एक स्वतंत्र एजेंसी है। आपने वहां कोई प्रयास ही नहीं किया। पूरे राज्य में पॉलिटेक्निक भवन तैयार है। पूरे राज्य में प्रभारी प्राचार्य से ही काम चल रहा है। गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। जहां सहयोग की जरूरत होगी वहां करेंगे।

राज्य में विस्थापन आयोग का जल्द गठन होगा : दीपक बिरूआ

विधानसभा में विधायक रौशनलाल चौधरी, विधायक प्रदीप प्रसाद और विधायक निर्मल महतो ने विस्थापितों का मुद्दा उठाया। विधायक रौशनलाल चौधरी ने कहा कि पीटीपीएस में 60 साल पहले जमीन का अधिग्रहण किया गया लेकिन रैयतों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि गैर मजरूआ जमीन का भी पेमेंट नहीं मिला है। रिक्यूजिशन पॉलिसी होना चाहिए। कमेटी बनाकर निष्पादन होना चाहिए। विधायक निर्मल महतो ने कहा कि मेरी 24 एकड़ रैयती जमीन चली गई। सिर्फ दो लोगों को ही नौकरी मिली।

कुरमाली भाषा को कुड़माली किया जाए : जयराम महतो

विधायक जयराम महतो ने कुरमाली भाषा को कुड़माली करने की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बहुत सी ऐसी भाषाएं हैं, जिसमें बोलचाल, शब्द और लिखावट में बदलाव हो जाता है। कहीं कुड़मी है तो कहीं कुरमी। हमलोग इसका भी आकलन कर सुधार करेंगे। विधायक सुरेश पासवान ने पुनासी डैम से देवघर शहर और किसानों को पानी देने की मांग की।

एक नजर

रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का शव

रांची : पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव बरामद किया है। यह घटना रांची के नयासराय टुण्डुल के पास की है। यहां मंगलवार की सुबह डोरिया टोली रेलवे लाइन से एक महिला का शव बरामद किया गया है। महिला का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पाया गया है। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की पहचान नहीं हो पायी है। आशंका जतायी जा रही है कि महिला की मौत ट्रेन से गिरकर या फिर ट्रेन की चपेट में आकर हुई है। पुलिस महिला की पहचान कराने में जुटी है।

बादल छाने से गर्मी से राहत, फिर बढ़ेगा तापमान

रांची : झारखंड के अधिकांश जिलों में बादल छाने से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन बुधवार से तापमान में फिर वृद्धि होने की आशंका है। इससे गर्मी फिर से बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार 21 मार्च तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने और गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। यह स्थिति हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बने पश्चिमी विछोभ के चलते पैदा हुई है। वहीं रांची और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को दिनभर कड़ी धूप रही। इससे गर्मी का एहसास हुआ। रांची में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री जमशेदपुर में 37.1, डालटेनगंज में 35.8 और बोकारो में अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

एनआरसी लागू कर आदिवासियों की घटती संख्या की कराएं जांच : बाबूलाल

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से एनआरसी लागू कर और आयोग बनाकर आदिवासियों की घट रही संख्या का पता लगाने की मांग की। बाबूलाल कल्याण मंत्री चमरा लिंडा की ओर से उठाए गए मामलों का जवाब दे रहे थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार पता करे राज्य में किस समुदाय की आबादी कहां घटी है। उन्होंने कहा कि राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों में सबसे अधिक आबादी अल्पसंख्यकों की बढ़ी है। वर्ष 1951 से 2011 की जनगणना से पता चलता है कि राज्य में किस प्रकार आदिवासी घट रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सबसे अधिक संथाल में आदिवासी घटे हैं। उन्होंने कहा कि यहां 20 से 25 ऐसी महिला मुखिया हैं, जिनके पति दूसरे समुदायों के हैं। इस पर मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष की ओर से अल्प संख्यकों की संख्या बढ़ने की बात आपत्तिजनक है। वहीं मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की ओर से ओबीसी का आरक्षण घटाकर 27 से 14 प्रतिशत क्यों कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे शहरों में आदिवासी सिमटते चले गए। इसके जवाब में बाबूलाल ने कहा कि राज्य में एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था को बिहार से एडॉप्ट किया गया है। कोर्ट के फैसले के बाद राज्य में ओबीसी आरक्षण को 27 से घटाकर 14 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने कहा सारी जानकारियां फाइलों में हैं, जिसे कोई पढ़ सकता है। वहीं कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि विपक्ष के एक सांसद संसद में कहते हैं कि संथाल को झारखंड से अलग कर देना चाहिए। इनसे आदिवासी हित के बारे में कैसे सोचा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल गंगवार ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास और विधि-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल ने इस अवसर पर राज भवन की ओर से प्रकाशित 'राजभवन पत्रिका' की प्रति प्रधानमंत्री को भेंट की। उल्लेखनीय है कि यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक राजभवन झारखंड की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ चलाया अभियान

रांची : शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सोमवार की देर रात जिला प्रशासन ने अभियान चलाया। इस दौरान कई वाहन चालक ऐसे मिले, जिन्होंने शराब पी रखी थी। ऐसे लोगों का चलान काटा गया और जुमार्ने की वसूली की गई। जानकारी के अनुसार रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर बीती देर रात रांची शहर के विभिन्न इलाकों में ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व डीटीओ अखिलेश कुमार कर रहे थे। अभियान के दौरान वाहन चालकों से कहा गया कि वह वाहन चलाते वक्त सुरक्षा नियमों का पालन करें। खुद सुरक्षित रहें और दूसरों के लिए भी खतरा ना बनते हुए उन्हें सुरक्षित रखें। इस दौरान जो लोग शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए, उनसे जुमार्ना वसूला गया।

अजा, अजजा, पिछड़ा और अल्पसंख्यक विभाग का अनुदान मांग पारित

रांची : विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को भोजनावकाश के बाद अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का 30 अरब सात करोड़ 54 लाख और 33 हजार रुपए का अनुदान मांग पारित हो गया। अनुदान मांग पर विपक्ष की ओर से भाजपा विधायक प्रकाश राम ने कटौती का प्रस्ताव रखा, जिसे सरकार की ओर से वापस लेने का आग्रह किया गया। लेकिन विधायक प्रकाश राम ने कटौती वापस लेने से इंकार कर दिया। इसके बाद स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने उनके प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया। वहीं कटौती की मांग रखते हुए विधायक प्रकाश राम ने राज्य से आदिवासी समुदाय के पलायन और उनकी जमीन का हस्तांतरण सादे कागज पर होने का मामला उठाया। विधायक प्रकाश राम ने कहा कि आदिवासियों की 85 प्रतिशत जमीन सादे कागज पर हो रहा है। इससे वे दूसरे राज्यों में पलायन करने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि वनों की अंधाधुंध कटाई से वनोपज पर आश्रित लोगों की आय कम हुई है। राज्य के वनोपज पर बड़ी-बड़ी कंपनियों की नजर है। उन्होंने कहा कि सरकार सीएनटी एक्ट को शिथिल कर आदिवासियों को 25 डिसमील जमीन बेचने का अधिकार दे। ताकि, वे इस पैसे का उपयोग बच्चों की पढ़ाई और उनके विवाह में इस्तेमाल कर सकें। प्रकाश राम ने कहा कि लातेहार जिला में दो डिग्री कॉलेज बनकर तैयार है, लेकिन यहां पढ़ाई शुरू नहीं की गई है। इससे आदिवासी बहुल जिला लातेहार के बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। सरकार से उन्होंने इन दोनों कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने नेतरहाट में पर्यटन से संबंधित दर्जे को खत्म करने की मांग की। विधायक ने कहा कि नेतरहाट में पर्यटकों की आवागमन से वहां के प्रख्यात स्कूल में पठन-पाठन बाधित हो रहा है।

145वां श्री सुंदरकांड पाठ हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 145 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। जय जय जय हनुमान गोसाई कृपा करो गुरुदेव की नाही के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। रंजन अग्रवाल आशा अग्रवाल ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित की । यजमान ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा सेवा श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम रंजन अग्रवाल आशा अग्रवाल राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्रवन ढानढनिया सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। 149 वां श्री श्याम भंडारा हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 149 वा श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया । अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी ने सभी धर्म प्रेमीयो को आमंत्रित किया है।

एक नजर

तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला का किया जाएगा आयोजन

धनबाद: आगामी 25 मार्च से 27 मार्च तक बैंक मोड़ स्थित गुरु नानक कॉलेज में इनफॉरमेशन सिक्योरिटी एजुकेशन एंड अवेयरनेस (आइ.एस.ई.ए.) पर तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के इनफॉरमेशन सिक्योरिटी एजुकेशन एंड अवेयरनेस के तहत सी-डैक, पटना द्वारा तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं साइबर कर्मियों के बीच निर्णय क्षमता और कौशल को बढ़ाना तथा उन्हें साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करना है।

कनक ज्वेलर्स में हुईं लाखों की चोरी बीते दिन मामले में जांच पड़ताल

कतरास (धनबाद): कतरास थाना के समीप कनक ज्वेलर्स में हुईं लाखों की चोरी बीते दिन मामले में जांच पड़ताल करने के लिए पहुंची फॉरेंसिक टीम दुकान खोलकर कर रही है जांच पड़ताल। टीम में थानेदार असित कुमार सिंह के अलावा अन्य पुलिस अधिकारी भी हैं मौजूद। बताते चलें की अज्ञात चोरों के द्वारा दुकान का ताला खोलकर लाखों रुपए मूल्य के जेवर पर हाथ साफ कर लिया गया था। अजीबो गरीब चोरी पर पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।अपराधियों की गिरफ्तारी बहुत जल्द होगी।

शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ के दो छात्र-छात्राओं ने जैम 2025 की परीक्षा पास की

धनबाद : शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ के दो छात्र-छात्राओं ने जैम 2025 की परीक्षा पास की। स्नातकोत्तर उपाधि हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जैम), प्रतिवर्ष इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी नई दिल्ली राष्ट्रीय स्तर पर ऑर्गेनाइज करती है। जिसमें अदिति सिंह एवं बिट्टू कुमार चौधरी ने इस परीक्षा में शानदार अंकों से उत्तीर्णता हासिल किया। अदिति सिंह वर्ष 2020 में महाविद्यालय से 405 अंकों के साथ विज्ञान संकाय में उत्तीर्ण हुई थी वहीं बिट्टू कुमार चौधरी वर्ष 2021 में 349 अंकों के साथ विज्ञान संकाय में उत्तीर्ण हुए थे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो सहित सभी शिक्षकों ने अदिति एवं बिट्टू के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

इंटर-स्टील वॉलीबॉल चैम्पियनशिप 2024-25 का शुभारंभ

बोकारो: बोकारो स्टील प्लांट के मेजबानी में बी एस एल के ट्रेनीज हॉस्टल-1 में स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड (रढइ) के तत्वावधान में पांच दिवसीय इंटर-स्टील वॉलीबॉल चैम्पियनशिप 2024-25 का शुभारंभ किया गया. इंटर-स्टील वॉलीबॉल चैम्पियनशिप 2024-25 का उद्घाटन बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी, श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी.आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सी.आर. मिश्रा, प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल, डॉ. बी.बी. करुणामय, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अरुण कुमार, महाप्रबंधक एवं संचार प्रमुख श्री मणिकान्त धान, महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री ए.के. अविनाश, सहायक महाप्रबंधक (स्पोर्ट्स एंड सीए) श्री सुभाष रजक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन, दिये दिशा निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की समस्या सुनी और उसके निराकरण के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया।

जनता दरबार में मुनीडीह की एक वृद्ध महिला ने उपायुक्त को बताया कि उन्होंने टुंडी के बेहरा मौजा में चार डिसमिल जमीन खरीदी थी। जमीन की रजिस्ट्री कराकर अपने नाम से म्यूटेशन भी कराया। अंचल कार्यालय के अमीन ने जमीन की मापी कर सीमांकन भी कर दिया। इसके बाद जब वह जमीन पर दखल लेने गई तो विक्रेताओं ने उन्हें दखल करने और बाउंड्री वॉल बनाने से रोक दिया। साथ ही उनको डरा धमका कर वहां से भगा दिया। महिला ने उपायुक्त से जमीन पर दखल दिलाने और विक्रेताओं के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने अंचल अधिकारी टुंडी को जांच करने का निर्देश दिया।

एक अन्य बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनके पति की कुछ वर्ष पहले मृत्यु हो गई है। कुछ लोगों ने उनकी जमीन के फर्जी कागजात बनाकर जमीन बेचने का प्रयास किया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न कार्यालयों में आवेदन देकर फर्जी कागजातों को रद्द कराया, परंतु पंजी 2 से फजीर्वाड़ा करने वाले व्यक्ति का नाम नहीं हटा है। इसके बदौलत वह व्यक्ति औने पौने दाम में जमीन बेचने का प्रयास कर रहा है। बुजुर्ग महिला ने पंजी 2 से फजीर्वाड़ा करने वाले व्यक्ति का नाम हटाने की गुहार लगाई। इस पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने त्वरित कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

वहीं तोपचांची की एक महिला ने उपायुक्त को बताया कि उन्हें सरकार द्वारा अनुदानित भूमि मिली है। भूमि की मापी कराने के लिए तोपचांची अंचल कार्यालय में आवेदन देकर सारी प्रक्रिया पूरी की है। बावजूद इसके तोपचांची अंचल कार्यालय द्वारा भूमि की मापी नहीं की जा रही है।

जबकि टुंडी के मनियाडीह से आए व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि राजस्व कर्मचारी, राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल अधिकारी द्वारा अनुशंसा करने के बाद भी वहां के कुछ दबंग भूमि की मापी करने में बाधा उत्पन्न कर रहे है। दबंगों द्वारा बांस गाड़कर जमीन पर कब्जा किया जा रहा है।

जनता दरबार में पाण्डरपाला की महिला ने छोटे पुत्र एवं पुत्रवधू द्वारा लड़ाई - झगड़ा, गाली - गलौज एवं मारपीट करने की शिकायत की। इसके अलावा जनता दरबार में विभिन्न तरह की अन्य शिकायतें प्राप्त हुई।

जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने आयोजित किया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद: शहीद सदानंद झा शहादत मेला में एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने आयोजित किया निःशुल्क चिकित्सा शिविर 52 वें वार्षिक मेले मे कई लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ, डॉक्टरों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार शहीद सदानंद झा शहादत मेला 2025 के अवसर पर एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक महत्वपूर्ण पहल के तहत निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जिससे मेले में आने वाले कई लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ मिला।

शिविर में एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का निःशुल्क इलाज प्रदान किया। इस

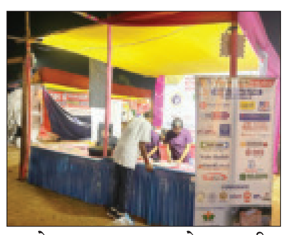

आयोजन का मुख्य उद्देश्य शहीद सदानंद झा की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित करना और मेले मे आए लोगो को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना था। इस शिविर में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया, जिससे क्षेत्रीय लोगों को अपनी सेहत के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें उचित उपचार प्राप्त करने का मौका मिला।

एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित यह निःशुल्क शिविर एक बड़ा समाजसेवी कदम था।

एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर बीबीएमकेयू के कुलसचिव से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद: एनएसयूआई के प्रदेश सचिव राजीव पाण्डेय के नेतृत्व में छात्र प्रतिनिधिमंडल ने राजीव गाँधी टीचर ट्रेनिंग बीएड महाविद्यालय के छात्र छात्राओं समस्या को लेकर बीबीएमकेयू के कुलसचिव धनंजय कुमार सिंह से मुलाकात किया। राजीव पाण्डेय ने कुलसचिव को अवगत करवाते हुए कहा की बीएड सेम 1 के परीक्षा प्रपत्र मे हो रहे समस्याओ कों अवगत करवाया। राजीव पाण्डेय ने कहा की राजीव गाँधी बीएड महाविद्यालय मे छात्र छात्राओं कहा गया था की इस विश्वविद्यालय से स्नातक करने वालों को माइग्रेशन प्रमाण पत्र जमा नहीं करने पर कल सभी छात्र छात्राओं को बोला गया की आप सभी माइग्रेशन निकलवा कर जमा कीजिए तभी आप सभी का बीएड सेम 1का परीक्षा प्रपत्र भरायेगा जबकि 19 मार्च परीक्षा प्रपत्र भरने की

अंतिम तिथी है इस विषय पर कुलसचिव ने संज्ञान लेते हुए परीक्षा नियंत्रक से बात कर समस्या का समाधान करने को कहा परीक्षा नियंत्रक सुमन कुमार वर्णवाल ने संज्ञान लेते हुए कहा की उन लोगों ने माइग्रेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर दिया है उन सभी का शाम से अपना परीक्षा प्रपत्र भर सकते है।मुख्यरूप से एनएसयूआई छात्र प्रतिनिधि राज रंजन सिंह,जयप्रकाश सिंह,मुरारी दत्ता,राजीव गाँधी के अंकिता कुमारी,मोहित, राहुल,सानिया,सबा,देवांश, रवि, काजल,पायल,अंजलि शिल्पा,पंकज आदि छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

राजस्व शिविर में प्राप्त आवेदनों पर डीसीएलआर अभियान मोड में करें सुनवाई : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो: पिछले दिनों जिले के सभी अंचलों में अलग अलग तिथियों को आयोजित विशेष राजस्व शिविर में प्राप्त आवेदनों की मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव ने दोनों भूमि सुधार उपसमाहर्ता चास एवं बेरमो (तेनुघाट) से जानकारी ली। इस क्रम में डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता ने बताया कि आयोजित शिविर में चास अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न अंचलों से संबंधित कुल 456 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, डीसीएलआर बेरमो (तेनुघाट) मुकेश मछुआ ने बताया कि बेरमो अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न अंचलों में आयोजित शिविर में । **कुल 194 आवेदन प्राप्त हुए हैं।** : उपायुक्त ने दोनों डीसीएलआर को संबंधित रैयतों/पक्षों को तामिला करते हुए अभियान मोड में मामले का सुनवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुनवाई एवं

निष्पादन से संबंधित प्रतिवेदन जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया। कहा कि इसमें किसी भी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इन मामलों की सुनवाई उपरांत पुनः अप्रैल माह में सभी अंचलों में अलग अलग तिथियों को संबंधित डीसीएलआर की अध्यक्षता में विशेष राजस्व शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। जानकारी हो कि, भूमि से संबंधित दाखिल-खारिज के आवेदन अंचल कार्यालय से अस्वीकृत होने के उपरांत ऐसे मामलों में अस्वीकृत आवेदन के विरूद्ध सम्बन्धित भूमि सुधार उपसमाहर्ता के न्यायालय में अपील का प्रावधान है। बिहार (झारखंड) टेनेंट्स होल्डिंग्स (मेंटेनेंस ऑफ रिकार्ड्स) एक्ट 1973 के अनुसार अंचल अधिकारी द्वारा जिस दाखिल खारिज वाद को अस्वीकृत कर दिया गया है। वैसे वाद की पुनः सुनवाई करने हेतु सक्षम प्राधिकार भूमि सुधार उप समाहर्ता है। इसी को लेकर उपायुक्त के निदेर्शानुसार पिछले 05 से 17 मार्च तक जिले के विभिन्न अंचल अधिकारियों द्वारा अस्वीकृत किए गए दाखिल-खारिज के आवेदनों के विरूद्ध अपील दायर करने हेतु सभी अंचल कार्यालयों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन संबंधित भूमि सुधार उप समाहर्त्ता को सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया था। आयोजित विशेष राजस्व शिविर में कुल 650 आवेदन जिले के दोनों अनुमंडलों (चास एवं बेरमो) के विभिन्न अंचलों से प्राप्त हुआ है।

दामोदर नदी से 1008 कलशों के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो सूर्य मंदिर प्रांगण में आयोजित मां राजराजेश्वरी महालक्ष्मी महायज्ञ के लिए मंगलवार सुबह दामोदर नदी से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वरुण कलश पूजन के उपरांत, भक्तों ने कलश में पवित्र जल भरकर हाथी, घोड़े, रथ, और कीर्तन मंडली के साथ गाजे-बाजे के बीच यज्ञ मंडप तक यात्रा की। इस दौरान वैदिक मंत्रों और भक्ति संगीत की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा। यज्ञ मंडप पहुंचने के बाद ब्राह्मणों ने बेदी निर्माण किया। साथ ही, देवी भागवत कथा के मुख्य वक्ता डॉ. श्रीधर ओझा जी का पूजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक वेदमूर्ति डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि 19 मार्च को पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, अग्नि प्रज्वलन, बेदी एवं कुंड पूजन सहित मां राजराजेश्वरी के सहस्त्रार्चन का आयोजन होगा। इसी दिन यज्ञ के नियमों का संकल्प दिलाया जाएगा। शाम 6:15 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक देवी भागवत कथा होगी, जिसके उपरांत रात्रि 12:00 बजे तक मां भगवती का जागरण आयोजित किया जाएगा। इस दिव्य अनुष्ठान में भाग लेकर भक्तजन अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। इस मौके पर प्रमुख यजमान कृष्ण कांत त्रिपाठी, नितिन त्रिपाठी, शैलेंद्र तिवारी, विमलेश पांडेय, विजय उपाध्याय, डॉ परमानन्द, डॉ विश्वजीत,ममता प्रियदर्शी, प्रमोद सिंह, रोशन कुमार, प्रत्युश कुमार, विश्वाजित कुमार,प्राची त्रिपाठी, अम्बिका, पूनम त्रिपाठी अजय गुप्ता सहित सैकड़ों श्रद्धालु एवं विद्वान ब्राह्मण उपस्थित रहे।

बोकारो के जैनामोड में टिंबर दुकान में आग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के जैनामोड क्षेत्र में स्थित एक टिंबर दुकान में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। यह घटना जरीडीह थाना क्षेत्र में हुई, जहां सिंह टिंबर के मालिक राज किशोर सिंह ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। देर रात लगभग 12 बजे आग की लपटें उठने लगीं, और देखते ही देखते पूरी दुकान में फैल गईं। इस घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने की कोशिश की। घंटों की मशक्कत के बाद भी आग पर काबू पाना कठिन रहा और यह प्रयास सुबह तक जारी रहा। इस भीषण आग में लाखों-करोड़ों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। दुकान में रखा कीमती लकड़ी का

सामान, जिसमें प्लाईवुड और अन्य लकड़ी की वस्तुएं शामिल थीं, पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग की लपटें इतनी भयंकर थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे आसपास के इलाके में डर का माहौल बन गया था। हालांकि, प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का मुख्य कारण माना जा रहा है, लेकिन आग की भयावहता ने यह घटना और भी गंभीर बना दी। गर्मियों के मौसम के आगमन के साथ ही इस तरह की घटनाएं बढ़ने का खतरा बना रहता है, क्योंकि बिजली के उपकरणों की अधिक उपयोगिता और गर्मी से भी शॉर्ट सर्किट की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि सुरक्षा उपायों की सख्ती से पालन करना कितना महत्वपूर्ण है, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। इस घटना से यह भी सिखने को मिलता है कि आग की तात्कालिक जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई और सावधानी से बड़ा नुकसान रोका जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

तत्काल रिजर्वेशन कराने वाले यात्री रहें सावधान, आर पी एफ ने दी अहम जानकारी

धनबाद : कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन पर तत्काल रिजर्वेशन कराने वाले यात्रियों के लिए रेलवे पुलिस (RPF) ने महत्वपूर्ण जानकारी स्टेशन पर तैनात पुलिस से बातचीत के दौरान यह जानकारी सामने आई कि जो यात्री तत्काल टिकट लेना चाहते हैं, उन्हें काउंटर पर खड़ा रहकर ही अपनी टिकट प्राप्त करनी होगी। पुलिस ने बताया कि कई यात्री टिकट काउंटर पर खड़े होकर पर्ची में अपना नाम लिखकर काउंटर पर चिपका देते हैं और फिर घर वापस चले जाते हैं। ऐसी स्थिति में उनको टिकट काटने से वंचित किया जा सकता है। RPF ने यात्रियों से अपील की है कि वे तत्काल रिजर्वेशन के लिए काउंटर पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और सिर्फ काउंटर पर खड़े रहकर ही टिकट प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की नाम के पर्ची काउंटर पर चिपका कर घर जाने से उनका टिकट बनाने पे रोक लगाया जा सकता है।

RPF की ओर से यात्रीगण से अपील: कृपया ध्यान दें कि तत्काल रिजर्वेशन की टिकट केवल तभी मान्य होगी जब आप स्वयं काउंटर पर खड़े रहेंगे। पर्ची पर नाम लिखकर आप टिकट काटने के लिए मान्य नहीं होंगे इस दिशा-पहल के साथ रेलवे पुलिस ने यात्रियों को किसी भी परेशानी से बचने के लिए सचेत किया है।

साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी आयोजित

बोकारो: साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी रविवार की शाम साहित्यकार पं. उदय कुमार झा के सेक्टर 2 बी स्थित आवास पर आयोजित हुई। साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन व आराधना मल्लिक की अध्यक्षता में आयोजित इस रचनागोष्ठी में रचनाकारों ने धर्म, संस्कृति, होली, सामाजिक ताना-बाना आदि विषयों पर केंद्रित रचनाएं सुनाकर सबको प्रभावित किया। शुरूआत महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय जय भैरवि के गायन से हुई। पं. उदय कुमार झा ने संस्कृत में अपनी रचना भगवती वंदना कालीश्वरी प्रस्तुत करने के बाद मैथिली मे गति व थेथर, अमन कुमार झा ने अभाग, शैलजा झा ने स्त्री आ बुद्ध व संबंधक करेज, विजय शंकर मल्लिक सुधापति ने काल्हिए थिकै होली व कर्म और विश्वास, अरुण पाठक ने होली पावनि अछि मनभावन एकरा सभ मिलि संग मनाउ.., डॉ रणजीत कुमार झा ने रे कोइली कुहुक ने बांचत प्राण., बुद्धिनाथ झा ने संस्कृत के महत्ता को दर्शाती संस्कृत आ संस्कृति शीर्षक मैथिली कविता में संस्कृत संस्कृति अछि एकरा बचाउ.., आराधना मल्लिक ने तोरे जड़े हमहूं जयबो व सुधापति रचित गीत पशुपतिनाथ सुनाकर सबकी प्रशंसा पाई। पठित रचनाओं पर समीक्षा टिप्पणी वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, विजय शंकर मल्लिक सुधापति, उदय कुमार झा, राजेन्द्र कुमार, बटोही कुमार आदि ने दी। इस अवसर पर शंभु झा, शैलेन्द्र कुमार झा, प्रदीप झा आदि उपस्थित थे।

बोकारो में एसपी मनोज सवगीर्यारी के नेतृत्व में अपराध समीक्षा बैठक सम्पन्न

बोकारो: बोकारो के पुलिस अधीक्षक के कार्यालय कक्ष मे आज एसपी मनोज सवगीर्यारी के नेतृत्व मे अपराध समीक्षा बैठक की गई. एस पी ने बैठक मे शामिल पुलिस अधिकारियों को नियमित गश्त करने, फरार चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार करने, वाहन चेकिंग अभियान जारी रखने, संगठित आपराधिक गिरोह की निगरानी करने, लंबित मामलों को निष्पदित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा की होली शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ, अब सरहुल रामनवमी है, इन त्योहारों को लेकर भी सतर्कता बरतने की जरुरत है. उन्होंने पुलिस अधिकारियों को बेहतर कार्य करने पर सराहना भी की तथा पुरसकृत करने की बात कही. एस पी ने पिछले बैठक मे दिए गए निदेर्शों का भी समीक्षा की गई।

बोकारो स्टील प्लांट में मनाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

बोकारो: राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस झ 2025 के उपलक्ष्य में आज दिनाँक 18 मार्च को बी एस एल के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मेन ऑडिटोरियम में एक समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी सहित अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सी आर मिश्रा, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ बी बी करुणामय , कार्यकारी मुख्य महा प्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री आनंद रौतेला, मुख्य महाप्रबंधक गण विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मी उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारम्भ सेल अध्यक्ष श्री अमरेन्दु प्रकाश के वीडियो मैसेज के साथ किया गया जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस-2025 की थीम ₹सुरक्षा और कल्याण - विकसित भारत के लिए अनिवार्य₹ विषय पर कहा कि सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें अपने दैनिक जीवन शैली में इसे अपनाना चाहिए. तत्पश्चात सहायक महा प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण) श्री मनोज कुमार ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा सुरक्षा दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया. निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी को सुरक्षा प्रतिज्ञा दिलाई. कार्यक्रम में उपस्थित समूह को सम्बोधित करते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों ने सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के प्रति सदैव जागरूक रहने के लिए अपने उद्बोधन के द्वारा सभी को प्रेरित किया. मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) श्री पी चौधरी, मुख्य महाप्रबंधक (पॉवर) श्री अनिन्दा दास ने अपने विभागों में सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए पहलों पर अपने अनुभव साझा किए .निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सुरक्षा संस्कृति की अहमियत पर विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे और कहा कि सुरक्षा पहलुओं के प्रति जागरूकता के साथ ही सुरक्षा को अपने जीवन शैली में आत्मसात कर ही सही मायनों में सुरक्षा संस्कृति परिवर्तन के मुहिम को सफल बनाया जा सकता है. मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों ने सुरक्षा और गृह व्यवस्था तथा परिक्षेत्रीय रखरखाव के लिए विजेताओं और उप विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की. सुरक्षा एवं गृह सज्जा के लिए समूह-1 में सिंटर प्लांट विजेता तथा सीओ एवं सी सी उप विजेता, समूह-2 में टी बी एस विजेता तथा एस एम एस - न्यू उप विजेता, समूह-3 में सीआरएम-[illegible]विजेता , समूह-4 में शॉप्स & फाउंड्रीज विजेता तथा यातायात विभाग उप विजेता, समूह-5 में सी ई डी विजेता तथा आर जी बी एस उप विजेता, तथा समूह-6 में सेंट्रल इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस विजेता तथा सेंट्रल मैकेनिकल मेंटेनेंस उप विजेता घोषित किए गए. तथा डी एन डब्लू विभाग उप विजेता, समूह-5 में पी जी पी विजेता तथा आर जी बी एस उप विजेता तथा समूह-6 में एम आर डी विभाग विजेता रहे।

जिला स्तरीय एनसीओआरडी समिति की हुई बैठक, उपायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय (एन.सी.ओ.आर.डी) की समीक्षात्मक बैठक कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित हुई। बैठक में अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली गई तथा आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। बैठक में ड्रग्स इंस्पेक्टर ने बताया कि

जिले की विभिन्न मेडिकल दुकानों में औचक निरीक्षण किया जा रहा है और दुकानदारों को नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री न करने के लिए सख्त हिदायत दी गई है। इसके साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों के मेडिकल ऑफिसर-इन-चार्ज के साथ समन्वय स्थापित कर छापेमारी सुनिश्चित करें ताकि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके। उपायुक्त हेमंत सती ने सिगरेट्स एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट्स एक्ट के तहत सख्ती से राजस्व वसूली करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ जुमार्ना लगाने और तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, मुख्यालय डीएसपी विजय कूशवाहा, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने विभागीय स्तर पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

एक नजर

तीन दिन से बच्ची गायब, पिता ने दर्ज कराई थाना में शिकायत

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना क्षेत्र के एक गांव की 8 साल की बच्ची कई दिनों से गायब है। इस संबंध में बच्ची के पिता ने गांव के ही एक नाबालिक बच्ची पर उसकी बच्ची के अपहरण करने का आरोप लगाते हुए थाना में लिखित शिकायत की है। घटना बीते 16 मार्च की बताई जा रही है। बच्ची के पिता ने 17 मार्च को रांगा थाना में आवेदन दिया कि गांव की ही एक अन्य नाबालिक बच्ची ने उसकी बेटी को घर से बहला फुसला कर ले गई थी और उसके बाद से वह घर नहीं लौटी है। इस संबंध में बरहरवा इंस्पेक्टर सुधीर कुमार पोद्दार ने बताया कि बच्ची के पिता के आवेदन पर मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

चौथे दिन रेल पटरी से बरामद शव की हुई पहचान

साहिबगंज : बरहरवा साहिबगंज रेलखंड के शमार्पुर के पास रेल पटरी से बीते शुक्रवार को बरामद एक अज्ञात युवक के शव की पहचान हो गई है। युवक का किसी ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान घटना के चौथे दिन तीनपहाड़ थाना के छोटा दुगार्पुर के राजीव किस्कू 25 वर्षीय से के रूप में हुई है। बरहरवा इंस्पेक्टर सुधीर कुमार पोद्दार ने बताया कि बीते शुक्रवार को रेलवे ट्रैक से एक युवक का शव मिला था। उसकी पहचान छोटा दुगार्पुर के राजीव किस्कू के रूप में हुआ है। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। यूडी के दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

मंईयां सम्मान योजना का राशि भुगतान नहीं होने की शिकायत महिलाओं ने विधायक प्रतिनिधि के समक्ष रखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा: विधायक निशात आलम के निदेर्शानुसार प्रत्येक मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय विधायक कक्षा में जनता दरबार लगाया जाता है। विधायक कक्ष में विधायक प्रतिनिधि बरकत खान आम जनों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और जनता दरबार में ग्रामीण एवं नगर पंचायत के लोगों ने अपने-अपने समस्याओं को बरकत खान समक्ष रखा जिसमें मुख्य रूप से मईया सम्मान योजना, पेंशन बंद हो जाने तथा स्वीकृति नहीं होने से संबंधित, बिजली बिल के ज्यादा आ जाने से संबंधित समस्याएं, अबुआ आवास, अंबेडकर आवास, आंचल से संबंधित समस्याएं सम्मिलित थे। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने सभी समस्याओं को बारीकी से सुना तथा

सभी समस्याओं से संबंधित पदाधिकारी से वातार्लाप कर समस्या का निपटारा कराया। वही मईया सम्मान योजना के लाभुको को 7 हजार 500 सौ रुपए अंतिम राशि न मिलने पर विधायक कक्षा में महिलाओं ने शिकायत किया, सभी का आवेदन मोबाइल नंबर के साथ जमा कर लिया गया और बताया गया कि विभागीय जांच करवा कर मोबाइल पर सूचित कर दिया जाएगा। पटेल पंचायत के चांडीझोपड़ियां गांव से पहुंचे ग्रामीणों ने आवेदन देकर ट्रांसफार्मर में आग लग जाने के कारण जलकर खाक हो गई उसकी समस्याओं को लेकर बरकत खान के सामने रखा। बरकत खान ने तुरंत सहायक विद्युत अभियंता बरहरवा को आवेदन के आलोक में आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसित किया। बरकत खान ने बताया कि क्षेत्र के लोगों का समस्याओं का समाधान प्रत्येक मंगलवार को विधायक कक्ष में निस्वार्थ भाव से जनता दरबार के माध्यम से सुनी जाती है और उसका निदान किया जाता है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, फिरोज अहमद, शोएब अख्तर, निताई सरकार, मिथुन मंडल, नेहाल अख्तर, विकास सिंह, प्रशांत दास, अजीत कुमार राय, धर्मेंद्र महतो, आदि उपस्थित थे।

कालाजार प्रभावित गांव बोरियो में आईआरएस का छिड़काव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों के अंतर्गत कालाजार प्रभावित गाँव बोरियों संथाली में आईआरएस प्रथम चक्र कीटनाशी छिड़काव का उद्घाटन डॉक्ट प्रवीण कुमार संथालिया सिविल सर्जन साहिबगंज, डॉक्ट सालखु चन्द्र हांसदा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बोरियों एवं डॉक्ट सत्ती बाबू डाबडा जिला वीबीडी सलाहकार के द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाते हुए रैली निकाल कर किया गया। जिसमे पुरे गाँव मे ग्रामीणों को रैली के माध्यम से छिड़काव से सम्बंधित जागरूक करते हुए लोगों को घर के सभी कमरों, गौशाला,बरामदा आदि जगहों मे छिड़काव करवाने का संदेश दिए। साथ ही छिड़काव कार्य का निरक्षण किए एवं उपस्थित सभी एमपीडब्ल्यू एवं छिड़काव कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी घरों मे गुणवत्तापूर्ण छिड़काव कराने को कहा गया।

संक्षिप्त खबरें

श्रीधर बी डांडीन को सरला बिरला विवि का रजिस्ट्रार किया गया नियुक्त

रांची : श्रीधर बी डांडीन को सरला बिरला विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। उन्होंने आज विवि के एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक स्थित कुलसचिव कार्यालय में अपना पदभार संभाला। इस दौरान विवि के अधिकारी और शिक्षकगण उपस्थित रहे। श्रीधर डांडीन ने बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर्नाटक विश्वविद्यालय से की है। बाद में बिट्स पिलानी से सॉफ्टवेयर सिस्टम में उन्होंने मास्टर्स किया। अध्यापन और प्रशासनिक क्षेत्र में ढाई दशकों से भी अधिक का उनका लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2020 में उन्होंने एसबीयू में इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंस के डीन के तौर पर पदभार संभाला। पिछले साल कुछ समय तक वे विवि में बतौर कुलपति (प्रभार) भी रहे। वर्तमान में अध्यापन के अलावा फ्रांस के इंरिआ लैब्स के सहयोग से वे रिसर्च कार्य में भी संलग्न हैं। श्री श्रीधर बी डांडीन की नियुक्ति पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति माननीय श्री बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, माननीय राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा एवं माननीय कुलपति प्रो. सी जगन्नाथन ने उन्हें शुभकामनाएं दी और बधाई संदेश प्रेषित किया है।

जिला परिषद कार्यालय में हाट बाजार का डाक संपन्न

साहिबगंज : जिला परिषद कार्यालय में आज मंगलवार को विभिन्न प्रखंडों के हाट बाजार का डाक हुआ। जहां उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा एवं जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार यादव के अध्यक्षता में हाट बाजार डाक का प्रक्रिया किया गया। जहां मिजाचौकी हाट बाजार 1 लाख 92 हजार 500 सौ व सकरीगली हाट बाजार 13 लाख 50 हजार का महादेवगंज के रहने वाले करण कुमार सिंह ने सबसे अधिक बोली लगाकर डाक अपने नाम किया। वही मंडरो हाट बाजार का 1 लाख 25 हजार में डाक हुआ। डाक लेने वाले करण कुमार सिंह ने बताया कि डाक की राशि 60 भुगतान कर दिया गया है और 1 अप्रैल से आगे की हाट बाजार का प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

सरकारी कार्यालयों के नामपट्टों पर ओल चिकी लिपि शामिल करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड में संथाली भाषा और उसकी लिपि ओल चिकी को सम्मान देने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। संथाल समुदाय के पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को प्रखंड विकास कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। हालांकि बीडीओ की अनुपस्थिति में उच्च श्रेणी क्लर्क को यह ज्ञापन सौंपा गया,जिन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सरकारी कार्यालयों के नामपट्टों पर ओल चिकी लिपि में भी अंकन किया जाएगा। ज्ञापन में कहा गया कि ईचागढ़ प्रखंड सरायकेला-खरसावां जिले के अंतर्गत आता है,जो झारखंड के पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में शामिल है। इस क्षेत्र में संथाल समुदाय की आबादी काफी अधिक है, और उनकी भाषा संथाली की अपनी स्वतंत्र लिपि ओल चिकी है, जिसे भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त है। झारखंड सरकार द्वारा पूर्व में जारी

आदेशों के अनुसार संथाल बहुल क्षेत्रों में सरकारी कार्यालयों और गांवों के नामपट्टों पर ओल चिकी लिपि में भी अंकन किया जाना चाहिए।आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के लोगों ने बताया कि इससे पहले भी ईचागढ़ के तत्कालीन बीडीओ किकू महतो को ज्ञापन देकर इस संबंध में मांग की गई थी,जिसके बाद कुछ पहल हुई थी। हालांकि यह कार्य पूर्ण नहीं हो सका। अब एक बार फिर से संथाली भाषियों के अधिकारों और उनकी भाषा को सम्मान देने के उद्देश्य से ज्ञापन सौंपा गया है। प्रतिनिधियों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों, अंचल कार्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय, थाना, पंचायत भवन और आंगनबाड़ी केंद्रों सहित सभी सरकारी संस्थानों के नामपट्टों पर ओल चिकी लिपि में भी नाम लिखा जाना चाहिए।

मुख्यरूप से माझी बाबा घनेश्याम मुर्मु, धनेश्वर मुर्मू, कारण किस्कू, बुद्धेश्वर किस्कू, रोड़े बेसरा, महावीर हांसदा, सरजू किस्कू, मोतीलाल मुर्मू, मिरू मुर्मू थे।

जिला स्तरीय राजस्व संग्रहण की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय राजस्व संग्रहण की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वाणिज्य कर, निबंधन, खनन, परिवहन, उत्पाद सहित विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे राजस्व संग्रहण की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में यह पाया गया कि अधिकांश विभागों ने निर्धारित लक्ष्य के काफी समीपवर्ती राजस्व संग्रहण किया है। उपायुक्त ने सभी विभागों को लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयास तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने खनन विभाग को अवैध खनन के विरुद्ध छापेमारी अभियान में तेजी लाने तथा अवैध ईंट भट्ठा संचालकों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवसंरचना निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की जांच और निगरानी बढ़ाने को कहा गया।बैठक में अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर कुमार दास, भूमि सुधार उप समाहर्ता विमल सोरेन, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र कुमार विन्हा, उत्पाद अधीक्षक जितेन्द्र कुमार सहित सभी प्रखंडों के अंचलाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के राजस्व संग्रहण कार्यों की स्थिति से अवगत कराया और आगे की रणनीति पर चर्चा की। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा में राजस्व लक्ष्य प्राप्त करने हेतु समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया।

मलेरिया और कालाजार से बचाव हेतु चलाया गया छिड़काव अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झारखण्ड/पाकुड़, हिरणपुर : कालाजार से बचाव के लिए अभियान शुरू, घर-घर जाकर सिंथेटिक पैराथायराइड का हो रहा छिड़काव। कालाजार को लेकर जिला अलर्ट है। स्वास्थ्य विभाग इस रोग से समाज को सुरक्षित रखने के लिए त्वरित गति से उन्मूलन कार्यक्रम चला रहा है। उसी क्रम में आज जिले के हिरणपुर प्रखण्ड में टीम ने 38 पंचायत कमलघाटी, हथिगढ़ में मलेरिया और कालाजार से बचाव के लिए ये कार्य किया। वहीं हाथीगढ़ में आगामी तीन दिनों तक यह कार्य चलती रहेगी। मौके पर मीना टुडू इ.ढ.छ.ड, संजीत दान (सुपरवाइजर), मुन्नी देवी (सहिया), बसंती मरांडी (सहिया) आदि अन्य मौजूद थे।

समाहरणालय में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन, शिकायतों का किया गया निपटारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़: समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त श्री रविशंकर शुक्ला के द्वारा साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतू आए लोगो से क्रमवार मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हो उपायुक्त नें संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदन पर नियमानुसार यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए, साथ ही सभी योग्य लाभुकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में मुख्य रुप से भूमि सम्बन्धित मामले, राइट टू एजुकेशन के तहत निजी विद्यालयों में 25% आरक्षित नामांकन प्रक्रिया मे निजी विद्यालय (विद्या ज्योति स्कूल गम्हरिया, केरला पब्लिक स्कूल

गम्हरिया) द्वारा अनियमित्ता बरतने, शिव नगर कॉलोनी छोटा गम्हरिया में पेयजल संबंधित समस्याओं का समाधान हेतु प्रत्येक घर को नल-जल योजना से जोड़ने, कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत बेरासी सिरूम टोला छातरडीह में कल्याण विभाग द्वारा बनाए जा रहे धूमकुड़िया भवन निर्माण में बाधा डाल रहे लोगों पर नियम संगत कार्रवाई कर निर्माण को कार्य आगे बढ़ाने,सरायकेला से पूरी (उड़ीसा) का बस परमिट लेकर जमशेदपुर से वाहन चलाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए परमिट स्थल से वाहन का परिचालन सुनिश्चित करने या परमिट रद्द करने, अबुआ आवास योजना लाभ प्रदान करने समेत विभिन्न विभाग से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनो में कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निराकरण किया गया तथा अन्य सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को नियमानुसार यथोचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

Government of Jharkhand
Urban Development Department
Latehar Nagar Panchayat , Latehar

e- Procurement Notice (Very Short Tenders Notice)
NIT No. - UDD/LNP/22/2024-25

Notice No. - Date –

S.L. No.	Tender ID	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work
		शहरी परिवहन मद से				
01	01/LNP/22 /2024-25	वार्ड सं0 06 में सामुदायिक शैचालय से कल्लू सिंह के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	2381900.00	47700.00	5000.00	दो माह
02	02/LNP/22 /2024-25	वार्ड सं0 01 में किषमिष गुप्ता के बाउन्ड्री से राजेन्द्र उरॉव के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	1399000.00	28000.00	5000.00	दो माह
03	Date of Publication of Tender on website		20.03.2025 at 11:00 AM			
04	Mode of Submission of bids		E-Tendering https//:jharkhandtenders.gov.in			
05	Date start of submission of bids		21.03.2025 at 10:00 am			
06	Last Date/Time of submission of bids		05.04.2025 upto 03:00 pm			
07	Date of Technical & Financial Bid opening (online)		07.04.2025 upto 05:00 pm			
08	Name & Address of office inviting tender		Executive officer Nagar Panchayat, Latehar			
09	Contact No. of Procurement officer		9308707021/ 8789131804			
10	Helpline number of e-Procurement cell		9308707021/ 8789131804			

NOTE : Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in

(Rajeev Ranjan)
Executive Officer
Nagar Panchayat, Latehar

PR 348708 Urban Development (24-25)_D

रॉंची समाहरणालय, रॉंची
(समाज कल्याण शाखा)
(जिला बाल संरक्षण इकाई)
Email Id- dcpsranchi@gmail.com

-: अल्पकालीन निविदा सूचना :-

केन्द्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण सेवाएँ योजनान्तर्गत संचालित जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बालगृह एवं सम्प्रेक्षण गृह, रॉंची के रख–रखाव, अंतःवासियों के लिए खाद्य/अखाद्य सामग्री, वस्त्र एवं बेडिंग, उपस्कर, खेल सामग्री तथा कार्यालय उपयोग हेतु अन्य आवश्यक सामग्री समाज कल्याण विभागीय एवं अन्य इकाइयों में स्टेशनरी की क्रयापूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित्र की जाती है।

निविदादाता मुहरबंद लिफाफे में निविदा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, रॉंची के कार्यालय में दिनांक– 05.04.2025 को 12:00 बजे अपराहन तक जमा करेंगे तथा दिनांक–05.04.2025 को 02:30 बजे अपराहन में जिला स्तरीय क्रय समिति के समक्ष निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निविदा खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें तथा क्रयापूर्ति की जाने वाली सामग्रियों की सूची जिसे रॉंची जिले के बेबसाइट Website-www.ranchi.nic.in पर एवं जिला नजारत शाखा एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, रॉंची के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, रॉंची। उपविकास आयुक्त, रॉंची। उपायुक्त, रॉंची।

PR 348635 Social Welfare,Women and Child Development (24-25)_D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-२, रॉंची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–74/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 04.04.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 05.04.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 05.04.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of "CD" Type Qtr. No. -362 (G.F) at Sector-3, HEC, Dhurwa, Ranchi	589900.00	1250.00	12000.00	1 Month
2	Renovation of Room No.-10 and 11 (Additional Secretary Chamber, Building Construction Department) at Ground Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	1726100.00	5000.00	35000.00	2 Months
3	Renovation B Type Qtr. No. -329 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Ranchi	399400.00	750.00	8000.00	1 Month
4	Renovation of Roof treatment of IRL, Itki Sanatorium, Ranchi	1110400.00	2500.00	22500.00	2 Months
5	Renovation of Court Room False Ceiling, Other Room False Ceiling, Secretary Chamber Renovation and other Miscellaneous work at Jharkhand Revenue Board, Dhurwa, Ranchi (Jharkhand)	3453800.00	5000.00	69500.00	3 Months
6	Renovation of "B" Type Qtr. No. -1476 (S.F) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	399600.00	750.00	8000.00	1 Month
7	Construction of Approach Road, Near Gate No. -3 to Watch Tower - 3 in the Campus of New Jharkhand High Court	2798000.00	5000.00	56000.00	3 Months
8	Renovation of B Type Qtr. No. -753 (S.F) at Sec-2, HEC, Dhurwa, Ranchi	394900.00	750.00	8000.00	1 Month
9	Renovation of PENSION and LEKHA Nideshalay Joint Director Room, Room No.-61, 62, 64, 66, Stair Room, General Ladies and Gents Toilets & Other Miscellaneous Work at TA Division, Dhurwa, Ranchi (Jharkhand)	3672400.00	5000.00	73500.00	3 Months
10	Renovation of Room No.-17 & 18 (Department of School Education and Literacy) at Ground Floor of M.D.I. Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	1970000.00	5000.00	39500.00	45 Days
11	Renovation of State Control Room in the Campus of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	826000.00	1250.00	17000.00	1 Month
12	Renovation of Central Training Institute of Home Defence Corps (Vahini), NDRF (Internal Part) at Home Guard Training Centre, Dhurwa, Ranchi	4979000.00	5000.00	100000.00	4 Months
13	Renovation of Roof Area of Hon'ble CM Office and Hon'ble Speaker Office at New Vidhan Sabha Building, Ranchi	2050400.00	5000.00	41500.00	2 Months

नोट : निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, रॉंची

PR 348679 Building (24-25)_D

अब रुपये (₹) के चिह्न पर विवाद!

द्रविड़ मुनेत्र कषगम। इसके दो और नाम हैं। एक-द्रमुक और दूसरा डीएमके। कुछ लोग इसे द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम भी कहते हैं। द्रमुक अब तक हिन्दी थोपने के विरोध में और तमिल भाषा की पहचान को बचाने के लिए मुखर रही है। अब उसने रुपये के चिह्न को लेकर आपत्ति जताई है। पार्टी का कहना है कि इस चिह्न में भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से दक्षिण भारतीय पहचान को उचित स्थान नहीं दिया गया है। भारतीय मुद्रा के चिह्न को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्ति क्या वाकई भाषा से जुड़ा विवाद है, या फिर यह सिर्फ.एक राजनीतिक रणनीति? इस सवाल के कई पहलू हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य दक्षिण भारतीय दलों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी के ₹र₹ अक्षर से प्रेरित है, जो हिन्दी को प्राथमिकता देता है और अन्य भारतीय भाषाओं की अनदेखी करता है। हालांकि, इस चिह्न को डिजाइन करने वाले उदय कुमार धरणी (आईआईटी गुवाहाटी) का कहना था कि इसका डिजाइन देवनागरी ₹र₹ और रोमन ₹फ₹ दोनों से प्रेरित है, ताकि भारतीय और वैश्विक पहचान का मिश्रण दिखाया जा सके। द्रविड़ मुनेत्र कषगम लंबे समय से हिन्दी थोपने के खिलाफ रही है। 1965 में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए थे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने पहले भी नीट, नई शिक्षा नीति और सरकारी नौकरियों में हिन्दी प्राथमिकता का विरोध किया है। अब रुपये के चिह्न को लेकर विवाद द्रमुक के उसी एजेंडे का विस्तार है।

द्रमुक का मानना है कि चिह्न देवनागरी लिपि के ₹र₹ (रुपया) से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है, जबकि भारत की अन्य भाषाओं की उपेक्षा होती है। इस पार्टी और तमिलनाडु के कुछ अन्य संगठनों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी लिपि के ₹र₹ से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है और अन्य भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से द्रविड़ भाषाओं (तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) को उपेक्षित किया गया है। उनका मानना है कि मुद्रा का चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भारतीय भाषाओं का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। दक्षिण भारतीय राज्यों में हिन्दी थोपने के खिलाफ पहले से ही एक मजबूत भावना मौजूद है और यह विवाद उसी का विस्तार माना जा सकता है। पार्टी का तर्क है कि भारत की मुद्रा का प्रतीक चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भाषाओं और संस्कृतियों का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। इन दोलों का मानना है कि तमिल समेत दक्षिण भारतीय भाषाओं को केंद्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिलती, जिसकी वे हकदार हैं।

द्रमुक और तमिलनाडु की अन्य पार्टियां हिन्दी थोपने के विरोध में कई बार आंदोलन कर चुकी हैं। द्रमुक की पूरी राजनीति ही तमिल पहचान और केंद्र के ₹हिंदी वर्चस्व₹ के खिलाफ विरोध के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह मुद्दा 1960 के दशक में हिन्दी विरोधी आंदोलनों से शुरू हुआ था और अब तक जारी है। 2010 में जब ? चिह्न को अपनाया गया, तब भी यह बहस उठी थी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम का इस मुद्दे को फिर से उछालना एक राजनीतिक रणनीति हो सकती है, ताकि तमिल अस्मिता को लेकर अपनी स्थिति मजबूत की जा सके।

हालांकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम की कुछ आपत्तियां तर्कसंगत हो सकती हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से भाषा का मुद्दा मानना भी सही नहीं होगा। द्रमुक केंद्र की नीतियों के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने और क्षेत्रीय राजनीति को धार देने के लिए ऐसे मुद्दों को उभारती है। यह विवाद तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कषगम की पकड़ बनाए रखने और भाजपा के ₹हिन्दी-हिन्दू₹ एजेंडे का विरोध करने का एक तरीका भी हो सकता है। चिह्न किसी एक भाषा का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसे भारतीय संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। पहले से ही यह चिह्न पूरे देश में स्वीकार किया जा चुका है, इसलिए अब इसे बदलने की कोई व्यावहारिक जरूरत नहीं है। इस मुद्दे को उछालना एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति ज्यादा लगती है, बजाय किसी वास्तविक समस्या के।

द्रमुक इस मुद्दे को उछालकर केंद्र सरकार, खासकर भाजपा पर हिन्दी वर्चस्व थोपने का आरोप लगा रही है। इससे दक्षिण भारत बनाम उत्तर भारत का मुद्दा उभरता है, जिससे उसे तमिलनाडु में और समर्थन मिलता है।

सूडोकु नवताल- 7374

✱✱✱✱✱ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7373 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

गौरैया के बिना जीवन संगीत अधूरा

ललित गर्ग

गौरैया विलुप्त होने की कगार पर पंहुची विश्व की सबसे पुरानी पक्षी प्रजाति है। सुदूर अतीत से पिछले एक-दो दशक तक हमारे घर-आंगन में फुदकने वाली एवं हमारे जीवन संगीत का अहम हिस्सा गौरैया आज विलुप्ति के कगार पर है। घरों को अपनी चीं-चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती। इस छोटे आकार वाले खूबसूरत एवं शांतिपूर्ण पक्षी का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुआ करते थे। ज्यादा से ज्यादा लोग गौरैया के साथ इंसानी संपर्क के महत्व को समझे एवं इस नन्हें से परिंदे को बचाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। नेचर फोरेवर सोसाइटी (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउंडेशन (फ्रांस) के मिले जुले प्रयास के कारण इस दिवस को मनाने की शुरूआत 2010 में हुई। नासिक निवासी भारतीय प्रकृति एवं संरक्षणवादी डॉ.मोहम्मद दिलावर ने घरेलू गौरैया पक्षियों की सहायता हेतु नेचर फोरेवर सोसाइटी की स्थापना की थी। इनके इस कार्य को देखते हुए टाइम ने 2008 में इन्हें हिरोज ऑफ दी एनवायरमेंट नाम दिया था। पर्यावरण के संरक्षण और इस कार्य में मदद की सराहना करने हेतु एनएफएस ने 20 मार्च 2011 में गुजरात के अहमदाबाद शहर में गौरैया पुरस्कार की शुरूआत की थी। गौरैया पक्षी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 2025 में विश्व गौरैया दिवस का थीम ह्यप्रकृति के नन्हे दूतों को श्रद्धांजलिह्न है।

भारत में गौरैया आम जनजीवन का हिस्सा हुआ करती थी, उनकी संख्या घटने के पीछे कई कारण हैं। बढ़ता शहरीकरण और पेड़ों की कटाई उनके घोंसले बनाने की जगहें खत्म कर रहे हैं। मोबाइल टावरों से निकलने वाले रेडिएशन उनकी प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

कीटनाशकों और रसायनों के बढ़ते उपयोग के कारण उनके भोजन के स्रोत कम हो रहे हैं। इसके अलावा, आधुनिक घरों की वास्तुकला में ऐसी संरचनाएं नहीं होतीं जहां गौरैया अपना घोंसला बना सके, जिससे उनके अस्तित्व पर संकट बढ़ता जा रहा है। विशेषतः यह पक्षी मानवीय लोभ की भेंट तो चढ़ ही रहे हैं, जलवायु परिवर्तन के कारण भी इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पक्षियों का शिकार एवं अवैध व्यापार जारी है। माइक्रोवेव प्रदूषण जैसे कारण इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं। जन्म के शुरूआती पंद्रह दिनों में गौरैया के बच्चों का भोजन कीट-पतंग होते हैं। पर आजकल हमारे बगीचों में विदेशी पौधे ज्यादा उगाते हैं, जो कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं कर पाते। जीवन के अनेकानेक सुख,

संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पाते? क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है? मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

विश्व गौरैया दिवस गौरैया के संरक्षण और उसके सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति जागरूक करने के लिये मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पक्षियों की सुरक्षा केवल उनके अस्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। जैसे-जैसे पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे गौरैया और अन्य शहरी पक्षियों की सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। दिल्ली में तो गौरैया इस कदर दुर्लभ हो गई है कि ढूंढे से भी यह पक्षी देखने को नहीं मिलता, इसलिए वर्ष 2012 में दिल्ली सरकार ने इसे राज्य-पक्षी घोषित कर दिया था। गौरैया के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा मानवता पर भी एक प्रश्नचिह्न भी है। गौरैया जैसे बेजुबान पक्षियों का बड़ी संख्या में विलुप्त होना पर्यावरण संतुलन के लिये तो बड़ा खतरा है ही लेकिन इसका असर मानव जीवन पर भी होगा। यह धरती केवल इंसानों के लिये नहीं है, बल्कि वन्य जीवों के लिये भी है, इसलिये पक्षियों का विलुप्त होना या मरना हमारे लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना चाहिए। मौजूदा समय में पशुओं एवं पक्षियों की संख्या का लगातार घटना एक अत्यन्त चिन्ताजनक स्थिति है। मानवीय व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण घटक है संवेदनशीलता, जो व्यक्तित्व का गरिमा प्रदान करता है, उसे गहराई एवं ऊंचाई प्रदान करता है, इसके अभाव में मानव दानव बन जाता है, गौरैया जैसे पक्षियों के प्रति बरती जा रही संवेदनहीनता इसी की परिचायक है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। दरअसल हमारे यहां बड़े जीवों के संरक्षण पर तो ध्यान दिया जाता है, पर गौरेया जैसे छोटे पक्षियों के संरक्षण पर उतना नहीं। अब भी यदि हम जैव विविधता को बचाने का सामूहिक प्रयास न करें, तो बहुत देर हो जाएगी। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की ह्यरॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डसह्न ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को ह्यरेड लिस्टह्न में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है।

हर परिस्थितियों में खुद को अनुकूल बना लेने वाली यह चिड़िया अब भारत ही नहीं, यूरोप के कई बड़े हिस्सों में भी काफी कम रह गई है। ब्रिटेन, इटली, फ्राँस, जर्मनी और चेक गणराज्य जैसे देशों में इनकी संख्या जहाँ तेजी से गिर रही है, तो नीदरलैंड में तो इन्हें ह्यदुर्लभ प्रजातिह्न के वर्ग में रखा गया है। कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं। इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़कर इसके पंखों को रंग देते हैं, जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है। पक्षी विज्ञानियों के अनुसार गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए, जहां वे आसानी से अपने घोंसले बना सकें और उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें। गौरैया आजकल अपने अस्तित्व के लिए मनुष्यों और अपने आसपास के वातावरण से काफी जद्दोजहद कर रही है।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णय का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में इस साल 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ली गई शपथ के उपरांत उनका प्रशासन आर्थिक एवं अन्य क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण फैसले बहुत तेज गति से ले रहा है। इससे विश्व के कई देश प्रभावित हो रहे हैं एवं कई देशों को तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि अंततः आगे आने वाले समय में इन फैसलों का प्रभाव इन देशों पर किस प्रकार होगा। ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि ह्लटिट फोर टेटह्व एवं ह्लरेसिप्रोकलह्व आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रैल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अतः इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जबकि भारत एक विविध प्रकार की बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है, अतः भारत को कुछ क्षेत्रों में यदि नुकसान होगा तो कुछ क्षेत्रों में लाभ भी होने की प्रबल सम्भावना है। संभवतः अमेरिका ने भी अब यह एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि भारत के कृषि क्षेत्र को टैरिफ युद्ध से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत के किसानों पर इसका प्रभाव विपरीत रूप से पड़ता है। और, भारत यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा कि भारत के किसानों को नुक्सान हो।

डेयरी उत्पाद एवं समुद्रीय उत्पादों में भी आवश्यक खाने पीने की वस्तुएं शामिल हैं। भारत अपने देश में इन उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से इन उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाता है, ताकि अन्य देश सस्ते दामों पर इन उत्पादों को भारत के बाजार में डम्प नहीं कर सकें। साथ ही, भारत में मिडल क्लास की मात्रा में वृद्धि अभी हाल के कुछ वर्षों में प्रारम्भ हुई है अतः यह वर्ग देश में उत्पादित सस्ती वस्तुओं पर अधिक निर्भर है, यदि इन्हें आयातित महंगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वह इन्हें सहन नहीं कर सकता है। अतः यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को सस्ते उत्पाद उपलब्ध करवाए। अन्यथा, यह वर्ग एक बार पुनः गरीबी रेखा के नीचे आ जाएगा। भारत ने मुद्रा स्फीति को भी कूटनीति के आधार पर नियंत्रण में रखने में सफलता प्राप्त की है। रूस, ईरान, अमेरिका, इजराइल, चीन, अरब समूह आदि देशों के साथ अच्छे सम्बंध रखकर विदेशी व्यापार करने में सफलता प्राप्त की है। जहां से भी जो वस्तु सस्ती मिलती है भारत उस देश से उस वस्तु का आयात करता है। इसी नीति पर चलते हुए, कच्चे तेल के आयात के मामले में भी भारत ने विभिन्न देशों से भारी मात्रा में छूट प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और ईंधन के दाम भारत में पिछले लम्बे समय से स्थिर बनाए रखने में सफलता मिली है।

अमेरिका द्वारा चीन, कनाडा एवं मेक्सिको पर लगाए गए टैरिफ के बढ़ाने के पश्चात इन देशों द्वारा भी अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए जाने के उपरांत अब विभिन्न देशों के बीच व्यापार युद्ध एक सच्चाई बनता जा रहा है। परंतु, क्या इसका असर भारत के विदेशी व्यापार पर भी पड़ने जा रहा है अथवा क्या कुछ ऐसे क्षेत्र भी ढूढ़े जा सकते हैं जिनमें भारत लाभप्रद स्थिति में आ सकता है। जैसे, अपैरल (सिले हुए कपड़े) एवं नान अपैरल टेक्सटायल का मेक्सिको से अमेरिका को निर्यात प्रतिवर्ष लगभग 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहता है और मेक्सिको का अमेरिका को निर्यात के मामले में 8वां स्थान है। अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद टेक्सटायल से सम्बंधित उत्पाद अमेरिका में महंगे होने लगेंगे अतः इन उत्पादों का आयात अब अन्य देशों से किया जाएगा। मेक्सिको अमेरिका को 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कॉटन अपैरल का निर्यात करता है एवं 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नान कॉटन अपैरल का निर्यात करता है। कॉटन अपैरल के आयात के लिए अब अमेरिकी व्यापारी भारत की ओर देखने लगे हैं एवं इस संदर्भ में भारत के निर्यातकों के पास पूछताछ की मात्रा में वृद्धि देखी जा रही है। इन परिस्थितियों के बीच, टेक्स्टायल उद्योग के साथ ही, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, इंजीयरिंग क्षेत्र एवं श्रम आधारित उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी भारत को लाभ हो सकता है। यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे। उदाहरण के तौर पर फार्मा क्षेत्र में भारत से जेनेरिक्स दवाईयों का निर्यात भारी मात्रा में होता है। यदि अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ लगाता है तो इससे अधिक नुक्सान तो अमेरिकी नागरिकों को ही होने जा रहा है। भारत से आयात की जा रही सस्ती दवाएं अमेरिका में बहुत महंगी हो जाएंगी। इससे अंततः अमेरिकी नागरिकों के बीच असंतोष फैल सकता है। अतः अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के लिए टैरिफ को लम्बे समय तक बढ़ाते जाने की अपनी सीमाएं हैं।

अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र एवं सबसे बड़ा विकसित देश है और इस नाते अन्य देशों के प्रति अमेरिका की जवाबदारी भी है। टैरिफ बढ़ाए जाने के सम्बंध में एकतरफा कार्रवाई अमेरिका की अन्य देशों के साथ सौदेबाजी की क्षमता तो बढ़ा सकती है परंतु यह कूटनीति लम्बे समय तक काम नहीं आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों के साथ-साथ अन्य देशों में भी असंतोष फैलेगा। कोई भी व्यापारी नहीं चाहता कि नीतियों में अस्थिरता बनी रहे। इसका सीधा सीधा असर विश्व के समस्त स्टॉक मार्केट पर विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई भी दे रहा है। यदि यह स्टॉक मार्केट के अतिरिक्त अन्य बाजारों एवं नागरिकों के बीच में भी फैला तो मंदी की सम्भावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। अमेरिका के साथ साथ अन्य कई देश भी मंदी की चपेट में आए बिना नहीं रह पाएंगे। अर्थात, इस प्रकार की नीतियों से विश्व के कई देश विपरीत रूप में प्रभावित होंगे।

अमेरिका को भी टैरिफ के संदर्भ में इस बात पर एक बार पुनः विचार करना होगा कि विकसित देशों पर तो टैरिफ लगाया जा सकता है क्योंकि अमेरिका एवं इन विकसित देशों में परिस्थितियां लगभग समान है। परंतु विकासशील देशों जैसे भारत आदि में भिन्न परिस्थितियों के बीच तुलनात्मक रूप से अधिक परेशानियों का सामना करते हुए विनिर्माण क्षेत्र में कार्य हो रहा है, अतः विकसित देशों एवं विकासशील देशों को एक ही तराजू में कैसे तौला जा सकता है। विकासशील देशों ने तो अभी हाल ही में विकास की राह पर चलना शुरू किया है और इन देशों को अपने करोड़ों नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। इनके लिए विकसित देश बनने में अभी लम्बा समय लगना है। अतः विकसित देशों को इन देशों को विशेष दर्जा देकर इनकी आर्थिक मदद करने के लिए आगे आना चाहिए।

ऑनलाइन लूडो जान-माल दोनों के लिये खतरनाक

अजय कुमार

12 दिसंबर 2024 लखनऊ में 18 वर्षीय छात्र अनुज ने ऑनलाइन गेम लूडो में बीस हजार रुपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली। कमरे में उसका शव पंखे से लटका मिला।

09 अक्टूबर 2024 को यूपी के हाथरस में पिता सुखबीर सिंह द्वारा बेटे आकाश को ऑनलाइन गेम खेलने से मना करने पर नाराज बेटे ने आत्महत्या कर ली। आकाश ऑनलाइन गेम में साढे.तीन लाख रुपए हार चुका था।

24 सितंबर 2024 को उन्नाव में एक सिपाही ने ऑनलाइन गेम में करीब दस लाख रुपए हारने के बाद विभाग से मदद की गुहार लगाई और आत्महत्या की मजबूरी जताई। इस पर पुलिस के बड़े अधिकारियों ने उसे काफी समझाया बुझाया और उसका ब्रेनवॉश करा,तब जाकर वह अवसाद से उबर पाया।

मध्य प्रदेश के इंदौर में आईआईटी का एक मेधावी छात्र अपनी फीस के पैसे चुनाव में हार गया। गरीब घर का छात्र इतना तनावग्रस्त हो गया कि उसने मौत को गले लगा लिया और सोसाइट नोट में लिखकर कहा,ह्यलूडो की लत ड्रग्स से भी ज्यादा खतरनाक है।

अभी कुछ दिनों पूर्व उत्तर प्रदेश के जिला हरदोई के कासिमपुर थाना क्षेत्र निवासी और दिल्ली में कबाब पराठा बेच कर अपना परिवार चलाने वाले 25 वर्षीय एक युवक सुरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन गेम लूडो में डेढ़ लाख रुपये हारने के कारण फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। बीती जनवरी में वह गांव आया और इसके बाद दिल्ली में कर्जा होने के कारण बैंगलोर जाकर कबाब पराठा बेचने लगा। होली से एक सप्ताह पहले वह घर आया था। 13 मार्च को वह गुस्से में अपना मोबाइल तोड़कर दिल्ली जाने की बात कहकर घर से निकला था। बड़े भाई विनोद के मुताबिक सुरेंद्र के परिचित दिल्ली निवासी एक शख्स को उन्होंने शनिवार को फोन किया। सुरेंद्र के दिल्ली पहुंचने के बारे में पूछा तो मालूम हुआ कि वह नहीं पहुंचा। इस पर तलाश की तो पता चला कि पुलिस को अलीपुर टंडवा में अज्ञात शव मिला है। परिजनों ने रविवार को मोर्चरी पहुंचकर शव की पहचान कर ली। विनोद के मुताबिक सुरेंद्र बीते दिनों डेढ़ लाख रुपये ऑनलाइन गेम में हार जाने के कारण कर्जदार हो गया था। इसको लेकर परेशान था और आहत होकर खुदकुशी कर ली थी। ऑन लाइन गेम में कर्जदार होने के बाद जान देने की यह कुछ घटनाएं अपवाद भर हैं,जबकि इसी लिस्ट लम्बी चौड़ी है। अक्सर ही इस तरह की खबरें आती रहती हैं,लेकिन इसको सरकार कितना गंभीरता से लेती है,यह चिंतनीय है।

यह सच है कि वर्तमान समय में ऑनलाइन लूडो गेम्स का खेलना बहुत ही लोकप्रिय हो गया है।देश में प्रति माह हजारों करोड़ का ऑनलाइन गेम खेला जाता है।इसके चंगुल में हजारों गैंम्बलर फंस जाते हैं। कुछ मामले पुलिस तक पहुंचते भी हैं वहीं कई मामलों में तो भुक्तभोगी शर्म के मारे मुंह भी नहीं खोलनते हैं। मोबाइल एप्लिकेशन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के कारण, लाखों लोग इस खेल का आनंद ले रहे हैं। हालांकि, इस खेल के बढ़ते प्रभाव से जुड़ी कुछ गंभीर समस्याएं सामने आई हैं। खासकर, कुछ खिलाड़ी मानसिक दबाव और लत के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनका अंत आत्महत्या जैसी दुखद घटनाओं में हो रहा है। यह रिपोर्ट इस विषय पर प्रकाश डालती है कि कैसे ऑनलाइन लूडो गेम्स मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं और इसके कारण होने वाली आत्महत्याओं पर चर्चा करती है।

लूडो एक पारंपरिक खेल है, जो पहले दोस्तों और परिवार के साथ बोर्ड पर खेला जाता था। लेकिन, इंटरनेट के युग में इसे डिजिटल रूप में पेश किया गया है, जिससे इसे कहीं भी, कभी भी खेला जा सकता है। इसमें भाग लेने के लिए लोगों को किसी विशेष स्थान पर एकत्रित होने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे यह खेल बहुत ही आकर्षक हो गया है। ऑनलाइन लूडो गेम्स को खेलने के लिए लोग पैसे भी दांव पर लगाते हैं, जिससे यह और भी रोमांचक और जोखिम भरा बन जाता है।

इस खेल में खिलाड़ी अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से खेल सकते हैं और रियल-टाइम में अन्य खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकते हैं। इसमें जीतने पर पुरस्कार मिलने की संभावना होती है, लेकिन इससे जुड़ी एक बड़ी समस्या यह है कि यदि कोई खिलाड़ी लगातार हारता है, तो उसे मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। यही मानसिक दबाव कभी-कभी आत्महत्या के रूप में परिणत हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य पर असररू ऑनलाइन लूडो गेम्स में खेलने वाले खिलाड़ियों को अक्सर हार का सामना करना पड़ता है, जिससे उनमें निराशा, तनाव और चिंता की भावना उत्पन्न होती है। लूडो में पैसे दांव पर लगाए जाने के कारण यह खेल और भी खतरनाक हो जाता है। हारने के बाद लोगों को पैसों का नुकसान होता है, जिससे उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ सकती है।

कई बार लोग इस खेल के प्रति इतनी लत लगाते हैं कि वे अपनी अन्य जिम्मेदारियों और कार्यों को नजरअंदाज कर देते हैं। यह लत उनके व्यक्तिगत जीवन, करियर और रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। खेल में जीतने की उम्मीद में लोग इसे निरंतर खेलते रहते हैं, जिससे उनका समय और ऊर्जा बर्बाद होती है।

ऑनलाइन लूडो गेम्स में पैसे की बाजी लगाने से आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है। हारने पर लोग अपनी पूरी बचत तक गंवा देते हैं। यह आर्थिक दबाव उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और कभी-कभी वे इससे बाहर निकलने के लिए आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं।

ऑनलाइन लूडो खेलने वाले बहुत से लोग अपने मित्रों और सोशल मीडिया पर अपनी जीत को प्रदर्शित करते हैं।

दैनिक पंचांग

19 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

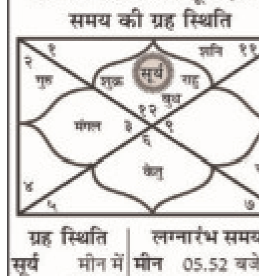

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.52 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.06 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.04 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.18 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.34 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.46 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.56 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.11 ब.से
राहुकाल		धनु	00.27 बजे से
12.00 से 1.30		मकर	02.32 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.19 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 78 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 20.50 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 17.38 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.25 बजे तदनन्तर तैतिल 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872288 **जूलियन दिन** 2460753.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 18 **विशेष** रंगपंचमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44 बजे तक
काल	08.15	से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47 बजे तक	चर	10.16	से	11.47 बजे तक
रोग	11.47	से	01.16 बजे तक	रोग	11.47	से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44 बजे तक	काल	01.19	से	02.51 बजे तक
चर	02.44	से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हाई अलर्ट पर पुलिस तहसीलों में वकीलों का प्रदर्शन शुरू

लखनऊ। में कई चौराहों पर पुलिस हाई अलर्ट पर है। बैरिकेडिंग के साथ पुलिस बल सड़कों पर उतारा जा रहा है। पुलिस जवान लाठी और सेफ्टी जैकेट से लैस हैं। यह तैयारी वकीलों के हड़ताल पर जाने और शहर में रैली निकालने के ऐलान के बाद की जा रही है।

दरअसल, विभूतिखंड थाने में होली पर हुए विवाद के बाद वकीलों और पुलिस में टकराव है। वकील मामले में आज पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर अपने ऊपर लगे मुकदमे वापस करने की मांग रखेंगे। पुलिस ने विवाद के बाद 150 वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी।

अवध, लखनऊ और सेंट्रल बार एसोसिएशन ने आपात बैठक बुलाई, जिसमें आज से न्यायिक कार्य बहिष्कार का ऐलान किया। हाईकोर्ट और जिला कोर्ट के कामकाज आज ठप हैं। तहसीलों में प्रदर्शन शुरू हो गया है।आपात बैठक में 11 प्रस्ताव पास, वकीलों की कार्रवाई तेज लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी, मंत्री ब्रज भान सिंह, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद सिंह कुशवाहा और मंत्री अमरेश सिंह की अगुआई में लाइब्रेरी हॉल में संयुक्त बैठक हुई। बैठक में 11 प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें वकीलों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस लेने और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई।बैठक में वकीलों ने कहा कि पुलिस यातायात डायवर्जन और स्कूल

बंद कराकर वकीलों की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। मांग की कि विभूति खंड थाने के दोषी पुलिसकर्मियों को तुरंत निलंबित किया जाए। अधिवक्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर को फर्जी बताते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जाए। अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। कहा कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति भ्रामक है। वकीलों ने दी आंदोलन की चेतावनी वकीलों के विरोध के बाद एक इंस्पेक्टर समेत 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि, पुलिस ने भी दो नामजद और अन्य अज्ञात वकीलों पर मुकदमा दर्ज किया है। अधिवक्ताओं ने साफ कहा है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन और तेज होगा। विवाद बढ़ने के बाद एक इंस्पेक्टर समेत नौ पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। पुलिस ने भी दो नामजद वकीलों समेत कई अज्ञात अधिवक्ताओं पर मुकदमा दर्ज किया है, जिसे वकीलों ने फर्जी बताया है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज होगा। हाई कोर्ट के अवध बार एसोसिएशन कार्यालय में सेंट्रल बार एसोसिएशन और लखनऊ बार एसोसिएशन के पदाधिकारी पहुंचे। सरोजनी नगर तहसील के वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया। पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। लखनऊ कलेक्ट्रेट के आसपास जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। साथ ही पुलिस बल मुस्तैद है। मोहनलालगंज में वकील सड़क पर उतर चुके हैं। 'आवाज दो, हम एक हैं' नारा लगा रहे हैं। पुलिस तुम्हारी तानाशाही नहीं चलेगी और हमसे जो टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा जैसे नारे वकील लगा रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील के बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और वकीलों ने जुलूस निकाला। इस दौरान सबने पुलिस के लिए मुर्दाबाद के नारे लगाए। स्वास्थ्य भवन चौराहा, बेगम हजरत महल पार्क, परिवर्तन चौराहा और क्लार्क अवध होटल के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है।

डीएम कार्यालय के पास कलेक्ट्रेट चौराहा पर भी बैरिकेडिंग लगाई।

अवैध असलहा रखने वाले गुनाहगार को तीन साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ पांच हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मुस्कुरा में 4 अगस्त 2011 में जलालपुर के पुरैनी निवासी अभियुक्त देशराज पुत्र राम प्रकाश के पास से तलाशी के दौरान मुस्कुरा पुलिस ने अवैध असलहे के साथ ही अवैध कारतूस बरामद होने के बाद अ0स0-450/2011 धाराः 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की डकैती अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने अभियुक्त को गुनाहगार मानते हुये तीन साल की सख्त सजा के साथ ही किया पांच हजार रुपये का जुमार्ना, वही मामले की जांच एस आई वासुदेव यादव ने

पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, जबकि अभियोजन की तरफ से तेज तर्रार एडीजीसी मणिकर्ण शुक्ला की अदालत में जोरदार पैरवी की बदौलत अभियुक्त देशराज पुत्र राम प्रकाश को तीन साल की सजा के साथ ही पांच हजार रुपये का जुमार्ना मुमकिन हो सका।

विकास कार्यों के लिए विधानसभा कुशीनगर को मिली करोड़ों की सौगात

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा में विधायक पी.एन पाठक के प्रस्ताव पर विभिन्न विकास कार्यों के लिए सात करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति मिली है। प्रथम किश्त के रूप में लगभग ढाई करोड़ की धनराशि भी जारी कर दिया गया है।विधानसभा में विकास कार्यों के लिए करोड़ों की सौगात मिलने पर क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। लोगों ने विधायक श्री पाठक के प्रति धन्यवाद व आभार जताया है। लोगों ने कहा कि कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक के नेतृत्व में विधानसभा अपना स्वर्णिम गाथा लिख रहा है। कुशीनगर विधायक पी.एन

पाठक के प्रस्ताव पर कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के नगरपालिका परिषद कुशीनगर में वार्ड नंबर तीन संत गाडगेनगर में बंदन योजना के अंतर्गत लगभग एक करोड़, 53 लाख की लागत से विख्यात खरदर माता स्थान (नौकटोला) के सौंदर्यीकरण व विकास कार्य हेतु व नगरपालिका कुशीनगर के विभिन्न वार्डों में जलजमाव से मुक्त करने हेतु सीवरेज एवं जल निकासी योजनांतर्गत नपा के विभिन्न वार्डों में लगभग 2 करोड़,11 लाख 98 हजार की लागत से आर.सी.सी. नाले के निर्माण एवं नगरपालिका कुशीनगर के वार्ड न. 10, वाल्मिकीनगर में दीनापट्टी सड़क पर लगभग 66 लाख, 23 हजार की लागत से नेटूआ बीर बाबा के पास तालाब का सौंदर्यीकरण व विकास समेत नगरपालिका परिषद कुशीनगर में पेयजल की समस्या को दूर करने हेतु लगभग 2 करोड़ की लागत से विभिन वार्डों में पेयजल व्यवस्था व पाइप लाइन विस्तार होगा, जिसकी वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। विधायक पी.एन पाठक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य अनवरत जारी रहेंगे। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना प्राथमिकता में है। सभी प्राचीन धर्मस्थलों का कायाकल्प कराया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य मंदिर परिसर को न केवल आधुनिक रूप में विकसित करना है। विधायक पी. एन पाठक ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री ए.के शर्मा का कुशीनगर की जनता की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

जिला अस्पताल में मरीज को एक्सपायर इंजेक्शन दिया

बुलंदशहर। के बाबू कल्याण सिंह जिला अस्पताल में एक्सपायर इंजेक्शन देने का मामला सामने आया है। सदर विधायक प्रदीप चौधरी ने सोमवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और दवाइयों की जांच की। मामला अहमदगढ़ क्षेत्र के गांव खेलिया की 20 वर्षीय मुस्कान का है। उसे पेटदर्द, सांस लेने में तकलीफ और उल्टी की शिकायत पर 12 मार्च को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार सुबह ड्यूटी पर तैनात स्टाफ ने मरीज को कुछ इंजेक्शन दिए। मरीज के पिता रियाजुद्दीन ने जब इंजेक्शन की जांच की तो पेटदर्द का इंजेक्शन एक्सपायर पाया गया। परिजनों की शिकायत पर स्टाफ ने इंजेक्शन वापस ले लिया। आरोप है कि एक महिला स्टाफ और एक बाहरी युवक ने परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार भी किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य ने चार सदस्यीय जांच टीम गठित की है। 48 घंटे में मांगी गई जांच रिपोर्ट टीम में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक, अस्पताल के सीएमएस, एक वरिष्ठ चिकित्सक और मैट्रन को शामिल किया गया है। टीम को 48 घंटे में जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करने की बात कही है।

सघन स्वास्थ्य एवं संचार के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के निर्देश पर विकास खण्ड कसया के ग्राम पंचायत कुड़वा दिलीपनगर पंचायत भवन पर सघन स्वास्थ्य एवं संचार अभियान के अन्तर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर काशुभारम्भ संजय कुमार सिंह चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया ने फीता काट कर किया।

इस स्वास्थ्य शिविर में उच्च जोखिम समूह व प्रवासियों का सामान्य जांच, दवा वितरण, एचआईवी एड्स एवं यौन संचारित रोगों का परामर्श परीक्षण एवं उपचार तथा गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच व प्रचार प्रसार सामग्री, कंडोम की प्रदर्शनी व वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कुल 181 व्यक्तियों का पंजीकरण व 141 व्यक्तियों का एच आई बी की स्कैनिंग एवं परामर्श तथा 15 व्यक्तियों की यौन जनित रोग की परामर्श जांच एवं उपचार किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया के चिकित्साधिकारी डॉक्ट सावित्री सिंह,मीरा दुबे, विक्रांत यादव, परामर्शदाता आईसीटीसी पूनम भारती, राजेश कुमार, तारकेश्वर सिंह परियोजना प्रबन्धक लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (सवेरा) पूनम देवी, प्रेमशीला प्रजापति, सुगंधी पांडेय, गुड्डी देवी, कालिंदी देवी, सीमा गुप्ता उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण से ही भारत बनेगा विकसित: राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

स्कूल किट्स, हेल्थ किट्स, बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड और मुसहर समुदाय को आवास पट्टा का हुआ वितरण

संवाददाता

कुशीनगर। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से छोटे बच्चों को मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक रूप से सुदृढ़ और शक्त बनाने में योगदान करना होगा।

उक्त बाते प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में आंगनवाड़ी केंद्रों को प्री स्कूल किट्स, हेल्थ किट्स, 70 वर्ष के बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड वितरण और मुसहर समुदाय को आवास पट्टा वितरित करते हुए कही। कहा कि यही बच्चे आगे चलकर देश को विकसित करने में अपना योगदान देते हैं, जिस प्रकार फसल को तैयार करने से पूर्व हमलोग धरती को तैयार कर आधार मजबूज बनाते है। खाद बीज की व्यवस्था कर फसल तैयार करते है, ठीक उसी प्रकार बच्चों में संस्कार विचार का ज्ञान दने उपरान्त प्राथमिक शिक्षा व उच्च शिक्षा प्राप्त कराने के उपरान्त यह सभी बच्चे देश-विदेशों में नाम व यश की कीर्ति फैलाते है। बेटा हो या बेटी बिना फर्क किये उन्हे शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाये। शत प्रतिशत हॉस्पीटलों में उचित प्रकार डिलीवरी हो तथा जच्चा बच्चा दोनो स्वस्थ्य रहे। सभी शिशुओ का लालन-पालन एक समान होना चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्रो में पढने वालो बच्चों के अन्दर अत्यंत प्रतिभाएं छिपी रहती है, उनकी प्रतिमाओं को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहन देते हुए उनका मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। आंगनबाडी केन्द्रो को संसाधनो से युक्त करने, सुविधाओं से लैस व परिपूर्ण करने हेतु पूरे उ०प्र० में 30000 आंगनबाड़ी केन्द्रो में संसाधन युक्त किट का तथा जनपद में 250 आंगनबाड़ी केन्द्रो मे किटों का वितरण किया जा रहा है। राज्यपाल ने कलेक्ट्रेट प्रांगण में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विभिन्न स्टॉलो के अन्तर्गत बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा निपुण भारत मिशन से सम्बन्धित स्टॉल कृषि विभाग के उर्वरकों के बारे में व फसल सुरक्षा हेतु जागरूकता से

सम्बन्धित स्टॉल, उद्यान एवं प्रसंस्करण विभाग के अन्तर्गत हल्दी एवं केले से बने उत्पादो से सम्बन्धित स्टॉल, उ० प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत नमो ड्रोन दीदी से सम्बन्धित स्टॉल ओ०डी० ओ०पी० उघोग विभाग अन्तर्गत केले से बने विशिष्ट उत्पाद यथा आचार, जूस, आटा, चिप्स आदि से सम्बन्धित स्टॉल, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टॉल का अवलोकन किया। राज्यपाल फसल सुरक्षा, हल्दी तथा केले उद्योग के निमार्ण व उत्पाद बनाने की प्रक्रिया, नर्सरी में उत्पादित प्रति वर्ष छोटे पौधो की संख्या, ड्रोन दीदी के अन्तर्गत मिलने वाले छिडकाव हेतु ऑडर के बारे में जानकारी भी ली। आंगनबाड़ी केन्द्रो के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति भी की गई। स्वच्छता संदेश के गीत व नाट्य प्रस्तुति पर राज्यपाल ने बच्चों को आशीर्वाद दिया। राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं के कुशीनगर क्षेत्र के विजेता कु० जान्हवी एवं कु० श्रेया द्विवेदी ने अपने निबंध भाषण से विकसित भारत में मातृ शक्ति का योगदान और विकसित भारत के सपने को साकार करने की परिकल्पना को व्यक्त किया। 10 आंगनबाड़ी केन्द्रो को प्री स्कूल किट्स, 10 आंगनबाड़ी केन्द्रो को हेल्थ किट्स, 10 मुसहर समुदाय के लाभार्थियों को आवासीय पट्टा प्रमाण पत्र, 05 ओडीओपी योजनान्तर्गत टूल किट्स, 05 स्वयं सहायता समूह के महिलाओं का प्रशास्ति पत्र, डेमो चेक, 05 सफाई कर्मियों एवं केयर टेकरो का सफाई किट, 05 आयुष्मान भारत कार्ड का वितरण हुआ। राज्यपाल ने चिकित्सालयों व हेल्थ सेन्टरो में मिलने वाली दवाईयो का समय-समय से निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। कहा कि सभी हेल्थ अधिकारी दवाओं पर पैनी नजर रखे। उन्होने पुलिस के अधिकारियों को बार्डर एरिया की अवैध व संदिग्ध गतिविधियो पर पैनी नजर बनाये रखने के निर्देश दिए। कहा कि बार्डर एरिया में सतत दृष्टि बनाये रखे। पूर्वजो की तरह आने वाली भविष्य की पीढ़ी के लिए पानी की बचत करे। साथ ही जनपद मे नशे की लत से छुटकारा पाने हेतु नशामुक्ति अभियान वृहद स्तर पर चलाए। दहेज प्रथा, बाल विवाह व समाज की कुरीतियो को दूर करने हेतु सतत कदम उठाये।उन्होने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियो से कहा कि आप बचपन से ही बच्चो को आत्मनिर्भर बनाने की सीख दे। आईना-कंघी, सुई धागा बटन, नाखून कटाने के माध्यम से बच्चो के साथ-साथ उनके अभिभावकों में स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने की सीख भी दी। उन्होने सभी उपस्थित लोगो से अपील की, की वे 9-14 साल की बच्चियो को कैसर से बचाव हेतु वैकसीन अवश्य लगवायें। कार्यक्रय मे विधायक रामकोला विनय प्रकाश गौड, विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा, विधायक खड्डा विवेकानन्द पाण्डेय, विधायक हाटा मोहन वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सावित्री जायसवाल, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी गुजंन द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रेम कुमार राय, अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह समस्त उपजिलाधिकारी गण, समस्त क्षेत्राधिकारी गण, नगर पालिका पडरौना अध्यक्ष विनय जायसवाल, हाटा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव तथा अन्य जनप्रतिनिधि व जनपद स्तरीय अधिकरी, कर्मचारी गण, आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की सुमेरपुर पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार-

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सुमेरपुर पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत धारा 74 इठर व 9( )/10 पाक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे चन्द पुरवा निवासी 25 वर्षीय अभियुक्त शीलू पुत्र वीर सिंह को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई राजवीर सिंह सहित कांस्टेबल अर्पित कुमार शामिल रहे।

323 पदयात्री थाई बौद्ध भिक्षुओं ने की बुद्ध वंदना कर की विश्व कल्याण की कामना

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर तीर्थाटन पर आए 323 थाई पदयात्री बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध वंदना कर विश्व कल्याण की कामना की। उपासकों ने भिक्षुओं को भोजन दान दिया गया। मंगलवार को कुशीनगर पहुंचे भिक्षुओं ने मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर में धम्म पाठ के साथ तथागत बुद्ध का पूजन, अर्चन किया और चीवर चढ़ाया। भिक्षु माथा कुंवर मंदिर, बुद्ध धातु वितरण स्थल, रामा भार स्तुप पहुंचकर बुद्ध की पूजा की। घनश्याम दूबे, नाग मणि, विक्की, आलोक, प्रशांत, ओमप्रकाश कुशवाहा सहित स्थानीय उपासकों ने भिक्षुओं के पिंड पात्र में फल, खाद्य आदि दान किया। इससे पूर्व कुशीनगर तीर्थाटन पर आए भिक्षुओं के दल के प्रमुख भंते चलान ने बताया कि भिक्षु थाईलैंड से 7 मार्च को बोध गया पहुंचे हैं और वहां से बौद्ध भिक्षुओं का दल पैदल बनारस, लुंबिनी श्रावस्ती होते हुए कुशीनगर पहुंचा। यहां से दल वैशाली, केसरिया, नालंदा होते हुए बोधगया पहुंचेगा और 30 मार्च को स्वदेश रवाना हो जाएगा। दल हर साल बौद्ध तीर्थ के यात्रा पर भारत आता है।

मुख्यमंत्री के दिए चरखे पर आया पालिका चेयरमैन का दिल

बुलंदशहर। में स्वच्छता अभियान में शानदार कार्य करने के महिला सभासद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिए चरखे पर पालिका चेयरमैन का दिल आ गया। महिला सभासद की गैरमौजूदगी में चेयरमैन उनके घर से सम्मान स्वरूप दिए गए चरखे को ही ले गए। अब वापस मांगने पर आरोपी चेयरमैन महिला सभासद पर तेजाब डालने और शहर से भगाने की धमकी दे रहे हैं। महिला सभासद की तहरीर पर आरोपी चेयरमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। खानपुर कस्बा निवासी सभासद रूही खान पत्नी महाराज खान को वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छ वार्ड प्रतिस्पर्धा अभियान के तहत लखनऊ में सम्मानित किया था। सम्मान स्वरूप चरखा भेंट किया था। उनकी गैर मौजूदगी में तत्कालीन नगर पालिका चेयरमैन मुस्तफा कमाल पुत्र शौकत अली ने वह चरखा इदरीश पुत्र शफीक अंसारी के द्वारा यह कहकर मंगवा लिया कि मेरे कुछ दोस्त आए हुए हैं, उन्हें यह चरखा दिखाना है। महिला सभासद का आरोप है कि तब से लेकर आज तक वह चेयरमैन से अपना चरखा मांगती रहीं , लेकिन हमें वह चरखा देने में आनाकानी करते रहे। 14 मार्च को जब मैंने वापस चरखा मांगने के लिए चेयरमैन को फोन किया तो चेयरमैन मुस्तफा कमाल ने उन्हें गाली गलौच देनी शुरू कर दीं। चेयरमैन ने उन्हें और उनकी बेटी को गाली दी। हमारे लिए आपत्तिजनक शब्द कहे। धमकी देते हुए कहा- तेरे चेहरे पर तेजाब डाल दूंगा। तुझे मारकर खानपुर में दफना दूंगा। महिला सभासद की तहरीर पर आरोपी नगर पालिका चेयरमैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(3) के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसएसपी श्लोक कुमार का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एकसड़ा पुल के नीचे मिले संदिग्ध बोरे

बस्ती। जिले के एकसड़ा पुल के नीचे कई बोरों में मांस मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बोरों से आ रही तेज दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ओपी सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि बोरों में मांस भरा हुआ है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह किस जानवर का मांस है। पुलिस ने सभी बोरों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुल के नीचे कई बोरों में मांस मिलने से सनसनी फैल गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके से सैंपल एकत्र किए हैं। मांस की पहचान के लिए सैंपल को लैब भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मांस से भरे बोरे यहां किसने और क्यों फेंके।

नगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, घटना से जुड़े सुराग ढूंढने के लिए आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने बताया कि बोरे छावनी थाना क्षेत्र में मिले हैं।

छप्पर में लगी आग, झुलसी भैंस, ग्रामीणों ने बचाई जान

हरैया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बनहा गांव में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सुबह साढ़े दस बजे रामस्वरूप के घर में भैंस के छप्पर में आग लग गई। रामस्वरूप ने अपने घर के पास भैंस के लिए छप्पर बनवा रखा था। सर्दी से बचाव के लिए जल रहे अलाव की चिंगारी तेज हवा के झोंके से उड़कर छप्पर तक पहुंच गई। इससे छप्पर में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर छप्पर के नीचे बंधी भैंस को बाहर निकाला। तब तक भैंस बुरी तरह झुलस चुकी थी। ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।तेज हवा चल रही थी।

देशभर के कई राज्यों में बदल गए पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 70.99 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव किया है। वैश्विक बाजार में क्रूड का भाव गिरकर 71 डॉलर से नीचे आने का असर मंगलवार को घरेलू खुदरा बाजार में भी दिख रहा है और कई शहरों में आज तेल के दाम नीचे आए हैं. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में भी मंगलवार को तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.62 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 14 पैसे गिरा और 87.72 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 94.44 रुपये और डीजल 19 पैसे गिरकर 87.55 रुपये लीटर हो गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 17 पैसे गिरकर 94.94 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 16 पैसे सस्ता होकर 87.76 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 70.99 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरावट के साथ 67.48 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

पिरामल फाइनेंस ने पंजाब एवं सिंध बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली ।

पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि उसने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मध्यम और निम्न-आय वाले उधारकर्ताओं के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के धरातल पर पंजाब एंड सिंध बैंक के साथ रणनीतिक सह-ऋण साझेदारी की है। यह साझेदारी ग्राहकों के पहुंच को बढ़ाने और वित्तीय समावेशन में मदद करने का एक कदम है। पिरामल फाइनेंस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें गहरे बाजारों में ऋण पहुंचाने में मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य है ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करना और उन्हें वित्तीय सहायता पहुंचाना। यह साझेदारी टियर 2 और टियर 3 शहरों में प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और उदार ऋण समाधान प्रदान करेगी, जो कि अर्थव्यवस्था की और से मदद करेगी। इस साझेदारी से प्रभाव, अंडरराइटिंग मानकों में सुधार और उत्कृष्ट ऋण मूल्यांकन उपकरणों के विकास में सहायता मिलेगी। यह साझेदारी भारत के वित्तीय स्थिति को सुधारने और उधारकर्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बजाज फिनसर्व खरीदेगा आलियांज की बीमा कंपनियों में 26 फीसदी हिस्सेदारी

- दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी

नई दिल्ली ।

बजाज फिनसर्व ने कहा कि उसने आलियांज एसई के साथ शेयर खरीद पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वह दो इंश्योरेंस ज्वाइंट वेंचर्स–बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। यह सौदा 24,180 करोड़ रुपये में होगा। इस अधिग्रहण के बाद, बजाज ग्रुप की इन दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी। बजाज ग्रुप, बीएे लिक में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी 10,400 करोड़ रुपये में और बीएे जिक में 13,780 करोड़ रुपये में खरीदेगा। हालांकि यह अधिग्रहण नियामकीय मंजूरियों के अधीन है, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की मंजूरी शामिल है। की शर्तों के तहत, बजाज फिनसर्व लगभग 1.01 प्रतिशत, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट लगभग 19.95 प्रतिशत, और जमनालाल संस लगभग 5.04 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे, जिससे प्रत्येक इंश्योरेंस कंपनी में कुल 26 प्रतिशत हिस्सेदारी पूरी होगी। अधिग्रहण के बाद, बजाज फिनसर्व की हिस्सेदारी दोनों कंपनियों में 75.01 प्रतिशत हो जाएगी।

भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री के लिए उठा रही बड़े कदम

नई दिल्ली ।

भारत में अमेरिकी कंपनी टेस्ला अपनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री को लेकर बड़े कदम उठा रही है। अब कंपनी ने अपनी दो इलेक्ट्रिक कारों के सर्टिफिकेशन और होमोलोगेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, टेस्ला इंडिया मोटर और एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने मॉडल वाय और मॉडल 3 कारों के होमोलॉगेशन के लिए दो नए आवेदन जमा किए हैं। होमोलॉगेशन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि वाहन भारतीय सड़कों पर चलने के लिए सुरक्षित और उपयुक्त है। इसमें वाहनों के उत्सर्जन और सुरक्षा मानकों की जांच की जाती है। इससे पहले, टेस्ला भारत में होमोलॉगेशन के लिए सात आवेदन जमा कर चुकी थी, जिनमें से एक हाल ही में मंजूर हुआ था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका और भारत फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर बातचीत कर रहे हैं। चीन में सख्त होते नियमों के कारण मस्क दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार बाजार भारत में एंट्री करना चाहते हैं। हालांकि, भारत सरकार चाहती है कि टेस्ला स्थानीय स्तर पर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करे, जबकि मस्क शुरुआत में आयातित कारों की बिक्री पर जोर दे रहे हैं। भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में तेजी देखी गई है। 2024 में यह 20 प्रतिशत बढ़कर 99,165 इकाई पहुंच गई, जबकि 2023 में यह 82,688 थी। टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर्स इस सेगमेंट में अग्रणी हैं।

हैरियर ईवी एसयूवी के इंटीरियर की दिखाई झलक

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी अपकमिंग हैरियर ईवी ऑल-व्हील-ड्राइव के फीचर्स और कपैटिबिलिटी का खुलासा किया है। सोशल मीडिया पर जारी किए गए टीज़र में इस ईवी एसयूवी के इंटीरियर की झलक देखने को मिली। पहली बार इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शित किया गया था, और यह साल के अंत तक आधिकारिक रूप से लॉन्च हो सकती है। हैरियर ईवी का केबिन इसका सबसे बड़ा आकर्षण है। इसमें हरमन का 12.3-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा, जो नेविगेशन मैप भी दिखाएगा। इसके अलावा, दो-टोन कलर डैशबोर्ड, टच बटन, टॉगल स्विच, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, टेरेन मोड्स के लिए डायल और चार-स्पोक स्टीयरिंग व्हील पर इल्यूमिनेटेड टाटा बैज देखने को मिलेगा। हैरियर ईवी टाटा की नई जनरेशन 2 एक्टिव.ईवी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी। यह कंपनी की पहली ऑल-व्हील-ड्राइव ईवी होगी, जिसमें डुअल-मोटर सेटअप होने की उम्मीद है। इसका टॉर्क आउटपुट 500 एनएम होगा और एक बार चार्ज करने पर यह 500 किमी की ड्राइविंग रेंज दे सकती है।

यह ह्युंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, मारुति सुजुकी ई-विटारा और महिंद्रा बीई 6 जैसे टॉप मॉडल्स को टक्कर देगी। इसके ऊपरी वेरिएंट्स एक्सईवी 9ई से भी इसकी सीधी प्रतिस्पर्धा हो सकती है। टाटा मोटर्स हैरियर ईवी की कीमत 25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू करने की योजना बना रही है। आईसीई वर्जन की तरह, इस ईवी में पैनोरमिक सनरूफ, जेबीएल म्यूजिक सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग जैसी सुविधाएं होंगी। इसके अतिरिक्त, टाटा ने इस बार व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) और व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) चार्जिंग फीचर भी शामिल किए हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 26 पैसे बढ़कर 86.55 रुपये पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.71 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मुद्रा में तेजी सीमित रही क्योंकि निवेशक बढ़ती वैश्विक व्यापार चिंताओं के संभावित आर्थिक प्रभाव से जूझ रहे हैं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.71 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 103.56 पर रहा।

टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ बढ़ाई साझेदारी

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर उद्यमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने में तेजी लाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ विस्तारित दीर्घकालिक साझेदारी की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार टेक महिंद्रा और गूगल क्लाउड मिलकर उद्यमों को उनके बुनियादी ढांचे और डेटा आर्किटेक्चर को आधुनिक बनाने में मदद करेंगे। साथ ही उनके एआई-संचालित क्लाउड समाधानों से निवेश पर रिटर्न को अनुकूलित करेंगे। टेक महिंद्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ने कहा कि ये समाधान व्यवसायों को परिचालन संबंधी जटिलताओं से निपटने, दक्षता बढ़ाने और उभरते नियामक मानकों का पालन करते हुए विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम बनाएंगे।

श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब डॉलर का हुआ नुकसान

कोलंबो । श्रीलंका के बाह्य ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। मंगलवार को मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। एक सरकारी समाचार पत्र ने कोलंबो में चीन के राजदूत क्यूई झेनहोंग के हवाले से खबर में कहा कि चीन अक्टूबर 2023 में पुनर्गठन समझौता करने वाला श्रीलंका का पहला द्विपक्षीय ऋणदाता था। झेनहोंग ने कहा कि हालांकि, जनता को इन विवरणों के बारे में पता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम श्रीलंका को दी जाने वाली सहायता के बारे में जानकारी नहीं देते हैं। श्रीलंका ने 2022 के आर्थिक संकट में अपनी पहली चूक की घोषणा करने के बाद 46 अरब अमेरिकी डॉलर के बाह्य ऋण का पुनर्गठन किया था। राजदूत ने साथ ही चीन और भारत के भविष्य में श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के विकास के लिए संयुक्त रूप से काम करने की उम्मीद भी जाहिर की।

भारत के वाणिज्य व्यवस्था में व्यापार घाटा सालाना 14.05 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली । भारत में व्यापार एवं वाणिज्य संक्षेपक आंकड़े जारी होने के बाद दिखा कि फरवरी 2025 में वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में सुधार है, लेकिन पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत कम रहा। नए आंकड़ों के अनुसार, वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात फरवरी महीने में 36.91 अरब डॉलर था, जबकि आयात 50.96 अरब डॉलर रहा। इसके बावजूद, आयात में तेज गिरावट के कारण व्यापार घाटा 14.05 अरब डॉलर में पहुंच गया है, जो कि अगस्त 2021 के बाद का न्यूनतम स्तर है। विभागीय मंत्रालय द्वारा व्यापार के गतिशीलता में देखा जा रहा है कि वैश्विक मांग में कमी और वैश्विक प्रशुल्क युद्ध के प्रभाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों के कारण व्यापार में यह कमी हुई है। इसे एक रणनीतिक अवसर के रूप में देखा जा सकता है जो देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष ने कहा कि निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सावधानी और कठोर प्रयास की आवश्यकता है। देश के कुल निर्यात में सालाना 6.24 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जो कि कुल आयात के साथ संतुलित होने का एक मार्ग दिखा सकता है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1133 अंक , निफ्टी 325 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब बाजार तेजी लेकर बंद हुआ है। आज कारोबार के दौरान ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र में जमकर तेजी आई।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1131.31 अंक करीब 1.53 फीसदी उछलकर 75,301.26 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी अंत में 325.55 अंक तकरीबन 1.45 फीसदी ऊपर आकर 22,834.30 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में जोमैटो का शेयर सबसे अधिक 7 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, महिंद्रा एन्ड महिंद्रा, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और अदाणी पोर्ट्स भी बढ़त में हैं।

जानकारों के अनुसार बाजार में तेजी कारण बड़ी पूंजी वाले शेयरों में अच्छी खरीदारी रही है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही से कंपनियों के आय में सुधार की उम्मीदें बढ़ा दी हैं, जिससे भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

महंगाई के भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के लक्ष्य स्तर से नीचे आने की उम्मीदें बढ़ गई है।

बाजार में लगातार दो ट्रेडिंग सेशन में आई तेजी से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के करीब पार पहुंच गया। बाजार में पिछले कुछ समय से आई गिरावट की वजह से यह 400 लाख करोड़ रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया था।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका में खुदरा बिक्री के अच्छे आंकड़ों के बीच वैश्विक बाजार आज तेजी से कारोबार कर रहे हैं। एशिया में जापान का निक्केई 1.4 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स200 0.44 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.51 फीसदी बढ़ा। वही, अमेरिका में वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 में 0.64 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.31 फीसदी की वृद्धि हुई, तथा डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.85 फीसदी की तेजी आई। वहीं गत दिवस भी बाजार ऊपर आया था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 73,830 अंक के स्तर पर लगभग सपाट खुला। हालांकि खुलते ही यह 280 अंक चढ़कर 74 हजार के पार चला गया था। दूसरी ओर निफ्टी भी 80 अंक बढ़कर 22,480 के स्तर पर पहुंच गया जो 112 अंक की तेजी के साथ 22,509 पर कारोबार कर रहा था।

मनबा फाइनेंस का बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स और प्रॉसपैरिटी से करार

मुंबई । मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स कैपिटल, और प्रॉसपैरिटी के साथ एक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की है। यह साझेदारी कंपनी की ग्राहकों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी और उन्हें अधिक सशक्त बनाएगी। इस साझेदारी के माध्यम से मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने उद्देश्य किया है कि भारतीय बाजार में संधारणीय गतिशीलता को बढ़ावा दिया जाए। ग्राहकों को उनकी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत साझेदारी मिलेगी जो उनकी जरूरतों को समझेगी और उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी। इस घोषणा से ग्राहकों की आशाएं बढ़ गई हैं और उन्हें विश्वास है कि यह साझेदारी उनके लिए नई और सरल वित्तीय सेवाओं का एक सुनहरा युग प्रदान करेगी। बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स कैपिटल और प्रॉसपैरिटी के साथ की इस साझेदारी की उम्मीद की जा रही है और इससे पूरे वित्तीय सेक्टर में एक नया उत्साह भी बढ़ा है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 10 फीसदी तक उछले

- 50 के पार पंहुचा भाव

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में मंगलवार को बड़ा उछाल देखने को मिला। ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी के शेयर मंगलवार को इंट्राडे ट्रेड में 10 फीसदी तक उछल गए। इससे पहले सोमवार को कंपनी के शेयर बड़ी गिरावट लेते हुए 50 रुपये से नीचे आ गए थे। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 46.58 रुपए प्रति शेयर पर खुला। शेयर ने इंट्राडे में 51.64 रुपए प्रति शेयर का हाई स्तर और 46.32 रुपए प्रति शेयर का न्यूनतम स्तर छुआ। सुबह शुरुआत में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 9.04 फीसदी की बढ़त लेकर 51.15 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक की वाहन रजिस्ट्रेशन एजेंसी रोस्मेर्टा डिजिटल सर्विसेज ने शनिवार को कहा था कि वह ओला की सब्सिडियरी ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही शुरू करने जा रही है। इसके बाद कंपनी के शेयर बुरी तरह लुढ़क गए थे।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की बेंगलुरु बेंच के पास दायर की गई है। इसमें दावा किया गया है कि ऑपरेशनल क्रेडिटर द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए पेमेंट में चूक हुई है। इस आधार पर याचिका में ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

ट्रंप ने मिशेल बोमन को फेडरल रिजर्व का शीर्ष नियामक नामित किया

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के वित्तीय नियामक कार्यों की देखरेख के लिए मिशेल बोमन को नामित किया है। इस कदम से बड़े बैंकों के लिए नियम ढीले होने की संभावना बढ़ी है। बोमन को 2018 में ट्रंप ने फेड के गवर्निंग बोर्ड में सेवा देने के लिए नियुक्त किया था। वह माइकल बार की जगह फेड के पर्यवेक्षण विभाग के उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। पिछले महीने बार ने कानूनी लड़ाई से बचने के लिए पद छोड़ दिया था। ट्रंप की ओर से नौकरी से निकालने की धमकी दी गई थी। हालांकि, बार सात सदस्यीय फेड बोर्ड में बने रहे, जिससे ट्रंप को मौजूदा गवर्नर में से किसी एक को उपाध्यक्ष चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। बोमन नामांकन का बैंकिंग उद्योग के लॉबिंग समूहों ने स्वागत किया है। जिनमें अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन और इंडिपेंडेंट कम्युनिटी बैंकर्स ऑफ अमेरिका शामिल थे। उपाध्यक्ष के रूप में, बोमन सबसे शक्तिशाली संघीय बैंक नियामक होंगे और बैंक नियमों में सुधार के लिए फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और करेंसी नियंत्रक कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस पद के लिए सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता है, हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें आसानी से मंजूरी मिल जाएगी।

एरिशा ई मोबिलिटी को यूएई से मिला एक अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली । भारतीय कंपनी एरिशा ई मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने प्रतिष्ठित राणा समूह के इकाई के साथ एक निवेश की घोषणा की है। इस साझेदारी के जरिए कंपनी ने यूएई के एक प्रमुख निवेशक के साथ एक अरब डॉलर का निवेश प्राप्त किया है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य है कंपनी के व्यापक विस्तार के साथ-साथ स्थिरता की बढ़ती अवधारणा को साकार करना। एरिशा ई मोबिलिटी की यह महत्वपूर्ण साझेदारी वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। इसे स्मार्ट इंजीनियरिंग, उच्च गुणवत्ता की खरीद, और ऊर्जा समाधानों के तंत्र का नेतृत्व करने का दायित्व सौंपा गया है। इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने का मंजिल छूने की दिशा में अग्रसर होगी। इस निवेश से एरिशा ई मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के यूएई, सऊदी अरब, अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका क्षेत्र में विस्तार के लिए मजबूत प्रक्रिया किया जा सकेगा।

मीसा भारती के साथ ईडी दफ्तर पहुंचीं राबड़ी देवी

तेज प्रताप यादव से भी चल रही पूछताछ

पटना। जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूछताछ के लिए बुलाया। राबड़ी देवी ईडी के दफ्तर पहुंच गई हैं, उनके साथ बेटी मीसा भारती भी मौजूद हैं। दोनों राबड़ी आवास से एक ही गाड़ी में सवार होकर ईडी दफ्तर पहुंचीं। इनके पहुंचे के करीब एक घंटे बाद तेजप्रताप यादव भी ईडी दफ्तर पहुंचे हैं। यह पहली बार है जब जमीन के बदले नौकरी मामले में तेजप्रताप यादव से पूछताछ की जा रही। इधर, राबड़ी देवी

और मीसा भारती के पहुंचते ही ईडी दफ्तर के बाहर राजद समर्थकों की भीड़ जुट गई है, जो केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। वहीं राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भी ईडी ने 19 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। बता दें कि इससे पहले जमीन के बदले नौकरी मामले में 11 मार्च को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई

हुई थी। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव सुनवाई के दौरान कोर्ट पहुंचे थे। सभी आरोपियों को कोर्ट से जमानत मिल गई थी। राजद ने कहा- जनता सब देख रही विधान मंडल सत्र के बीच जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी की कार्रवाई से सियासत गरमा गई है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। राजद ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ऐसा करते रहती है। इसमें कोई नई बात नहीं है। जनता सब देख रही है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर नौकरी के बदले लोगों से जमीन लेने या उनके परिवार को कम दाम पर बेचने के लिए दबाव बनाने का आरोप है। यह घोटाला उस समय हुआ, जब लालू 2004-2009 तक लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। सीबीआई ने चार्जशीट में आरोप लगाया है कि रेलमंत्री रहते हुए लालू यादव ने नियमों को ताक पर रखते हुए भर्तियां की थीं।

हत्या के प्रयास का आरोपी एक साल से फरार

जमुई। के गरही थाना क्षेत्र में पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार दो आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चिपकाया है। मूरबरो गांव में पुलिस ने ढोल बजाकर इसकी सार्वजनिक घोषणा की। आरोपी जियाउद्दीन अंसारी पिछले एक साल से फरार है। दूसरा आरोपी मुस्ताकीन मियां तीन महीने से पुलिस की पकड़ से दूर है। दोनों पर हत्या के प्रयास का आरोप है। पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।गरही थाना अध्यक्ष अनिरुद्ध शास्त्री ने कहा कि आरोपियों को जल्द आत्मसमर्पण करना होगा। ऐसा न

करने पर उनकी संपत्ति की कुर्की-जब्ती की जाएगी।पुलिस ने ग्रामीणों से आरोपियों की जानकारी मिलने पर तुरंत सूचित करने की अपील की है। कार्रवाई के दौरान गांव में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों का मानना है कि अब आरोपियों का कानून से बचना मुश्किल होगा।

कैश लूटते समय ATM मशीन में लगी आग

मुजफ्फरपुर। में ATM से कैश लूटने के दौरान मशीन में आग लगने का मामला सामने आया है। घटना में ATM समेत उसमें रखे लाखों रुपए जल गए। जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना के बाद बदमाश रुपए लेकर नहीं भाग सके। जानकारी मिलने पर मंगलवार की सुबह एसडीपीओ 2 विनीता सिन्हा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। बदमाशों की पहचान के लिए आसपास में लगी सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। मामला सोमवार की देर रात जिले के सदर थाना क्षेत्र के बीबीगंज इलाके के IDBI बैंक एटीएम का है। घटना में कितने

रुपए का नुकसान हुआ है, जिसे जानने के लिए ATM ट्रांजैक्शन का मिलान किया जा रहा है।एसडीपीओ 2 विनीता सिन्हा ने बताया कि बीबीगंज इलाके में IDBI बैंक के इलाके में सोमवार की देर रात 3:30 बजे कुछ अपराधियों ने ATM काटकर रुपए की लूट करने की कोशिश की। वारदात के लिए उनलोगों ने गैस कटर का इस्तेमाल किया, जिसकी वजह सZ ATM मशीन में आग लग गई। आग की वजह से एटीएम रूम में रख पूरा सामन जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी बैंक मैनेजर को दी, जिसके बाद मौके पर मैनेजर और बैंक कर्मी पहुंचे। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर हमलोग पहुंचे।

फिलहाल कितने का नुकसान हुआ है, इसकी स्पष्ट रूप से बैंक कर्मी ने जानकारी नहीं दी है। बैंक कर्मी का कहना है एटीएम के ट्रांजैक्शन की मिलान के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि इस घटना में टोटल कितने का नुकसान हुआ है।

पंचायत से लौट रहे लोगों पर हमला

जमुई। टाउन थाना क्षेत्र के ढंढ गांव में सोमवार रात एक घटना सामने आई। बच्चों के बीच हुए विवाद को सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायत से लौट रहे लोगों पर हथियारबंद बदमाशों ने गोलीबारी कर दी। घटना में 60 साल की चानो महतो और 59 साल की सूमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। चानो महतो के सीने से होते हुए हाथ को छूकर गोली निकल गई। सूमा देवी के जांघ में गोली लगी। दोनों घायलों को पहले सदर अस्पताल ले जाया

गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। मामला गांव के अविनाश महतो और उनके मौसा के रिश्तेदार रंजीत महतो के बीच विवाद का है। बच्चों की लड़ाई के बाद दोनों के बीच मारपीट हुई थी। स्थानीय लोगों ने पंचायत बुलाकर मामले को सुलझा लिया था। पंचायत से लौटते समय अविनाश महतो के साले और उसके 5 साथी हथियार लेकर काली मंदिर के रास्ते पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी।बदमाशों ने लगभग आधा दर्जन राउंड फायरिंग की। इस घटना से गांव में दहशत फैल गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना की जानकारी के बाद टाउन थाने के थानाध्यक्ष अरुण कुमार शेखर सौरव अपने दलबल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस घायल चानो महतो का बयान दर्ज करते हुए पूरे मामले की छान बीन में जुट गई है। टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि जो दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद गोलीबारी की घटना सामने आई है। जोधी महतो का बेटा और अविनाश महतो की ओर से गोलीबारी करने की जानकारी मिली है।

त्रिपुरी घाट रोड पर किराना दुकान में आगजनी

जमुई । के त्रिपुरी घाट रोड पर स्थित एक किराना दुकान में अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। इस घटना में लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। गुमटी में संचालित यह दुकान संतोष कुमार दास की है। घटना रात करीब 2 बजे की है। चार से पांच की संख्या में आए बदमाशों ने गमछे से अपना चेहरा ढक रखा था। आगजनी के बाद उन्होंने घर पर ईंट भी फेंकी। दुकान में रखे साबुन, शैम्पू, कोल्ड ड्रिंक और पानी की बोतलें जलकर राख हो गईं। गल्ले में रखे एक हजार रुपए भी जल गए। प्राइवेट स्कूल में शिक्षक हैं पीड़ित संतोष

कुमार दास मूल रूप से शिवनडीह वार्ड नंबर-22 के रहने वाले हैं। वे 2020 से त्रिपुरी घाट रोड क्षेत्र में रह रहे हैं। एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक हैं और दुकान उनके बेटे की ओर से संचालित की जाती है। उन्होंने बताया कि किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।सुबह 4 बजे जब वे शौच के लिए उठे, तब घटना का पता चला।

नाला ओवरफ्लो से सड़कों पर गंदा पानी

किशनगंज। कालू चौक स्थित वार्ड नंबर-32 में नाला टूटने से गंदा पानी सड़कों पर फैल गया है। इस समस्या से खगड़ा मेला और सब्जी मंडी तक का क्षेत्र प्रभावित हुआ है। एक सप्ताह से पुरानी नाली के टूटने और नाला भर जाने से दूषित पानी सड़कों पर बह रहा है। यह रास्ता मच्छमाड़ा, पासवान टोला और कर्बला चौक को जोड़ता है। स्थानीय लोग और वाहन चालक इस समस्या से परेशान हैं। स्थानीय निवासी तबीला खातून ने बताया कि नगर परिषद ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। रमजान के दौरान लोगों को गंदे पानी को पार कर आना-जाना पड़ रहा है। वार्ड के निवासी मुनासिर आलम के अनुसार, इस मार्ग से नगर परिषद और जिला प्रशासन की गाड़ियां रोज गुजरती हैं। पहले से क्षतिग्रस्त

सड़क की समस्या के साथ अब नालियों की समस्या भी जुड़ गई है।खगड़ा मेला में लगी सब्जी की दुकानें और व्यापार इस समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी डर सता रहा है। दस दिन बीत जाने के बाद भी नगर परिषद के किसी भी कर्मचारी ने मौके का मुआयना नहीं किया है।

भीषण आग से तबाही दिघली गांव में 6 से ज्यादा घर जले

किशनगंज। के ठाकुरगंज ब्लॉक अंतर्गत छैतल पंचायत के दिघली गांव से एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई है। एक घर में लगी आग ने आसपास के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे गांव में हड़कंप मच गया। तेजी से फैली आग की चपेट में कई एक घर में खाना बनाने के दौरान अचानक आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैली और आधा दर्जन से अधिक आवासीय घरों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने तत्काल दमकल विभाग और ठाकुरगंज थाना को सूचना दी। दमकल नहीं पहुंचा, गांववालों ने बुझाई आग दमकल विभाग के नहीं पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने खुद ही आग बुझाने का काम शुरू किया। कई घंटों की कोशिश के बाद गांववालों ने मिलकर आग पर काबू पाया। इससे गांव के अन्य घरों को आग से बचा लिया गया।घरेलू सामान जलकर खाक, दस्तावेज भी जले इस हादसे में घरेलू सामान को भारी नुकसान पहुंचा है। कपड़े, बर्तन, अनाज, धान और मकई पूरी तरह जल गए। कई पुआल के ढेर भी आग की चपेट में आ गए। सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि प्रभावित परिवारों के जमीन के कागजात और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जलकर राख हो गए। इससे अब उन्हें कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। प्रभावितों की सरकार से मुआवजे की मांग आग पर काबू पाने के बाद ठाकुरगंज थाना अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अग्नि विभाग मौके पर नहीं पहुंचा। इस घटना में लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवारों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

बेंगलुरु से पटना लाया गया 3 मजदूरों का शव

बिहार सरकार देगी 2-2 लाख मुआवजा, होली के दिन हुई थी तीनों की हत्या

बेंगलुरु। से गोपालगंज के तीन मजदूरों का शव मंगलवार को पटना लाया गया। एयरपोर्ट पर श्रम मंत्री संतोष कुमार मौजूद थे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही बिहार सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख मुआवजा देने की घोषणा की। मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा, 'तीनों मजदूर एक निर्माण कंपनी में काम करते थे। मजदूरों के बीच आपसी लड़ाई-झगड़े के बाद उनकी मौत हो गई। चूंकि वे मजदूर थे, इसलिए श्रम मंत्रालय शवों को घर तक भेजने के लिए सारा खर्च उठाएगी। परिजनों को 2 -2 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया

जाएगा।'मंत्री संतोष सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद एंबुलेंस से डेड बॉडी को गोपालगंज भिजवाया। उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में हमलोग पीड़ित परिवार के साथ हैं। आश्रितों को विभाग की ओर से अनुदान राशि जल्द जारी किए जाएंगे। 'राज्य से बाहर काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा और अधिकारों को लिए जरूरी कदम उठाएंगे। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जल्द ही ठोस उपाय किए जाएंगे। प्रवासी श्रमिकों के लिए बेहतर सुरक्षा और कल्याण योजनाएं लागू की जाएगी।' गोपालगंज के 3 युवक बेंगलुरु में मजदूरी

करते थे। होली पर कुछ दोस्तों के साथ मिलकर पार्टी कर रहे थे। इस बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर साथी ने ही चाकू से हमला कर दिया। हत्या करने वाले आरोपी भी गोपालगंज के ही रहने वाले हैं। बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान थावे थाना क्षेत्र के पिठौरी गांव निवासी राधेश्याम यादव (21), अंशु राम और दीपू कुमार (22) के रूप में हुई है। 1 साल से चल रहा था अफेयर घटना के बारे में बताया जा रहा है कि आरोपी सोनू की बहन के साथ अंशु का एक साल से अफेयर चल रहा था। होली वाले दिन सुधीर की बहन का उसके नंबर पर कॉल आया। इसको देखते ही मजाक में अंशु ने कॉल रिसीव कर लिया। इस बात से सुधीर नाराज हो गया। दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। धीरे-धीरे विवाद बढ़ता चला गया और गुस्से में सुधीर ने अंशु पर रॉड से हमला कर दिया। बीच बचाव करने आए राधेश्याम को भी आरोपी सोनू और उसके भांजे सुधीर ने मार डाला। ये घटना एक फ्लैट के 7वें मंजिल पर घटी है। वहीं, घटना के बाद दीपू मौके से भागने की कोशिश करने लगा। तभी दीपू का पीछा करते हुए सुधीर और सोनू तीसरे मंजिल पर पहुंचे और उसकी भी हत्या कर दी।

संक्षिप्त डायरी

नेपाल बॉर्डर पर यूरिया तस्करी का भंडाफोड़

किशनगंज। के टेढ़ागाछ ब्लॉक में सोमवार को यूरिया की कालाबाजारी का खुलासा हुआ। भोरहा गांव में स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर कृषि विभाग की कार्रवाई में यूरिया और खाद का खेप पकड़ा गया। तल्कर इस खेप

को नेपाल ले जा रहे थे।यूरिया और खाद तस्करों का पदार्फाशभोरहा पंचायत के भोरहा गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने कृषि विभाग को सूचना दिया कि कुछ लोग यूरिया और खाद को नेपाल ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रखंड कृषि समन्वयक सुमंत कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टेढ़ागाछ पुलिस की मदद से की गई कार्रवाई में मौके से 12 बोरा यूरिया और खाद बरामद किया गया। हालांकि, कारोबारी माल छोड़कर फरार हो गया।कार्रवाई जारी, फरार कारोबारी की तलाश कृषि समन्वयक सुमंत कुमार ने बताया कि जब्त किए गए यूरिया और खाद पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार कारोबारी का पता लगा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की कालाबाजारी से किसानों को नुकसान होता है।यूरिया तस्करी कर अवैध रूप से पहुंचा रहे नेपाल किशनगंज से सटा नेपाल बॉर्डर तस्करी को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहता है। अब एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है। बिहार से यूरिया को तस्करी कर अवैध रूप से नेपाल पहुंचाया जा रहा है। तस्कर यूरिया को साइकिल और बाइक से नेपाल के बाजार में पहुंचा रहे हैं। इस काले धंधे में भारतीय क्षेत्र के दुकानदार और व्यापारी भी शामिल हैं। दुकानों पर रेट चार्ट या स्टॉक की सूची नहीं होती। इससे किसानों से मनमाना पैसा वसूलना आसान होता है।

नाव हादसा, बाल बाल बचे लोग

कटिहार। के अमदाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बड़ा नाव हादसा होते-होते बच गया। गदाई दियारा से मनिहारी जा रही परवल से लदी नाव गंगा नदी के बीच धार में पलट गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। बीच धार में पलटी नाव, मची

अफरा तफरीयह घटना मेघु टोला गांव के सामने हुई। हादसे के वक्त नाव में करीब 36 लोग सवार थे। सभी गदाई दियारा से परवल सब्जी तोड़कर मनिहारी बाजार में बेचने जा रहे थे। बताया जा रहा कि तेज हवा के कारण नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई।मछुआरों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालास्थानीय मछुआरों की सतर्कता के चलते कई लोगों की जान बचा गई। हादसे के बाद फौरन मछुआरों ने एक एक कर सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया। 30 क्विंटल परवल नदी में बही फिलहाल, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, हादसे में नाव पर लोड किया गया लगभग 30 क्विंटल परवल नदी में बह गया। इससे किसानों को काफी नुकसान हो गया है।

तिलक से 6 दिन पहले इंजीनियर की हत्या

नालंदा। में तिलक से एक हफ्ते युवक का कुएं में शव मिला है। उसकी बॉडी कुएं में ईंट से बंधी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सीढ़ी लगाकर शव को कुएं से बाहर निकाला। जांच में डॉग स्क्वायड और ऋछ की

टीम की मदद ली जा रही है। युवक की पहचान विजय सिंह के बेटे नीरज उर्फ झुन्ना (32) के रूप में हुई है। वो पेशे से इंजीनियर था और साथ ही जमीन का कारोबार भी करता था। इसके अलावा महिंद्रा ऑटोमोबाइल की भी एजेंसी ले रखी थी। 24 मार्च का उसका तिलक और फलदान होने वाला था।कुएं में नीरज का शव मिलने की जानकारी तब हुई, जब ग्रामीणों को कुएं के पास से उसकी चप्पल, चश्मा और कुछ सामान मिला। वहीं, जांच के दौरान FSL की टीम को मौके से एक 9 का कारतूस भी मिला है। कुएं के पास खून के निशान भी मिले हैं। वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने राजगीर गिरियक मुख्य मार्ग पर टायर जलाकर सड़क जामकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। लोग हत्या कर सबूत को छुपाने की बात कर रहे हैं। घटना राजगीर थाना क्षेत्र के नई पोखर मोहल्ले का है।मृतक नीरज बड़ा पूंजीपति था और राजगीर में होटल भी बनवा रहा था। पिता फौज में थे। परिजनों ने बताया- 'सोमवार शाम नीरज खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से बाहर निकला था। लेट होने पर उससे रात करीब 9 बजे कॉल किया। उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। कई बार कॉल किया, लेकिन फोन नहीं लगा। जिसके बाद हमलोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की।'काफी खोजबीन के बाद कुछ पता नहीं चला तो इसकी शिकायत करने राजगीर थाना पहुंचे। जानकारी मिलने के बाद पुलिस उसके मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। वहीं, हमलोग थाना से बाहर आए तो मोहल्ले के बाहर कुएं के पास नीरज की चप्पल और अन्य सामान फेंका हुआ देखा। इस मामले में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया- 'मौके पर डॉग स्क्वॉयड और FLS की टीम जांच कर रही है। शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिजनों से पूछताछ की जा रही है। किसी से विवाद का मामला अब तक सामने नहीं आया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

एक फंदे से लटकी मिली 3 साल की बेटी-मां

मुजफ्फरपुर। में लीची बगान से मां-बेटी का फंदे से लटका शव मिला है। महिला अर्धनग्न अवस्था में है और एक ही साड़ी से बने फंदे में दोनों लटकी हुई मिलीं। स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना

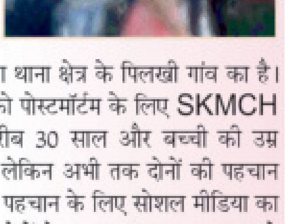

मंगलवार की सुबह जिले के सकरा थाना क्षेत्र के पिलखी गांव का है। फिलहाल पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया है। मृतका की उम्र करीब 30 साल और बच्ची की उम्र लगभग 3 साल बताई जा रही है, लेकिन अभी तक दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। दोनों मां-बेटी की पहचान के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया, 'सुबह जब टहलने निकले तो लीची बागान में महिला और बच्ची के शव को फंदे से लटका देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी।' फिलहाल पुलिस और FSL की टीम जांच कर रही है।स्थानीय राजीव कुमार सिंह ने बताया, ' गांव के लोगों ने शव को लीची के बागीचा में देखा है। लीची के पेड़ में कपड़े के फंदे से एक महिला और एक मासूम बच्ची लटकी हुई थी। शव देखने के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। हमलोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन
कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

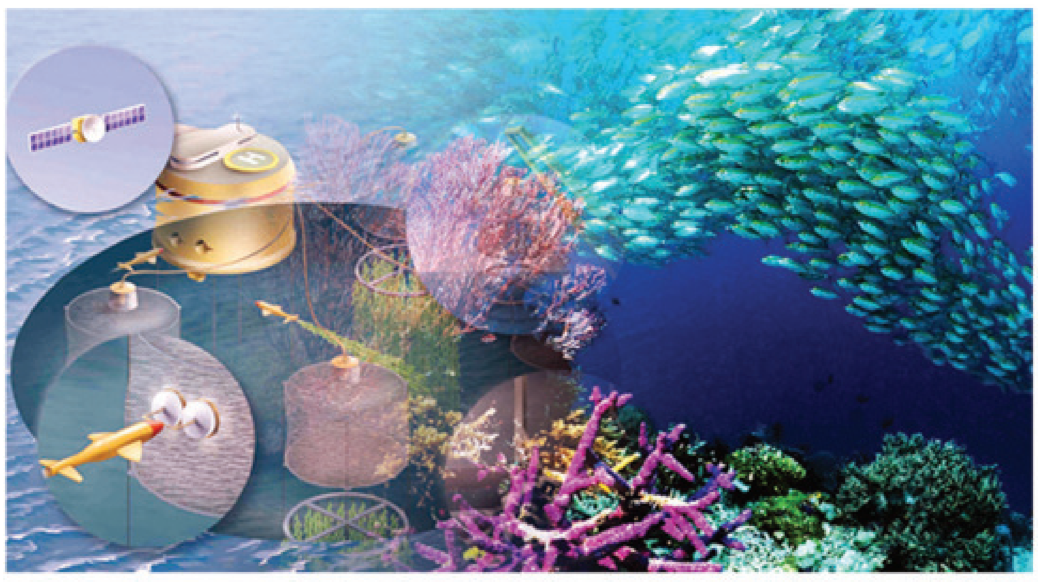

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

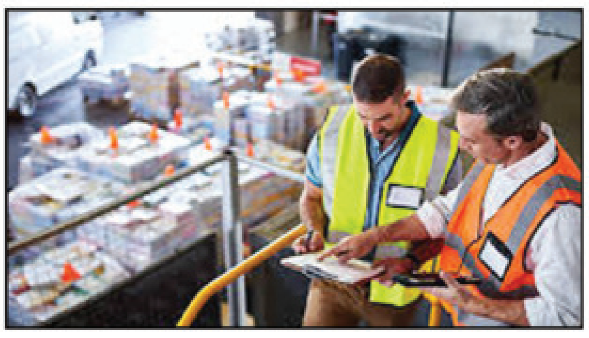

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाए
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्मे

विदेश दौरे पर परिवार के साथ ही रहना चाहेंगे सभी क्रिकेटर : विराट

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि विदेश दौरे के लिए परिवार को साथ रखने की अनुमति मिलनी चाहिये। विराट ने कहा कि वह अपने होटल के कमरे में अकेले बैठने की जगह मैदान पर तनावपूर्ण दिनों से निपटने के लिए परिवार का साथ चाहेंगे। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद विदेशी दौरे मे परिवार को साथ रखने पर रोक लगा दी थी। साथ ही कहा था कि केवल 45 दिन से अधिक के दौरे पर खिलाड़ी परिवार के साथ रह सकते हैं। वह भी 14 दिन तक ही।

नये नियम में खिलाड़ियों की पत्नी, बच्चे या महिला मित्र छोटे दौरों पर अधिकतम एक हफ्ते तक उनके साथ रह सकते हैं। हाल में खत्म हुई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान कोहली, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी के परिवार दुबई में थे पर वे टीम होटल में नहीं रुके और परिवारों के ठहरने का खर्च खिलाड़ियों ने स्वयं उठाया। कोहली ने कहा, 'लोगों को परिवार की भूमिका समझाना बहुत मुश्किल है। साथ ही कहा कि हर बार जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में होते तो अपने परिवार के पास वापस आना अहम होता है। मुझे नहीं लगता कि लोगों को इसका महत्व पता है। कोहली ने कहा कि परिवार के साथ होने से खिलाड़ी को मैदान पर मिली निराशा से जल्दी से उबरने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने कमरे में जाकर अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता। मैं सामान्य होना चाहता हूं। तभी आप अपने खेल को एक जिम्मेदारी के रूप में ले सकते हैं। आप बाहर की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करते हैं और फिर आप अपने घर वापस आते हैं, आप परिवार के साथ होते हैं और आपके घर में माहौल बिलकुल सामान्य होता होती है और सामान्य पारिवारिक जीवन चलता रहता है।

उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरे लिए यह बहुत खुशी का दिन होता है। जब भी संभव होता है, मैं अपने परिवार के साथ बाहर जाने और समय बिताने का कोई अवसर नहीं छोड़ता। कोहली ने इस बात से निराश थे क्योंकि ऐसे मुद्दों से जिसका कोई संबंध भी नहीं था, वो लोग भी इन चर्चाओं में शामिल रहे हैं। इस के खिलाड़ी ने कह, 'मुझे इससे बहुत निराशा हुई क्योंकि जिनका इस मामले में कोई लेना देना नहीं था, उन्हें भी चर्चा में शामिल किया गया जिन्होंने कहा, 'ओह, शायद खिलाड़ियों को परिवार से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'और अगर आप किसी खिलाड़ी से पूछें कि क्या आप चाहते हैं कि आपका परिवार हर समय आपके आस-पास रहे? तो वे 'हां ही कहेंगे।

कपिल देव ने विदेश दौरे पर परिवार ना ले जाने वाले बीसीसीआई के फैसले पर रखी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव विदेश दौरे पर क्रिकेटरों के अपने परिवार साथ में रखने के पक्ष में है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मामले में संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिए। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने निर्देश जारी किया कि 45 से अधिक दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं।

दिशानिर्देशों के अनुसार इससे कम अवधि के दौरे पर खिलाड़ी अधिकतम एक सप्ताह तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं। विश्व कप 1983 के विजेता कप्तान ने 'कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन इनविटेशनल' कार्यक्रम के मौके पर कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता, यह व्यक्तिगत है। मुझे लगता है कि यह क्रिकेट बोर्ड का फैसला है। मेरे विचार में आपको परिवार की जरूरत है लेकिन आपको हर समय टीम के साथ रहने की भी जरूरत है।'

हाल में समाप्त हुई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान विराट कोहली, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ियों के परिवार भी दुबई में थे लेकिन वे टीम होटल में नहीं ठहरे थे। परिवार का खर्चा बीसीसीआई ने नहीं बल्कि स्वयं खिलाड़ियों ने उठाया था।

कपिल ने कहा, 'हमारे जमाने में क्रिकेट बोर्ड नहीं बल्कि हम खुद ही तय करते थे कि दौरे का पहला चरण क्रिकेट को समर्पित होना चाहिए जबकि दूसरे चरण में परिवार के साथ रहने का आनंद लेना चाहिए। इसमें संतुलन होना चाहिए।' इससे पहले रविवार को कोहली ने विदेश दौरे में परिवार को साथ रखने का समर्थन किया था।

पाक गेंदबाज अली को कीवी बल्लेबाजों ने जमकर पीटा, करियर खतरे में पड़ा

डुनेडिन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे पर गयी पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। इस दौरे से अपना करियर शुरु करने वाले

33 साल के मोहम्मद अली की गेंदों की इतनी पिटाई हुई है कि उनका करियर शुरु होने से पहले ही समाप्त होता नजर आ रहा है। पहले मैच में अली ने तीन ओवरों में ही 25 लुटा दिये थे। वहीं दूसरे मैच भी भी इस पाक गेंदबाज की जमकर पिटाई हुई। दूसरे मुकाबले में उनकी पहली और तीसरे गें पर मेजबान टीम के बल्लेबाज फिन ऐलन ने छक्के लगा दिये। इसके बाद की तीन गेंदों पर भी एक छक्का लगा। इस प्रकार ओवर में कुल 18 रन बने।

वहीं जबकि अगले ओवर में भी अली की गेंदों पर टिम सिफर्ट ने जमकर शॉट लगाये। उन्होंने पहली गेंद पर छक्का, वहीं दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर उन्हें सिफर्ट का मिला पर तब तक इस ओवर में अली ने 16 रन लुट दिये थे जिससे मैच पाक के हाथ से फिसल गया था।

इस मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बारिश से प्रभावित मुकाबले में 15 ओवरों में 9 विकेट पर 135 रन बनाए। कप्तान सलमान अली आगा ने 46 और शादाब खान ने 26 रन बनाये। इसे बाद कीवी टीम ने 13 ओवर ओर एक गेंद में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस प्रकार पाक को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है।

वरुण का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा

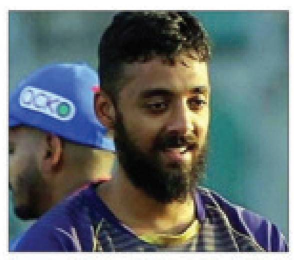

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अपने करियर में कई बदलावों से गुजरे हैं। वरुण शुरु से क्रिकेटर बनना चाहते थे पर उनका लक्ष्य स्पिनर नहीं बल्कि तेज गेंदबाज बनना था पर उन्हें अवसर नहीं मिल पाया। ऐसे में टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर प्रवेश का उन्होंने प्रयास किया और कई 40 ट्रायल दिए पर असफल रहे। ऐसे में निराश होकर उन्होंनें क्रिकेट को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान देना शुरु कर दिया और अंत में आर्किटेक्ट बनने में सफल रहे। इसके बाद इस क्षेत्र में नौकरी शुरु कर दी।

आर्किटेक्ट की नौकरी के दौरान वह शौकिया तौर पर कंपनी की ओर खेलने लगी। इसके बाद काम में उनका मन नहीं लगा और उन्होंने एक बार फिर क्रिकेटर बनने की ठानी। उनका ध्यान तेज गेंदबाज बनने पर था जिसके लिए उन्होंन कए बार फिर प्रयास किया पर अभ्यास के दौरान घायल हो गये। इसके बाद सभी विकल्प आजमाने के बाद उनका ध्यान स्पिन गेंदबाजी की ओर गया। वह यूट्यूब से ही अनिल कुंबले और एडम जैम्पा की गेंदबाजी देख अभ्यास करने लगे।

उनकी मेहनत रंग लायी। साल 2017 में वरुण ने तमिलनाडु के जुबली क्रिकेट वनडे टूर्नामेंट में 7 मैच में 31 विकेट लिए जिसकी बदौलत उन्हें तमिलनाडु प्रीमियर लीग में मौका मिला। 28 की उम्र में वरुण को आईपीएल में अवसर मिला। उन्हें 2019 में पंजाब ने 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा। फिर वे कोलकाता नाइट राइडर से जुड़े और उन्हें अपनी गेंदबाजी से मिस्ट्री स्पिनर कहा जाने लगा। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारतीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। श्रीलंका के खिलाफ 25 जुलाई 2021 को आर.प्रेमदासा स्टेडियम में उन्होंने टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। वहीं साल 2021 में यूएई में हुए टी-20 विश्वकप में वरुण अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने की वजह से उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। इससे वह निराश हो गये पर उन्होंने मेहनत नहीं छोड़ी और अभ्यास करते रहे। उनकी मेहनत सफल रही। गत वर्ष आईपीएल में 21 विकेट लेकर इस गेंदबाज ने कोलकाता की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस सीजन के लिए कोलकाता ने उन्हें 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन मैच में 9 विकेट लेकर वे टूर्नामेंट के दूसरे सफल गेंदबाज और भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। इस साल भारत-इंग्लैंड के बीच हुई टी-20 सीरीज के 5 मैचों में भी वह 14 विकेट लेकर वे मैन ऑफ द सीरीज भी बने थे।

भारतीय मुक्केबाजों के लिए खुशखबरी, ओलंपिक में फिर से शामिल होगा बॉक्सिंग

नई दिल्ली। साल 2028 लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों से मुक्केबाजों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में मुक्केबाजी को शामिल किया जाएगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने मंगलवार से शुरू हो रहे 144वें सत्र से पहले इसे मंजूरी दे दी। आईओसी ने पिछले महीने वर्ल्ड मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता दे दी थी जिससे अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ को दरकिनार करके नयी नियामक ईकाई को अधिकार सौंपे। वहीं आईओसी के 18 से 21 मार्च तक चलने वाले सत्र में थॉमस बाक की जगह नए अध्यक्ष का भी चुनाव किया जाएगा। इसके साथ ही लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में मुक्केबाजी को शामिल करने के कार्यकारी बोर्ड के फैसले को मंजूरी भी मिलेगी। बाक ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा कि, फरवरी में वर्ल्ड मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता मिलने के बाद हम ये फैसला लेने की स्थिति में थे। सत्र में इसे मंजूरी के लिए रखा जाएगा और मुझे यकीन है कि इसे मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद दुनिया भर के मुक्केबाज लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेल सकेंगे अगर उनके राष्ट्रीय महासंघ को वर्ल्ड मुक्केबाजी से मान्यात मिली हुई है। वहीं आईओसी के देखरेख में टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 की मुक्केबाजी इवेंट में हुई थी। लंबे समय से चले आ रहे संचालन संबंधी मसलों और मुकाबलों की निष्पक्षता पर सवाल उठने के बाद 2023 में आईबीए की मान्यता रद्द कर दी गई थी।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की उपकप्तानी करते नजर आयेंगे डू प्लेसिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफीकी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के उपकप्तान के तौर पर उतरेंगे। कैपिटल्स ने एक वीडियो पोस्ट करके उन्हें उपकप्तान बनाये जाने की जानकारी सार्वजनिक की है। फाफ इस वीडिया में

कहते नजर आ रहे हैं कि वक कैपिटल्स में आकर बेहद खुश हैं। इससे पहले फाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में थे। इस क्रिकेटर ने अब तक 404 टी20 मैच खेले हैं और 40 साल की उम्र में भी दुनिया भर की लीग में अपने प्रदर्शन के कारण टिके हुए हैं। उन्होंने 383 पारियों में छह शतकों और 78 अर्द्धशतकों की मदद से 32.66 की औसत से 11,236 रन बनाए हैं। फाफ के पास आईपीएल का काफी अनुभव है जिसमें दुबई के साथ तीन सत्र की की कप्तानी का अनुभव भी शामिल है, जिसमें टीम दो सीजन में प्लेऑफ तक पहुंची। इससे कैपिल्सक को लाभ होगा। फाफ ने 145 आईपीएल मैचों में 35.99 की औसत और 136 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 4,571 रन बनाए हैं जिसमें 37 अर्द्धशतक और 96 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी के दौरान डीसी ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस सत्र में अक्षर पटेल टीम के कप्तान बनाये गये हैं। डीसी अपना अभियान 24 मार्च को विजाग में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

शार्दुल को अवसर दे सकती है लखनऊ सुपर जायंट्स

मुम्बई। टीम इंडिया से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस बार आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। शार्दुल अभी जून में शुरू होने रहे इंग्लैंड के दौरे की तैयारी कर रहे हैं। हाल में घरेलू क्रिकेट में शार्दुल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऐसे में इसके आधार पर उन्हें एक टीम आईपीएल में अब भी अवसर दे सकती है। वह टीम है लखनऊ सुपर जायंट्स। उसके कई खिलाड़ी अभी चोटिल हैं। ऐसे में इस तेज गेंदबाजी ऑलराउंड र को जगह मिलने की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस क्रिकेटर को चेन्नई सपुर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स से खेलने आ अनुभव है जिसका लाभ लखनऊ उठाना चाहेगी। माना जा रहा है कि इसी कारण शार्दुल रविवार को अभ्यास के दौरान सुपर जायंट्स की किट पहने दिखे हालाकि अभी तक फ्रेंचाइजी ने अधिकारिक तौर पर उन्हें शामिल करने की कोई घोषणा नहीं की है।

भारतीय धाविका अर्चना जाधव डोप परीक्षण में फेल, चार साल का प्रतिबंध लगा

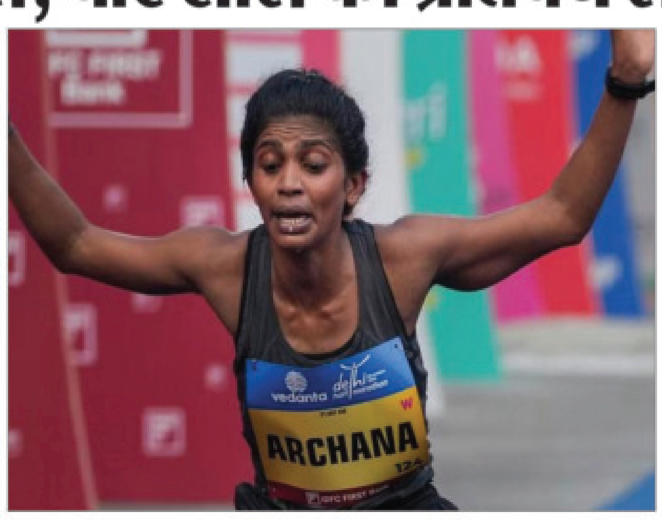

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव पर जनवरी में डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण मंगलवार को चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। अर्चना ने बार-बार याद दिलाने पर भी डोप परीक्षण में असफल रहने के खिलाफ अपील नहीं की जिससे विश्व एथलेटिक्स ने यह मान लिया कि वह अपना अपराध स्वीकार करती है और इसलिए उस पर प्रतिबंध लगा दिया।

विश्व एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के अनुसार जाधव का जो नमूना पिछले साल दिसंबर में पुणे हाफ-मैराथन के दौरान लिया गया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ ऑक्सेंड्रोलोन था। यह सिंथेटिक एनाबॉलिक स्टेरॉयड शरीर में प्रोटीन उत्पादन और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है। प्रतिबंध सात जनवरी से लागू हुआ। जाधव इस अवधि के लिए अस्थायी तौर पर निलंबित थी।

15 दिसंबर 2024 से उनके सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे और उन्हें इस अवधि के लिए सभी पुरस्कार, पदक, अंक, पुरस्कार और उपस्थिति राशि जमा करने होंगे। उन्होंने 25 फरवरी को एआईयू को एक ईमेल में उल्लंघन के आरोप का जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे बेहद खेद है सर...मैं आपके फैसले का स्वागत करती हूं।' एआईयू ने कहा कि इस संवाद को लेकर उसकी समझ यह थी कि जाधव को सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी और वह निकाय से निर्णय से संतुष्ट थी। एआईयू ने कहा कि फिर भी जाधव को सूचित किया गया कि उनके पास यह स्वीकार करने के लिए तीन मार्च तक का समय है कि उन्होंने डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन किया है।

इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 28 फरवरी को उन्हें इसकी याद दिलाई। हालांकि, एआईयू को जाधव से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया था, जिसमें भारतीय महिला खिलाड़ियों में लिली दास, कविता यादव और प्रीति लांबा के पीछे चौथे स्थान पर रहीं थी। जाधव का 10,000 मीटर में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 35¬44.26 और हाफ मैराथन में 1¬20¬21 है। 3,000 मीटर में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10¬28.82 है।

आइपीएल उद्घाटन समारोह में श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी सहित कई सितारें कार्यक्रम पेश करेंगे

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के उद्घाटन सत्र में इस बार बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी और पंजाबी पॉप सिंगर करण औजला कार्यक्रम पेश करेंगे। इनके अलावा वरुण धवन और श्रद्धा कपूर भी इसमें शामिल हो सकते हैं। वहं पिछले सत्र में अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, गायक सोनू निगम और एआर रहमान ने आईपीएल में कार्यक्रम पेश किया था। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि आईपीएल उद्घाटन समारोह के लिए 25 मिनट का समय तय किया गया है, जिससे मैच की मनोरंजक शुरुआत हो सके। उन्होंने कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है पर कहा कि यह एक भव्य आयोजन होगा। गांगुली ने कहा कि हम उद्घाटन समारोह का आयोजन करेंगे, हालांकि हमें अभी तक नही पता कि कौन-कौन प्रस्तुति देंगे। अभी तक लिखित पुष्टि नहीं हुई है पर निश्चित रूप से यह भव्य समारोह होगा। कुल मिलाकर कोलकाता के लोगों के लिए यह आईपीएल का एक खूबसूरत उद्घाटन समारोह होगा। आईपीएल 22 मार्च से शुरू होकर 25 मई को समाप्त होगा, जिसमें 13 शहरों में 74 मैच होंगे।

सबालेंका को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता इंडियन वेल्स का खिताब

कैलिफोर्निया। रूस की महिला वर्ग की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर इंडियन वेल्स का खिताब अपने नाम कर लिया हैं। आज यहां फाइनल में मुकाबले में एंड्रीवा ने इंडियन वेल्स दुनिया की नवंबर वन और तीन बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका को 2-66-46-3 से हराया। यह एंड्रीवा का लगातार दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 स्तर के टूर्नामेंट का खिताब है। एंड्रीवा 1998 में मार्टिना हिंगिस और सेरेना के बाद टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी सबसे कम उम्र की चैंपियन खिलाड़ी बन गई हैं। मैच के बाद ट्रॉफी उठाते हुए एंड्रीवा ने कहा कि मैं अंत तक लड़ने के लिए, हमेशा विश्वास रखने के लिए और कभी हार न मानने के लिए खुद को धन्यवाद देना चाहूंगी। मैंने आज खरगोश की तरह दौड़ने का प्रयास किया बस बने रहना वाकई मुश्किल था, इसलिए मैंने अपना सर्व श्रेष्ठ दिया, क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई है।

मेरे बारे में धारणायें बनाई गई, टाइपकास्ट किया गया लेकिन मुझे अपनी ताकत पता थी : श्रेयस

नई दिल्ली। उन्हें तथाकथित तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणाओं से लड़ना पड़ा, उन्हें टाइपकास्ट किया गया और विश्व कप नायक बनने के कुछ महीनों के भीतर ही उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया लेकिन श्रेयस अय्यर इन सबके बावजूद अडिग रहे और अपनी ईमानदारी और सुलझे हुए दिमाग पर भरोसा करके आगे बढ़े। इसका फल भी उन्हें मीठा ही मिला। पिछले कुछ समय में वह चौथे नंबर पर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने और कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दिन पहले चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद उन्हें 'मौन नायक' करार दिया। शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर पूछे जाने पर श्रेयस ने इंटरव्यू में कहा, 'शायद ऐसी धारणा बनाई गई थी या मुझे टाइपकास्ट किया गया। लेकिन मुझे हमेशा से अपनी ताकत, क्षमता पता थी और खुद पर भरोसा था।' पिछले 8 वनडे में उन्होंने चौथे नंबर पर 53 की औसत से रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'खेल बदलता रहता है लिहाजा खिलाड़ी को लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं सकारात्मक सोच के साथ खेल सका और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखा।' पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनकी कमर में चोट लगी और फिर उन्हें केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा चूंकि उस समय वह अपनी तत्कालीन आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अभ्यास कर रहे थे जबकि उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलना था।

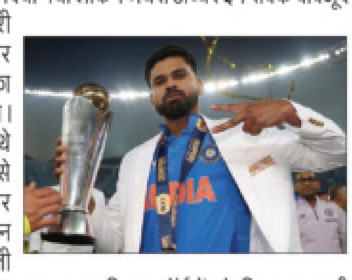

टीम का माहौल ऐसा हो, सभी अपनी बात रख सकें : ऋषभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी करने जा रहे ऋषभ पंत ने कहा कि वह टीम में ऐसा माहौल बनाएंगे जिससे सभी खिलाड़ी अपनी बात रख सकें। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ ने कहा कि किसी को भी ऐसा नहीं लगना चाहिये कि वह अपनी राय को व्यक्त नहीं कर सकता। उनका प्रयास एक खुला माहौल बनाना है। नये कप्तान ने कहा हम ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहां लोग आकर अपनी बात कह सकें। यह एक बहुत ही सरल विचार है। इसे कहना आसान है पर अमल में लाना नहीं, क्योंकि इसके लिए हर व्यक्ति को बहुत प्रयास करना पड़ता है।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह काम केवल प्रबंधन ही नहीं कर सकता है। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की वजह से ही हम ऐसा माहौल बना पाते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर मैंने हमेशा यही महसूस किया है कि अगर आप अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और उन्हें पर्याप्त भरोसा देते हैं, तो वे आपको किसी भी स्तर पर आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमारे इस समूह और प्रबंधन के पास अच्छा खास अनुभव है।

एलएसजी दो बार एलिमिनेटर में बाहर होने से पहले आईपीएल 2022 और 2023 सत्र के प्लेऑफ में पहुंची थी। आईपीएल 2024 में, एलएसजी अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। उन्होंने निकोलस पूरन, एडेन मार्करम और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से टीम के नए खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करने को भी कहा है।

कप्तान ने कहाकेवल अपने अनुभव को युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते रहें और उस अनुभव को इस समूह को हासिल करने दें। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो हम सभी सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं, और बस एक दिन में एक बार इसे आगे बढ़ाएं, बस अपना 100 फीसद दें, टीम के हित को ध्यान में रखते हुए काम करें। उसमें ये सोचने की जरुरत नहीं कि हमारी टीम आपका समर्थन करेगी या नहीं। साथ ही कहा, मुझे लगता है कि हम प्रत्येक व्यक्ति पर भरोसा करते हैं कि वे सर्वश्रेष्ठ लोग हैं। इसलिए हम सभी यहां एक साथ हैं। हमें एक दूसरे का साथ देना चाहिये जिससे जब हम यहां से वापस जाएं, तो मुझे लगता है कि हमें एक बेहतर खिलाड़ी ओर इंसान के रुप में याद किया जाये।

दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ऋषभ को मेगा नीलामी में एलएसजी आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ रकम देकर 27 करोड़ में खरीदा था। अब टीम आईपीएल 2025 सीजन का अपना पहला मैच 24 मार्च को विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी।

सीमा हैदर और सचिन के घर आया नया मेहमान

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तानी भाभी के नाम से मशहूर सीमा हैदर पांचवी बार मां बन गई है। यह बच्चा सीमा और सचिम मीणा का है। हैदर ने ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे बच्ची को दिया जन्म। करीब दो साल पहले चार बच्चों के साथ पाकिस्तान से दुबई और नेपाल के रास्ते सीमा भारत आई थी। हालांकि उसे अभी तक भारत की नागरिकता नहीं मिली है। दोनों की मुलाकात ऑनलाइन पबजी गेम खेलते हुई थी। इसके बाद दोनों में नजदीकियां बढ़ी और सीमा बच्चों सहित अपने प्रेमी सचिन के पास रहन के लिए आ गई।सीमा और सचिन ने पिछले साल दिसंबर के महीने में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में सीमा के गर्भवती होनी की जानकारी दी गई थी। दोनों काफी खुश दिखाई दे रहे थे। वीडियो में हैदर प्रेग्नेंसी किट दिखाते हुए सचिन को पिता बनने की खुशखबरी दे रही थी। जिसके बाद सचिन सीमा को गले लगा लेता है। तब सीमा ने बताया था कि वह सात महीने की गर्भवती है।जल्द ही उनके घर किलकारी गूंजने वाली है।

शिरडी एयरपोर्ट परिसर में खुलेआम घूम रहे तेंदुए, भयभीत हैं यात्री और स्टाफ

शिरडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शिरडी एयरपोर्ट इलाके में एक मादा तेंदुए ने दो शावकों को जन्म दिया है। इसके चलते एयरपोर्ट स्टाफ में दहशत का माहौल है। हालांकि वन विभाग ने एयरपोर्ट के अंदर पिंजरे लगा दिए हैं और तेंदुओं को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। इस बीच एयरपोर्ट परिसर में खुलेआम घूम रहे तेंदुए से यात्री और स्टाफ भयभीत हैं। खबर है कि शिरडी एयरपोर्ट इलाके में दो शावकों के साथ घूम रही मादा तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है। वन विभाग ने कहा है कि ये वीडियो सही हैं। जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट क्षेत्र में चार पिंजरे लगाए गए हैं। बता दें कि वन विभाग ने कुछ महीने पहले एक नर तेंदुए को पकड़ने में सफलता पाई थी। कहा जा रहा है कि अब जल्द ही मादा तेंदुए और उसके दो शावकों को भी पकड़ लिया जाएगा। मालूम हो कि शिरडी एयरपोर्ट क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ और झाड़ियां होने के कारण इस क्षेत्र में तेंदुओं की आवाजाही बढ़ गई है। वन विभाग पिछले कुछ महीनों से मादा तेंदुए और उसके शावकों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। तेंदुए की आवाजाही के बाद एयरपोर्ट पर यात्रियों और स्थानीय निवासी की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक मादा तेंदुआ एयरपोर्ट परिसर के अंदर चली गई और उसने शावकों को जन्म दिया। तब तक प्रशासन क्या कर रहा था। एयरपोर्ट क्षेत्र में पेड़ों और झाड़ियों के कारण यह देखा जा रहा है कि इस क्षेत्र में तेंदुए खुलेआम घूम रहे हैं। तेंदुए एयरपोर्ट के अंदर घूम रहे हैं, इसलिए विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ में बाधा आ सकती है। साथ ही तेंदुआ एयरपोर्ट क्षेत्र में यात्रियों पर भी हमला कर सकते हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल अर्जी पर सुनवाई टली

वाराणसी (एजेंसी)। सिखों पर दिए गए बयान मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल निगरानी अर्जी पर सोमवार को सुनवाई नही हो सकी। हालांकि राहुल गांधी के अधिवक्ता ने विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए) की अदालत में वकालतनामा दाखिल किया। अदालत ने सुनवाई की अगली तिथि 14 अप्रैल तय की है। तिलमापुर सारनाथ के नागेश्वर मिश्र ने अदालत में निगरानी अर्जी दाखिल की है। उनका आरोप था कि राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका दौरे के दौरान बयान दिया था। राहुल ने कहा था कि सिखों के लिए भारत में अच्छा माहौल नही है। ऐसे बयान से देश में गृह युद्ध जैसे हालात हो सकते हैं। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कर रहे हैं।

24 दलितों की सामूहिक हत्याकाण्ड मामले में 44 साल बाद तीन को फांसी की सजा

मैनपुरी (एजेंसी)। उप्र के फिरोजाबाद के जसराना के गांव दिहुली में 18 नवंबर 1981 को हुई 24 दलितों की सामूहिक हत्या में मंगलवार को कोर्ट ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ ही दो दोषियों पर दो-दो लाख और एक दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। कोर्ट से आदेश होने के बाद पुलिस तीनों को जिला कारागार मैनपुरी ले गई। वहां उन्हें दाखिल किया गया। एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की अदालत में सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को मैनपुरी जिला कारागार से भारी सुरक्षा के बीच लाकर पेश किया गया। इनकी पेशी के बाद 12.30 बजे करीब फिर से इनको दीवानी की अदालत में भेज दिया गया। लंच बाद कोर्ट से फिर इनकी पुकार हुई। दोपहर तीन बजे तीनों दोषियों को फिर से पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से रोहित शुक्ला ने तमाम दलीलें पेश करते हुए नरसंहार के साक्ष्यों और गवाही का हवाला देते हुए फांसी की मांग की। कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाही के आधार पर उस भयावह नरसंहार के दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई। कप्तान सिंह, रामसेवक को दो-दो लाख और रामपाल को एक लाख रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया गया। सजा सुनते ही तीनों के चेहरों पर मायूसी छा गई। यह रोने लगे। कोर्ट के बाहर इनके परिजन भी मौजूद थे, वह भी रोने लगे। इसके बाद पुलिस ने इन्हें जेल ले जाकर दाखिल कर दिया।

मोमोज बनाने वाली एक फैक्ट्री के फिज में कुत्ते का सिर मिला, पुलिस जांच में जुटी, पंजाब के मोहाली का मामला

मोहाली(एजेंसी)। पंजाब के मोहाली में नगर निगम की मेडिकल टीम ने चिकन की दुकानों पर छापेमारी कर करीब 60 किलो बदबूदार फ्रोजन चिकन जब्त किया। साथ ही टीम ने चिकन को नष्ट कर दुकानों का चालान काटा है। दावा है कि इस दौरान मोमोज बनाने वाली एक फैक्ट्री के फ्रिज में कुत्ते का सिर भी मिला है। मोहाली के सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. अमृत वारिंग ने कहा कि फैक्ट्री चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है। वितरण के लिए मोमोज और स्प्रिंग रोल बनाने वाली फैक्ट्री की जांच हो रही है, ताकि पता लग सके कि कुत्ते का मांस इस्तेमाल हुआ था या नहीं।

नीतीश के बेटे निशांत की राजनीति में होगी एंट्री, जेडीयू नेता दे रहे ट्रेनिंग

पटना (एजेंसी)। बिहार सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार पहली बार सार्वजनिक रूप से 8 जनवरी को सामने आए थे। वे अपने पिता के साथ स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि देने अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे थे। मीडिया से वे पहली बार रुबरु हुए थे। वे जितना बोले, उससे यही लगा कि उन्हें जितना बोलने के लिए कहा गया था, उतना ही उन्होंने कहा। नपे-तुले शब्दों और पोलिटिकल अंदाज में उन्होंने पिता के कार्यों के लिए उन्हें वोट देने की अपील की। उसी दिन से यह बात चल पड़ी की निशांत राजनीति में एंट्री करने वाले हैं।

निशांत पिता नीतीश कुमार के साथ सीएम आवास पर लोगों से मिलते रहे। नीतीश की ही तरह वे जेडीयू नेताओं और सरकारी अधिकारियों से मिले। इतना ही नहीं, पार्टी के बड़े नेताओं को भी उनसे मिलना औपचारिकता से ज्यादा जरूरी लगा। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी ने तो निशांत को ऐसा भाव दिया, जैसे वे जेडीयू के सीनियर लीडर हों।

निशांत की 50 के आसपास है। निशांत मौजूदा सीएम के बेटे हैं और तेजस्वी पूर्व मुख्यमंत्री के। चिराग पासवान भी पिता की विरासत ही संभाल रहे हैं। 10 साल के राजनीतिक करियर में तेजस्वी डिप्टी सीएम दो बार बन गए तो चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री बन गए। लगता है कि निशांत ने अब जिद छोड़ दी है। वे भी दूसरे नेता पुत्रों की तरह राजनीति में आना चाहते हैं। उम्र के हिसाब से निशांत की समझ तो बढ़ी ही होगी। फिर भी पहली बार राजनीति में जगह बनाने के लिए निशांत को राजनीतिक प्रशिक्षण की जरूरत होगी। उन्हें जेडीयू के कुछ नेता राजनीति की बारीकियां समझा रहे हैं।

अब लगता है कि नीतीश कुमार ने भी अपनी जिद छोड़ दी है। वे तो वंशवादी राजनीति के कट्टर विरोधी रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर को अपना आदर्श मानते हैं, जिन्होंने जीते जी परिवार के किसी व्यक्ति को राजनीति में आने से रोका। नीतीश कुमार दूसरे समाजवादियों की तरह ही इस बात के पक्षधर रहे हैं कि रानी की कोख से जन्मा व्यक्ति ही राजा नहीं बनेगा. लालू यादव की वंशवादी राजनीति पर नीतीश के तेवर हाल तक तल्ख रहे हैं. जब तक निशांत की एंट्री की औपतारिक घोषणा नहीं हो जाती, तब तक यही मान कर चलना होगा कि नीतीश कुमार की वंशवादी राजनीति पर धारणा बदली नहीं है।

नीतीश कुमार जानते हैं कि पिछली बार जैसी ही अगर जेडीयू की खराब स्थिति रही तब भी वे सब पर भारी पड़ेंगे। बीजेपी और जेडीयू को पिछली बार जितनी ही सीटें मिली तब भी नीतीश को खेल करने का मौका मिल जाएगा। आरजेडी और बीजेपी को सरकार बनाने के लिए जेडीयू पर ही निर्भरता रहेगी। यानी नीतीश किंगमेकर की भूमिका में रहेंगे। बीजेपी उन्हें आरजेडी की ओर मुखातिब होने नहीं देना चाहेगी। शायद यही वजह है कि बीजेपी द्वारा सीएम फेस घोषित न करने के बावजूद नीतीश को कोई बेचैनी नहीं है।

रिपोर्ट में खुलासा : देश के 45 फीसदी विधायकों पर दर्ज हैं आपराधिक मामले

-आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 138 तो सिक्किम में है सिर्फ एक

नई दिल्ली, । चुनाव सुधार पर काम करने वाले एक एनजीओ की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के 45 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विशेषण किया जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 (79फीसदी) विधायकों ने जबकि, सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक (3फीसदी) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 (86फीसदी) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। 24 विधायकों के हलफनामे का एनालिसिस खराब स्कैनिंग की वजह से नहीं किया जा सका, जबकि विधानसभाओं में सात सीटें खाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं, 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर 376 और 376 (2)(एन) के तहत रेप का आरोप है। धारा 376 (2)(एन) एक ही पीड़ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

मणिपुर में हालात हो रहे सामान्य, 7,000 नए आवास मंजूर किए गए

-केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हालात अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। यहां हिंसक घटनाओं में काफी कमी आई है। हिंसा में बेघर हुए लोगों के लिए करीब 7,000 नए आवास मंजूर कर दिए गए हैं। राहत और पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक फंड दिया जा रहा है। राज्य में कानून व्यवस्था के लिए सेना व असम राइफल्स की तैनाती कर दी गई है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 286 कंपनियों को राज्य पुलिस के साथ मणिपुर में तैनात किया गया है। मंगलवार को यह जानकारी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में दी।

उन्होंने बताया कि मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए मोदी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। नेशनल हाईवे पर सुरक्षित और सुचारू आवागमन सुनिश्चित किया जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। हेलीकॉप्टर सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि करीब 60 हजार लोग अभी भी रिलीफ कैंप में रहने को मजबूर हैं। वहीं करीब 7000 लोग अपने घरों को लौट चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के विशेष पैकेज के तहत 400 करोड़ रुपए रिलीफ कैंप ऑपरेशन के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत बेघर हो गए लोगों के लिए सात हजार घरों को मंजूरी दी गई है। मणिपुर वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, रेलवे प्रोजेक्ट कंपनी, मेडिकल कॉलेज, ट्रिपल आईटी और सरकारी आवास योजनाएं उपलब्ध की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था को नियंत्रित और बेहतर करने के लिए राज्य में लगातार काम हो रहा है। इसके साथ ही आर्थिक गतिविधियां शुरू करने पर ध्यान दिया जा रहा है। मणिपुर में रिलीफ के लिए सौ करोड़ रुपए की राशि दी जा चुकी है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए 200 करोड़ रुपये की राशि एनडीआरएफ और 68 करोड़ रुपए की राशि एसडीआरएफ के तहत रखी गई है। उन्होंने बताया कि मणिपुर राज्य के लिए 500 करोड़ का आपातकालीन फंड बनाया गया है। यह फंड राज्य के लिए है ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में इस धन राशि का उपयोग किया जा सके।

सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन पर जनता का विश्वास खत्म हुआ

सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर जाताई नाराजगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग और इसमें सत्ता में बैठे लोगों के शामिल होने पर नाराजगी जताई है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए गए मामलों में गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा की याचिका खारिज कर दिया गया और कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन में जनता का विश्वास खत्म हुआ है और वित्तीय संस्थानों में प्रणालीगत कमजोरियां पैदा हुई हैं।

न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें प्रदीप शर्मा ने गुजरात पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के कई मामलों की शुरूआती जांच का अनुरोध किया था। मनी लॉन्ड्रिंग, एक ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी है जिसमें अपराधी अपनी सम्पत्ति के अवैध स्रोत को छिपाते हैं। इस धोखाधड़ी का मकसद कालेधन को सरकार और कानूनी एजेंसियों की नजरों से छिपाना होता है ताकि इसे बिना किसी शक के इस्तेमाल किया जा सके।

मनी लॉन्ड्रिंग, दुनिया के ज्यादातर देशों में एक गंभीर अपराध है। भारत में, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों को सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम मामले में कहा कि धन शोधन के दूरगामी परिणाम होते हैं, न केवल भ्रष्टाचार के व्यक्तिगत कृत्यों के संदर्भ में, बल्कि इससे सरकारी खजाने को भी काफी नुकसान होता है।

युगल पीठ ने कहा कि वर्तमान मामले में कथित अपराधों का अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि अवैध वित्तीय लेन-देन राज्य को वैध राजस्व से वंचित करते हैं, बाजार की

अखंडता को प्रभावित करते हैं और आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। सत्ता में बैठे व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले ऐसे कृत्य शासन में जनता के विश्वास को खत्म करते हैं और वित्तीय संस्थानों के अंदर प्रणालीगत कमजोरियों को जन्म देते हैं।

अमेरिकी एनएसए तुलसी गबार्ड ने कहा, ट्रंप और मोदी शांति के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह शांति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। भारत दौरे पर आईं तुलसी गबार्ड ने रायसीना डायलॉग 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ही तरह पीएम मोदी भी शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी एनएसए गबार्ड ने रायसीना डायलॉग 2025 में स्पष्ट किया कि 'अमेरिका फर्स्ट' का मतलब अमेरिका इकलौता नहीं है। उन्होंने बताया कि कैसे राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए को अवसर गलत समझा जाता है। तुलसी गबार्ड ने कहा, यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि हमारे राष्ट्रपति अमेरिका फर्स्ट का आह्वान कर रहे हैं तब वे अलगाववादी हैं। यह आरोप एक गहरी गलतफहमी या गलत धारणा को दिखाता है कि दूसरे देशों के साथ जुड़ने का एकमात्र तरीका संघर्ष है। वे एक शांतिदूत और एकजुट करने वाले नेता के रूप में अपनी विरासत चाहते हैं। तुलसी गबार्ड ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प एक शांतिदूत और एकजुट करने वाले नेता के रूप में अपनी विरासत छोड़ना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य अपने नेतृत्व को सबसे अच्छी और समय पर खुफिया जानकारी प्रदान करना है। जब पीएम मोदी वाशिंगटन में थे, तब राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि साइबर सुरक्षा साधनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास के लिए हमारे सुरक्षा हितों को मजबूत करने का एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के लिए पीएम मोदी का वॉशिंगटन का शुरुआती दौरा एक निजी दोस्ती थी।

तेलंगाना में बिल पास: पिछड़ों को मिलेगा 42 फीसदी आरक्षण, भाजपा ने किया समर्थन

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में पहले जाति आधारित गणना की गई इसके बाद पिछड़ी जातियों को 42 फीसदी आरक्षण देने वाला विधेयक भी पास कर दिया गया। विधेयक के मुताबिक पिछड़ी जातियों को ना केवल सरकारी नौकरियों बल्कि शिक्षण संस्थानों और शहरी और ग्रामीण निकाय के चुनावों में भी इतना आरक्षण मिलेगा। इस विधेयक का सत्ताधारी कांग्रेस के अलावा विपक्षी बीआरएस और बीजेपी ने भी समर्थन कर कर दिया है।

बीआरएस नेता हरीश राव ने कहा, हम पिछड़ों के लिए 42 फीसदी के आरक्षण का बिना शर्त समर्थन करते हैं। पार्टी के नेता गांगुला कमलाकर ने कहा, देश में पिछड़ी जातियों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। हमारे हाथ में जो कुछ भी है हम इस आरक्षण के लिए करेंगे। बीजेपी की पायल शंकर ने कहा, कांग्रेस की वजह से ओबीसी आरक्षण में देरी हुई। हम बिल का समर्थन करते हैं लेकिन यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कास्ट सर्वे वैज्ञानिक तरीके से करवाया गया या नहीं। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जिस तरीके से आरक्षण लागू किया जा रहा है, वह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह आरक्षण मुस्लिमों के लिए नहीं है बल्कि मुस्लिमों में पिछड़ी जातियों के लिए है। कांग्रेस को धर्म के आधार पर देश को बांटना छोड़ देना चाहिए।

विधानसभा में इससे संबंधित तीन विधेयक पेश किए गए थे। एक में उपजातियों को भी आरक्षण देने के प्रावधान है। तेलंगाना की सरकर ने कास्ट सर्वे करवाया था जिसमें पता चला था कि 56.33 फीसदी पिछड़ी जातियां हैं। इसमें मुस्लिम समुदाय की भी जातियां शामिल थीं। बिल पेश करते हुए पिछड़ी जाति कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा, तेलंगाना विधानसभा से एक संदेश जाना चाहिए कि हम सब पिछड़ी जातियों के लिए 42 फीसदी रिजर्वेशन का समर्थन करते हैं। ये जातियां देश का आधार बन गई हैं।विधानसभा में सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो 42 फीसदी रिजर्वेशन बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन आरक्षण विधेयकों का सभी पार्टियां समर्थन दे रही हैं। यह देश को बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा कि जो लोग भी इस ऐतिहासिक बिल का समर्थन कर रहे हैं, सभी धन्यवाद के पात्र हैं। सीएम ने कहा कि 42 फीसदी आरक्षण का वादा पूरा करने के लिए सारे प्रयास किए जाएंगे।उन्होंने कहा, सभी पार्टियों के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करके आरक्षण की सीमा बढ़ाने की अपील करनी चाहिए। इस आरक्षण को तभी लागू किया जा सकता है जब केंद्र सरकार संविधान की नौवीं सूची में इसे शामिल करेगी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बांदी संजय कुमार से भी अपील की कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का समय दिलवाएं। वहीं इस मामले को राहुल गांधी संसद में भी उठा सकते हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने लालू और ममता की खोली पोल, तब हर दिन एक या दो रेल दुर्घटनाएं होती थीं

1 किलोमीटर यात्रा की लागत करीब 1.4 रुपये, ले रहे सिर्फ 73 पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल दुर्घटनाओं की हालिया घटनाओं के बाद विपक्ष की ओर से किए गए हमलों के बीच राज्यसभा में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी और लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहते हुए हर दिन एक या दो रेल दुर्घटनाएं होती थीं जबकि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण संख्या घटकर प्रति वर्ष केवल 30 दुर्घटनाओं तक रह गई है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि जब राजद सुप्रीमो लालू यादव रेल मंत्री थे (2005-06) तब कुल 698 दुर्घटनाएं और पटरी से उतरने की घटनाएं हुई थीं। वहीं ममता बनर्जी के रेल मंत्री रहने के दौरान 395 दुर्घटनाएं और पटरी से उतरने की घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा, पहले औसतन प्रतिदिन एक दुर्घटना होती थी लेकिन अब यह संख्या घटकर प्रति वर्ष सिर्फ 30 हो गई है। यदि हम 43 रेल दुर्घटनाओं को भी शामिल करें तब कुल दुर्घटनाएं 73 होती हैं यानी पहले जो

आंकड़ा करीब 700 था वह अब 80 से भी कम हो गया है जोकि 90 प्रतिशत रेल हादसों की की कमी को दिखाता है।

वैष्णव ने बताया कि रेलवे ने कोविड महामारी के दौरान अपनी कार्यकुशलता को साबित किया है और अब यात्री और माल ढुलाई दोनों में वृद्धि देखी जा रही है।

उन्होंने राज्यसभा को संबोधित कर बताया कि एक किलोमीटर यात्रा की लागत करीब 1.4 रुपये है, लेकिन यात्रियों से सिर्फ 73 पैसे लेते हैं। इस साल भारतीय रेलवे ने 1,400 इंजनों का उत्पादन किया है जो अमेरिका और यूरोप के संयुक्त उत्पादन से अधिक है। उन्होंने कहा कि जनरल कोचों की संख्या एसी कोचों की तुलना में 2.5 गुना बढ़ाई जा रही है। साथ ही मौजूदा उत्पादन योजना के तहत 17,000 नॉन-एसी कोचों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे की वित्तीय स्थिति मजबूत हो रही है और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है।

घर में मौजूद कुछ सामान्य चीजें भी बढ़ा सकती हैं कैंसर का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानलेवा बीमारी कैंसर के लिए कई बाहरी और आंतरिक कारक जिम्मेदार होते हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि हमारे घर में मौजूद कुछ सामान्य चीजें भी कैंसर का खतरा बढ़ा सकती हैं। ये चीजें हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं, तो इनसे दूरी बनाना ही बेहतर होगा। नॉन-स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल अब आम हो चुका है, लेकिन रिसर्च में पाया गया है कि इन बर्तनों की कोटिंग में मौजूद परफ्लूरोऑक्टेनिक एसिड और अन्य टॉक्सिक पदार्थ कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसलिए स्टील या लोहे के बर्तनों का उपयोग करना ज्यादा सुरक्षित है। इसी तरह, प्लास्टिक की बोतलों में बिस्फेनॉल और फटालेट्स नामक कंपाउंड पाए जाते हैं, जो शरीर के अंदर जाकर गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कई शोध बताते हैं कि प्लास्टिक के बारीक कण पानी के जरिए हमारे शरीर में चले जाते हैं, जिससे कैंसर सहित अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसलिए, प्लास्टिक की बोतलों के बजाय कांच या तांबे की बोतलों का इस्तेमाल करना बेहतर होगा। कई लोग रोटियां और अन्य खाने की चीजें रखने के लिए एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग करते हैं, लेकिन इसमें मौजूद अधिक मात्रा में एल्युमिनियम लंबे समय तक शरीर में जमा होकर ब्रेस्ट कैंसर का कारण बन सकता है। इसी तरह, किचन में इस्तेमाल किए जाने वाले प्लास्टिक कंटेनर भी कैंसर कारक हो सकते हैं, क्योंकि इनमें मौजूद बीपीए केमिकल खाद्य पदार्थों में मिलकर सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी जगह स्टील या सिलिकॉन के कंटेनर का उपयोग करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। रिफाइंड ऑयल का अधिक इस्तेमाल भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

उच्च तापमान पर गर्म होने पर यह टूटकर हानिकारक केमिकल्स उत्पन्न करता है, जो कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए सरसों, नारियल या जैतून के तेल का उपयोग करना सेहत के लिए अधिक फायदेमंद है। इसके अलावा, घरों में इस्तेमाल होने वाली सेंटेड कैंडल्स से निकलने वाले केमिकल्स, प्लास्टिक चॉपिंग बोर्ड से निकलने वाले जहरीले तत्व भी कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए, इन चीजों से बचाव ही सुरक्षित और स्वस्थ जीवन का आधार है। बता दें कि विज्ञान ने आज भले ही कई बीमारियों का इलाज खोज लिया हो, लेकिन कैंसर के लिए अब तक कोई फुलप्रूफ इलाज विकसित नहीं हो सका है। यह बीमारी आज भी दुनिया भर में लाखों लोगों की जान ले रही है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**